कटनी का समय

धन्यवाद, भाई विलियम्स। सुप्रभात, मित्रो आज सुबह यहाँ पर होना एक सौभाग्य की बात है। इस प्रकार का एक परिचय करना, मुझे तो अब भी बहुत छोटा महसुस होता है। और मैं... यहाँ आज सुबह, फोनिक्स में आने के सुअवसर के लिए बहुत ही आभारी हूं।

2 मुझे याद है, जब मैं पहली बार फोनिक्स आया था, तब मैं कुछ सत्रह वर्ष का था। और यह उस समय से लेकर यकीनन बढ़ चूका है। इस सुबह जब हम फोनिक्स के अन्दर आये, हम शायद ही बता सकते है कि हमने ट्यूसन को कब छोड़ा। यह लगभग एकसाथ जुड़ गए है, तो बहुत से स्थान बस गए है। वे स्थान जहाँ हम अक्सर जाया करते थे और यहाँ तक छोटे गधे रेत पर चला करते थे, और अब वहां पर होटल और बड़ी दुकाने और इत्यादि हो गयी है। और निश्चय ही यह बातें मुझे बूढा बना रही है।

3 और फिर मैं यहाँ मेरे अच्छे भाई, भाई वेळडेज़ के पास यहाँ बैठा हुआ था, और मैंने—मैंने कहा, "तो, भाई... " हम बात कर रहे थे, और मैंने कहा, "तो, निश्चय ही, मैं बुढा हो रहा हूं।" मैंने कहा, "मुझे महसूस हो रहा है, मैं बुढापे की ओर बढ़ रहा हूं," मैंने कहा, "मेरी उम्र में पहुँचने तक रुको," या ऐसे ही कुछ। मैं—मैं जानकर अचंभित रह गया कि वो मुझसे बारह वर्ष बड़े है। मैंने कहा, "भाई वेळडेज़, मैं जानना चाहता हूं... आप कब से सुसमाचार प्रचार कर रहे है? "

उसने कहा, "पच्चास वर्ष से।"

4 तब, मैं बहुत ही छोटा बच्चा था, जब वो प्रचार करते थे। तो मैंने कहा, "भाई वेळडेज़, मैं चाहता हूं कि आज सुबह की सभा आप ले।" मैंने कहा, "मैं—मैं एक जवान पुरुष हूं," मैंने कहा, "मुझे यहाँ पर इस प्रकार की बातें बनाकर बोलने से नफरत है," मैंने कहा, "मेरे प्राचीनों।"

5 और वो बस हंस पड़े, कहा, "तुम क्या सोचते हो मैं यहाँ क्यों आया हूं? "

6 इसलिए मैं भाई वेळडेज़ के लिए बहुत ही आभारी हूं। वो मुझे यहाँ पर एक विश्राम घर के होने के बारे में बता रहे थे। जो—जो सचमुच बहुत ही अच्छा है। मैं इसकी सराहना करता हूं। मुझे निमंत्रण दिया कि आकर किसी

दिन उनके साथ मुलाकात करूँ। और यह यहाँ नई नदी के किनारे पर है। मैं नहीं जानता, आपमें से कोई जानता है, या नही कि यह कहाँ पर है। मुझे पक्का है, यदि इसके पीछे वेळडेज़है, तो अच्छी बात है।

7 तो, फिर, हर बार मैं कन्वेंशन में आता हूं तो, मैं हमेशा ही किसी से तो मिलता हूं जिसने—जिसने सभाओ में चंगाई पाई है, और ऐसे ही कुछ। और जब आज सुबह मैं यहाँ टेबल पर खड़ा था, एक बहुमूल्य अर्ब नाम की बहन यहाँ पर बैठी हुई है, जो यहाँ मिशिगन से आती है। उसका बेटा यहाँ इस मसीही स्टेशन पर उद्घघोषक है। और वो बहुत पहले फ्लिंट, मिशिगन में सभाओ के बारे में बता रही थी। उसके पास प्रार्थना पत्र था, और प्रार्थना करवाने के लिए कोशिश कर रही थी, और वो इसे नही कर पाई। और वो बहुत ही गंभीर रूप से बीमार है। और आज सुबह ठीक यहाँ पर, मैं विश्वास करता हूं, परमेश्वर ने स्त्री को चंगाई दी है, जो ठीक यहाँ इस स्थान के किनारे पर खड़ी हुई है।

8 मैंने कहा, "अब क्या ही एक समय है! यह लगभग बारह, चौदह वर्ष पहले रहा था, और अब फोनिक्स कहलाने वाले शहर में, फोनिक्स में कुछ तो है जिसे उजडे हुए शहर में से निर्माण—निर्माण किया है।" मैंने कहा, "तो, आज सुबह ऐसे ही बात तुम्हारे साथ घटित हुई है।" मैं विश्वास करता हूं आज सुबह परमेश्वर ने तुम्हे एक—एक उजड़े हुई सेहत से अच्छी सेहत का निर्माण किया है।

9 मैं पिछले संध्या को ही सुन रहा था, मुझे बहुत सारे फोन आ रहे थे। अब मैं आपका पडोसी हूं, मैं टूयूसान में रहता हूं, और मुझे बहुत सारे फोन आए थे, मैं उन सबके पास नही जा सका, इसलिए मैं उनके लिए केवल फोन पर प्रार्थना कर रहा था और वे, फिर, उन्होंने केवल अपने नंबर को मेरे लिए छोड़ा था।

10 और वहां एक सत्तासी वर्ष उम्र की, एक बूढी मसीही महिला थी, वो कुछ समय के लिए अपने दिमागी संतुलन से बाहर रही थी। वो रास्ते पर चीख रही थी, और पुलिस को बुला रही थी, कि, किसी ने उसके बालक को ले लिया है। सत्तासी वर्ष की उम्र, देखे, उसके दिमाग ने उसे छोड़ दिया था। और वो एक प्यारी बूढी महिला थी। मैंने उसे अपने जीवन में कभी नही जाना। और बिली ने फ़ोन किया और कहा, "प्रार्थना के लिए तुरंत ही

जाओ," कहा, "वो महिला की स्थिती गंभीर है, और वे सोच रहे है, वो मर जाएगी।" कहा, "महिला बस... वो अपने आपे से बाहर है।"

11 मैं इसी तरह फोन को पकडे रहा, और मैंने कमरे के अन्दर जाकर और प्रार्थना की। कुछ ही समय में, वो महिला सोयी थी। वो ठीक सामान्य रूप से उठकर खडी हो गयी, पूरे गोश्त का भोजन किया, उन आइसक्रीमो के साथ और इसके बाद में के कभी खाया। हाँ।

12 आपने देखा, परमेश्वर सर्वश्रेष्ठ है। वो बहुत ही वास्तविक है, वो कर सकता है... आपको वहां पर होने की आवश्यकता नही है; केवल—केवल इसे मांगो।

13 मैं सोचता हूं, यहाँ हमारे अगुवाई करने वाले यहाँ आज सुबह, कोई तो या शायद यह भाई वेल्डेज़ ने अपनी प्रार्थना में कहा, "हमारे पास नही होता है, क्योंकि हम मांगते नही है। हम मांगते नही है, क्योंकि हम विश्वास नही करते है।"

14 मैं यहाँ इन जवान लोगो के गीत गाने की सराहना करता हूं। भाई वेल्डेज़, हम बूढ़े लोग उस जवान व्यक्ति के सच्चाई की ओर ध्यान दे रहे थे, वो उस गवाही को दे रहा था, कि वो येशु को जानता है।

15 अब हम जानते है कि बहुत सी बार हम पाते है, ये चार लोगो का छोटा सा झुण्ड गा रहा था, मैं... यह एक दुसरे सेवक के शब्द है, भाई वेळडेज़ ने कहा, "किसी समय वे एक दर्ज़न की संख्या में आते थे।" क्योंकि, आज वे ऐसे दिखाई देते है, यह—यह, उस—उस पवित्रता और सच्चाई के स्थान में का एक प्रदर्शन बन गया है, जिसे एक बार पेंटेकोस्टल ने प्राप्त किया था।

16 और इन लडको की सच्चाई की मैं—मैं इसे सराहना करता हूं। लडको परमेश्वर आपको आशीष दे। और मैं...

17 मैं टेलीविज़न पर अधिक नही होता हूं। जैसे आप जानते है, मैं वास्तव में इसके खिलाफ हूं। और मैं असल में टूयूसान में एक स्थान को किराये से ले रहा हूं, जब तक हम स्थान को तय नही कर नही लेते, जहाँ पर प्रभु ने चाहा तो हम अपने लिए वहां घर को स्थापित करने वाले है। और वो महिला जिससे किराये पर घर लेना है, वो एक अच्छी मसीही महिला मित्र है, लेकिन उसके घर में एक—एक—एक टेलीविज़न था। तो, मेरे जवान बच्चे है, और आप जानते है, वे कैसे है, तो वे इसके लिए जल्दी में है। तो

कुछ सुबह पहले, जब मैं ऐसे ही भाई स्ट्रोमी के साथ एक दौरे से आया... मैं नही जानता कि भाई स्ट्रोमी आज सुबह यहाँ पर है कि नही है, वे टूयूसान के याजक सभा के अध्यश है। मेरी छोटी बेटी वहां पर पीछे बैठी हुई है, उसने मुझे देखने के लिए बुलाया, कहा, "वे किसी गानेवाले झुण्ड को देखने के लिए, टेलीविज़न को चला रहे है," या जो भो यह था।

18 तो, अब, मैं इसका कुछ ज्यादा ही निंदक हूं, और मैं—मैं इसके लिए खेदित हूं, लेकिन मैं—मैं—मैं कुछ भी नही कर सकता हूं, लेकिन यही है जो मैंने किया है। यदि मैं किसी बात का विरोध करता हूं, और उसे खुद करने के लिए बातों को बनाता हूं, तो मैं एक ढोंगी हूं। और मैं आप लोगो के सामने ऐसा नही बनना चाहता हूं। मैं—मैं वैसा ही होना चाहता हूं जो मैं हूं, और फिर आप जानते है हम कैसे खड़े है। और मैं—मैं सोचता हूं कि मैंने कुछ ज्यादा ही निंदा की है।

19 लेकिन इसके लिए निंदा करना मेरे हृदय में था, क्योंकि यह मुझे कुछ तो एक प्रकार का हॉलीवुड को चालू करने के जैसे दिखाई दिया, जो बहुत कुछ सामग्री लिए हुए है। इसमें वो पवित्रता होनी चाहिए, ये उस तरह से दिखाई नही देता है। और वे उन स्तुती के गीतों को रॉक एंड रोल और गोल्ड स्लिपर्स के समय में गा रहे थे। और क्या यह इस तरह से हो चुका है, ये सुसमाचार एक तमाशा बन गया है? क्यों, मैं, यदि ऐसा ही है, तो मुझे—मुझे इसके साथ कोई लेना देना नही है। मैं कुछ तो वास्तविक और सच्चाई को चाहता हूं, और हम इसे उसी तरह से रखना चाहते है।

20 अब, भाइयो मैं—मैं सोचता हूं, इन दोनों को ठीक यहाँ पर हटाये। तो, अब आप मुझे ठीक से सुन पा रहे है?

21 अब, अगले शनिवार सुबह को प्रभु ने चाहा तो, मेरा पहली बार पादरियों की सभा में बोलने का बहुत बड़ा सौभाग्य होगा, जो फ्लैगस्टॉफ, एरिज़ोना में है। वो भाई जो यहाँ पर है, मैं उसका नाम भुल गया, वो पादरियों की सभा का अध्यश है। [एक भाई ने कहा, "चेस्टर अर्ल"—सम्पा।] चेस्टर अर्ल, भाई चेस्टर अर्ल। मुझे आज ही सुबह उनसे मिलने का मौका मिला, जब मैं यहाँ पर सभ्य सुसमाचारक उस भारतीय से हाथ को मिला रहा था, एक भारतीय भाई। और उसने कहा कि अगले शनीवार को मुझे वहां पर बोलना है।आप सब को हार्दिक रूप से इस सभा के लिए आमंत्रण है। हम आशा करते है कि परमेश्वर हमें आशीष देगा।

22 और फिर उसी सोमवार की रात को टूयूसन में एक भोज दावत है। परमेश्वर ने मुझे वहां पर... भोज दावत में बोलने का गौरव दिया, जो दिसम्बर की—की इक्कीस तारीख को टूयूसान में होगी। आप सब को हार्दिक रूप से इस भोज दावत की रात में सम्मलित होने के लिए आमंत्रण है।

23 और फिर जैसे भाई विलियम्स ने घोषणा की मुझे यहाँ वापस फिर से आना है ताकि कन्वेंशन आरंभ होने से पहले मैं कुछ एक प्रकार का प्रस्तावना करूँ।

24 और, इसलिए, भाई विलियम्स क्या मैं वहां पर रहने वाला हूं? वहां पर... क्या कह रहे हो? यह बेहतर है। ठीक है।

25 मैं निश्चय रूप से आशा करता हूं कि आपमें से बहुत से लोग समय निकालकर उस सभा में से एक दिन के लिए या हर रोज रात और दिन को उपस्थित होंगे। जो, की सत्रह तारीख को, सात बजे, रविवार दोपहर को आरंभ होगी? [कोई तो कहता है, "एक बजकर तीस मिनट"—सम्पा।] एक बजकर तीस मिनट, एक बजकर तीस मिनट, दोपहर को। मैं यह भी कहना चाहता हूं, प्रभु की इच्छा हुई तो मैं इन सभाओ में—में—में बिमारो के लिए प्रार्थना करूँगा, और यह सब करने के लिए मैं आपकी सहायता करूँगा।

26 और यहाँ आज सुबह जोफोनिक्स इलाके के सेवक भाई है। मेरा इस हॉल में आने का जो कारण है, मैं... हर समय मैं आता हूं, तो मैं अक्सर मैं यहाँ–वहां दौरे के लिए जाता हूं, और इधर–उधर कलीसियाओ में जाता हूं, हर कलीसिया में। तब मैं इसएक प्रकार की परेशानी को देखता हूं, क्योंकि कुछ कलीसियाये एक तरह से छोटी सी है। और हम निश्चय ही किसी भी भाई को बाहर खड़ा नही करना चाहते क्योंकि उसकी कलीसिया छोटी होती है, और फिर इससे मुश्किल हो जाती है, लोग अन्दर नही आ सकते है। इसलिए यदि... मैंने सोचा हम ठीक एक ही स्थान में मिलेंगे और मैं इसे खुद सँभाल लूँगा और हम यहाँ पर मिलेगे और हमारे पास सभा होगी, जो केवल एक छोटी सुसमाचारक की सभा है, और बिमारो के लिए प्रार्थना और बातें होंगी। इससे पहले...

27 हो सकता है, यदि मैं इस दुसरे वाले (माइक) पर आ जाऊं तो, क्या यहाँ पर बेहतर है? [कोई तो कहता है, "नही, यह, यह टेप के लिए है।"—सम्पा।] यह टेप के लिए है। तो ठीक है।

28 हो सकता है यह थोडा और भी एक—एक बेहतर होता, यदि मैंने इस प्रकार से किया होता तो। और मैं यहाँ मेरे उन कलीसियाओ के भाइयों से चाहता हूं, जो यहाँ पर फोनिक्स में पास्टर है, इसे जान ले कि इसी कारण से हमने इसे किया है, इसलिए कि हम सब एक ठहराये हुए स्थान में एकत्र हो सकते है। और आप सब भाइयो के पास नही जा सकते है, उनमें से बहुत से है। आप आज सुबह जो खड़े हुए देखते है, उनमें से यह शायद आधे भी नही है। इसलिए थोड़े दिनो में सब के पास आप कन्वेंशन के पूर्व नही पहुँच सकते है, जो यहाँ हमारे पास होने जा रहा है।

29 और मुझे पक्का है हमारे पास कन्वेंशन में एक महान समय होने जा रहा है। आप इन महान प्रचारकों से सुनेंगे। यह भाई कॅश, भाई हमबर्ग है, हमबर्ग। ओह, कितने लोगो ने उन्हें कभी सुना है? वो निश्चय रूप से एक—एक तूफान है। हाँ। मुझे क्षमा करना, मुझे इस तरह से नही कहना चाहिए। वो एक भाई है, लेकिन—लेकिन, ओह, मैं एक समय उसके साथ था। आप जानते है, मैं नही समझता हूं आप मुझे हमेशा कैसे सुन लेते है, जब आप इस तरह के एक व्यक्ति को सुनते है। वो प्रचार कर सकते है और अपने साँस को भी नही लेते है। मैं—मैं नही जानता वो इसे कैसे करते है। मैं... लेकिन वो निश्चय ही बहुत ही थक जाते है। मैं मेरे न्यूयॉर्क कन्वेंशन में उनके साथ हाल ही में गया हूं, और वो मुझे सभा के बाद भोज के लिए लेकर जाना चाहते थे। और मैं एक स्थान के अन्दर गया और मैं बाहर आने पर ही था जब भाई... उन्होंने, उन्होंने पूरा प्रचार, ऊपर–नीचे नीचे जमीन पर, और यहाँ–वहां हर किसी की ओर जाते हुए किया। वो पूर्ण रूप से अपने आप में एक—एक खासियत है।

30 और मैं विश्वास करता हूं आप कैलिफ़ोर्निया से भाई का भी आनंद लेंगे। उनका क्या नाम है? मैं उसका नाम भूल गया हूं, वो उन प्रचारको में से एक है। मैं—मैं उसका नाम भी भूल गया। लेकिन वो एक—एक प्रभावशाली प्रचारक है, और आप उनका आनंद लेंगे। वहां पर शायद इसी तरह बड़े प्रचारक होंगे, आप जानते है, भाई रोबर्ट्स और इस दिन के वे महान व्यक्ति।

31 इसलिए, मैं इस वचन के बारे में सोचकर आभारी हूं, जो इस समय के लिए मेरे मन में आया। और एक समय दाऊद तम्बू में बैठा हुआ प्रभु के संदूक को आते हुए देख रहा था। और उसने कहा... वो उस दिन के नाथान

नबी के साथ बैठा हुआ था। और इसलिए उसने कहा, "क्या यह ठीक है कि मैं यहाँ एक घर मैं रहूं, देवदार के एक घर में रहूं और मेरे प्रभु के वाचा का संदूक तम्बू के अन्दर हो? "

32 और नबी ने उससे कहा, "दाऊद, जो तुम्हारे हृदय में है वो ही सब करो, कारण परमेश्वर तुम्हारे साथ है।" वो इतना ही कहने के लिए जानता था।

33 लेकिन उस रात, प्रभु ने नबी से मुलाकात की और कहा, "जाओ, मेरे दास दाऊद से कहो, कि मैंने उसे उस भेड़शाला से उठाया है, उन कुछ पीछे चलने वाली भेड़ो से, आप जानते है, और उन महान पुरुषो के समान उसका एक नाम किया है," ना ही बहुत बड़ा नाम, ना ही बहुत महान नाम, लेकिन उस समय के इस धरती के महान पुरुषो के साथ उसकी गिनती की है।

34 और मैंने सोचा, "वहाँ पर परमेश्वर का अनुग्रह, दाऊद के लिए था!" और मैंने सोचा, "मैं इसे मेरे लिए गिन सकता हूं। जब मैं इस दिन के लिए जिसमें हम रह रहे है सौभाग्य को देखता हूं, संसार के इतिहास के दिन खत्म हो रहे है, और उस प्रकार के व्यक्तियो के बीच शामिल होना जैसे हम इन सभाओ में उपस्थित हुए है।" और प्रभु आपको वास्तव मैं बहुतायत से आशीष दे।

35 अब, मेरे अच्छे मित्र, भाई वेळडेज़ ने कहा, "भाई ब्रन्हम, मुझे जाना होगा, मैं सोचता हूं, पौने दस बजे, या सवा दस बजे।" कहा, "मैं वहां पीछे की ओर जा रहा हूं, क्योंकि मैं आपको प्रचार करते समय रूकावट—रूकावट नही डालना चाहता।" वो पहले की सभाओ में रहे है।

36 मैं—मैं एक प्रकार से थोडा सा धीमा हूं, और सोचता हूं, आप जानते है, जब मैं प्रचार करता हूं। और मैं यहाँ पर मेरे वचनो को लिखता हूं, और हो सकता है कुछ लिखा हुआ होता है, लेकिन फिर मुझे पीछे जाकर सोचना होता है, प्रभु ने मुझे क्या बोलने के लिए कहा है, आप जानते है, मुझे उसके लिए रुकना होता है। और मैं एक प्रकार से थोडा सा धीमा हूं, तो मैं आशा करता हूं, मैं आज सुबह आपको ज्यादा समय तक नही रोके रखूँगा।

37 मैंने भाई विलियम्स से पुछा, मैंने कहा, "भाई विलियमस, मेरे पास कितना समय है? " मैंने कहा, "अब, मेरे पास यहाँ पर एक वचन है, जिस

पर मैं बोल सकता हूं जो केवल लगभग मैं तीस मिनट या ऐसे ही कुछ समय ले लूँगा, तब हर एक को बर्खास्त करके, घर भेज देंगे।" और मैंने कहा, "लेकिन मैं एक छोटे से पाठ को लेना चाहता था, यदि यह मुमकीन है तो," और आगे मैं सोचता हूं, जो आज आपके लिए कुछ तो होगा, कुछ तो जिसे आप अपने साथ घर लेकर जा सकते है ताकि इस पर सोचे।

38 और निश्चय ही मैं आज सुबह साढ़े तीन बजे या तीस या चालीस मिनट पर नही उठा होगा, कि यहाँ आने के लिए तैयार हो जाऊं, ऐसे ही देखने के लिए। मैं—मैं—मैं ये देखने की चिंता भी नही करता हूं। मैंने—मैंने यहाँ पर आकर और कुछ वचनों पर अध्यन किया है, मैंने इसे लिखकर रखा है, क्योंकि कुछ तो है जिस पर मैंने सच्चाई से प्रार्थना की है, और सोचा कि हो सकता है, इसके द्वारा शायद किसी को मदद हो जाए। मैं... हमारे पास प्रदर्शन करने और नाट्य दृश्य के लिए समय नही है। हमें—हमें तो उस मतलब की बात पर आना ही है। मैं विश्वास करता हूं, यीशु बहुत जल्दी आ रहा है।

39 और अब वे इसे टेप कर रहे है, संभव है कोई तो शायद और टेप करता हो। और मैं इस बात को कहना चाहूंगा, कि कभी–कभी मुझे बहुत बार मुझे गलत समझा गया है। और बहुत सी बार मुझे वापस फ़ोन आते है, कहते है, "भाई ब्रन्हम, क्या यह वो प्रकाश था, जो इसमें तुम्हारे कहने का मतलब है?" और कभी–कभी इसे हम कुछ और कहते है, लेकिन आपको जानना होगा, आप शब्द भंडार से जांचे कि मेरा इसका मतलब था।

40 और मैं कभी–कभी बातों को कहता हूं जो—जो एक कुछ विपरीत होती है जिससे हो सकता है कोई तो एक विश्वास करे, मैं इसे अभी स्पष्ट करना चाहता हूं, कोई तो एक हो, कोई तो एक जो विश्वास करता हो। लेकिन मेरे पास एक—एक सन्देश होता है, मैं नही... जो प्रभु से है, मैं इसके बारे में इसी तरह महसुस करता हूं। दुसरे लोग शायद महसुस करते हो कि यह शैतान से है। दुसरे लोग शायद महसुस करते हो, यह बेहुदा बात है। लेकिन मेरे लिए, यह जीवन है। और मेरे कहने का मतलब अलग ही होगा, जब मैं बातों को बोलता हूं, जो अलग ही होती है, या हो सकता है, थोडा चोट पहुंचाये या लोगो को काटने वाली हो। मेरे इसे कहने का मतलब प्रकाश में नही है। मैं—मैं, यदि मैं करता हूं, फिर मैं एक ढोंगी हूं। मैं—मैं इसे परमेश्वर के लिए उन्नति के प्रकाश में कहता हूं। मैं इसे लोगो के प्रकाश

में होने के लिए कहता हूं ताकि लोग परमेश्वर को बेहतर जान ले। और मैं इसे इसके लिए नही कहता हूं, क्योंकि मैंने इसे अपने लिए कुछ तो जान लिया है। यह कुछ तो है, जो मुझे परमेश्वर से ज्ञात होता है।

41 और अब यदि मेरे बोलने से इन किसी कन्वेंशनस में कुछ भी होता है जिससे लोगो को दुख पहुँचता है, या... कहते है, "मैं विश्वास नही करता हूं यह इस तरह से है।"

तो ठीक है, मैंने अक्सर रूखे बयान को दिया है। और मेरी पत्नी वहां बैठी मुझे सुन रही है, वो जानती है वहां मेरे बारे में अधिक औपचारिकता नही है। मैं—मैं... बिल्कुल वैसे ही जैसे आप जब चिकन को खाते है, और आपको हड्डी लगने लगती है, अब चिकन प्रेमी कभी चिकन को फैंक नही देते है, क्योंकि उन्हें हड्डी लगती है। वो तो केवल हड्डी को फैंक देते है, और वो आगे बढकर चिकन को खाते है। उसी तरह से चेरी पाई खाते हुए होता है। यदि एक बीज मुंह में आता है, मैं—मैं—मैं कभी पाई को फैंक नही देता हूं। मैं तो केवल बीज को फैंकता हूं। तो...

42 और जो मैं यहाँ कहता हूं, शायद आपको लगता हो जैसे, मेरे कोई भी सभाओ में, आपके लिये एक बीज के जैसा दिखता हो, आप उसे एक तरफ रखे और कहे, और मुझे इसे लाने की अनुमति दे, आप इसके बारे में जितना जानना है, उतना ज्यादा नही जानते होंगे। तब इसलिए, आप केवल आगे बढे और उसे ही खाये, जिसे आप सोचते है कि यह सही है। और मैं...

43 मैं अब भरोसा करता हूं कि प्रभु उसके वचन को आशीष देगा। मैं वचन में एक स्थिर विश्वासी हूं और केवल वचन ही। केवल वचन ही में, और यही वो सन्देश है, जिसे परमेश्वर ने मुझे दिया है।

44 हम एक दुसरे से भिन्न होते है। मैंने आज सुबह ध्यान दिया, मेरे भाई लोग, मिशनरीज, सुसमाचारक, और वे पास्टर, यहाँ पर खड़े थे, हो सकता है—हो सकता है कि सौ या उससे भी ज्यादा यहाँ पर खड़े थे। उन में से हर एक जो यहाँ खड़े पर थे और बोल रहे थे, वे मुझसे ज्यादा योग्यता प्राप्त थे। मुझे इतना तो पक्का है। लेकिन, देखना हममें से हर एक जन, वो एक दुसरे के स्थान को नहीं ले सकता है। वो एक दुसरे के सन्देश को नही ले सकता है। देखना, हमारे विभिन्न तरीके है।

45 परमेश्वर सर्वश्रेष्ठ है। जब वो... कौन, आदि में कौन परमेश्वर को बोल सकता है, कि चीजो को कैसे बनाना है, जबकि वहां पर तो, वो केवल अकेला ही था? देखा? और यदि हमारे पास अनंत जीवन है, वहां पर अनंत जीवन का केवल एक ही रूप है, और वो है परमेश्वर। इसलिए यदि हमारे पास अनंत जीवन है, तब हम ठीक परमेश्वर के साथ थे, एक परमेश्वर का भाग। हम उसके गुण थे। हम अब उसके गुण है। और, क्योंकि, "आदि में वचन था।" और एक वचन, एक विचार का व्यक्त होना है। तो हम उसके विचार थे, फिर वचन में व्यक्त किये गए और जो हम है वही बन गए। यही वो कारण है हमारे नाम, हो सकता वो नाम नहीं जो हमारे अभी है, लेकिन हमारे नामो को जगत की बुनियाद डालने से पहले मेमने के जीवन की किताब में रखा गया था। समझे? और यदि तब वहां पर नही थे, तो यह वहां पर कभी नही होंगे। समझे? और यीशु उन सब को छुडाने को आया, जो, जिनके नाम उस किताब में थे। देखा, वो जानता था।

46 "वो कुम्हार," जैसे रोमियो हमें बताता है, "कौन कुम्हार को बता सकता है? क्या मिट्टी कह सकती है, 'मुझे *इस तरह, उस तरह* बना'?" देखा? नही। परमेश्वर को उसके सारे गुणों को प्रकट करना है। और इसलिए उसे एक बर्तन को अनादर के लिए और एक को आदर के लिए बनाना है, ताकि निश्चय ही उस एक को ऊपर करे। अब, लेकिन वो सर्वश्रेष्ठ है, आप देखना, कोई उसे नही कह सकता है कि क्या करना है।

47 और वो हमें विभिन्न बनाता है। यहाँ तक वो... वहां, बाइबल में हमें बताया गया है, वे तारे एक दुसरे से विभिन्न है, एक तारा दुसरे से विभिन्न है। आप जानते है वहां स्वर्ग में विभिन्नता है, दूतो में, स्वर्गदूतो के अस्तित्व में; वहां पर वे जो दूत है, वहां पर जो करुब है, वहां पर जो साराप है, और वहां पर उनकी—उनकी विभिन्नता है। और हम सब विभिन्न है। और परमेश्वर के पास बड़े पहाड़ है, उसके पास समतल है, मैदान है, घास है, रेगिस्थान, जल है। देखो, वो विभिन्न है, वो एक—वो एक विविधता का परमेश्वर है। और यहाँ आज सुबह उसके लोगो की ओर देखो, हममें से कुछ सफ़ेद है, कुछ काले है, कुछ भुरे कुछ पीले, कुछ लाल; देखो, यह—यह उसके लोग है। वो एक... वो—वो एक विविधता का परमेश्वर है, और इसलिए मैं सोचता हूं कि उसके पास उसके सेवको के बीच भी वही बात है।

48 अब आइये प्रार्थना के लिए, अपने सिरों को कुछ समय के लिए झुकाए। और हो सकता है हमारे वचन पढने से पहले मैं इसे कहूं। मैं जानता हूं यदि मैं थोडा ज्यादा समय लेता हूं, और आप उठकर और बाहर जाते है, तो मैं समझ जाऊंगा, मैं पूरी तरह से समझ जाऊंगा। और जब हम प्रार्थना करते है, अपने सिरों को नीचे उस मिट्टी की ओर झुकाये, जहाँ से परमेश्वर ने हमें उठाया, यहाँ कोई एक है, जो प्रार्थना में याद करवाना चाहेगा, केवल अपने हाथो को उठाए। वो, वो उस हाथ के नीचे ठीक आपके ह्रदय में क्या है, जानता है।

49 हमारे स्वर्गीय पिता, हम सत्यनिष्ठा से आपकी की ओर बढ़ रहे है, हमारे सिरों को उस मिट्टी की ओर करते हुए, जहाँ से आपने हमें उठाया है। और फिर हमारे में हम सोच रहे है कि आपने एक रात अब्राहम से कहा, क्या वो "समुन्द्र के किनारे की रेत को गिनती कर सकता है?" और फिर आपने उससे कहा कि "तारो की ओर देखो," और वो "उनकी गिनती" कर सकता है? निश्चय ही यह असंभव है। और आपने उसे बताया कि उसके "बीज अनगिनत होंगे और जैसे समुन्द्र के किनारे की रेत और आकाश में प्रकाश करते तारे है।" अब हमारा मन, हमारे विचार, हमारे मनो के विचार, विशेष करके, जब हम अपने सिरों को मिट्टी की ओर झुकाए हुए है, जहाँ से हम आए है; फिर हमारे ह्रदय आकाश की ओर देखते है, जहाँ हम जा रहे है। मिट्टी से तारो की ओर, अब्राहम के बीज होने से! मसीह में मर गए, हम अब्राहम के बीज है, और प्रतिज्ञा के अनुसार उसके साथ हम राज्य करेंगे।

50 और हम आज सुबह यहाँ पर आए है स्वभाविक जीवन के उपलब्ध भोजन से संगती करने के लिए, जिसे हमने खाया है, उस जरुरत को पूरा करने के लिए और अब हम इच्छा रखते है कि आप हमें स्वर्गीय मन्ना देंगे, वो भोजन जीवन में शक्ति देगा जो हम में है। जैसे की वो लहू, अब उस जीवन को लिए हुए है, जो इसे बल देने के लिए है, और अधिक कोशीका को बनाने के लिए, ताकि हमें इस दिन के लिए मजबुत बनाये; होने पाए हम मसीह को ग्रहण करें, जिससे आज सुबह वो वचन के जरिये से हमारे आत्मा के अन्दर आ सके, और—और जिस घडी में हम जी रहे है हमें बल को दे। क्योंकि, दिन बीत गया है और संध्या की छाया गिरने लगी है, वो संध्या का उजियाला यहाँ पर है, और हम जल्द ही उस आह्वान को

सुनेंगे "ऊपर आ जाओ," और हम उस घडी के लिए तैयार होना चाहते है। इसलिए, पिता हमारी सहायता किजिये।

51 और वहां कोई भी मनुष्य किताब को खोलने या इसके मोहरों को खोलने के योग्य नही है, लेकिन वो मेमना, जो जगत की नीव डालने से घात किया गया, आकर उस किताब को ले लिया और मोहरों को खोल दिया। ओ परमेश्वर के मेमने, आज सुबह आ, हमारे लिए किताब को खोल, और इसमें देखे आपके साथ, प्रभु, और हम देखे की इस घडी में तैयार होने के लिए हमें क्या करना जरुरी है। हर एक कलीसिया को और आगे होने वाली सभाओ को आशीष दे, उन में से हर एक को और हमारी छोटी सभा को, आगे आने पर उनके साथ जुड़ जाये। और जब आज यहाँ से जाये, होने पाए हम ये कह सके, जैसे वे जो आमोस के रास्ते से आये, "क्या हमारे हृदय नही जल उठे जब हमसे उसने रास्ते में बातें की? " इसे प्रदान करे, पिता। हम यीशु के नाम में मांगते है। आमीन।

52 अब आपके लिए जो पलटना चाहेंगे, हमेशा ही आप सेवक के पीछे पढना पसंद करते है, जब वो पढने वाला होता है, यह देखने के लिए कि वो कहाँ से बोल रहा है, यदि आपके पास आपकी बाइबल है, तो संत मती का चौथा अध्याय खोलना चाहेंगे।

53 और अब मैं मेरे मूलपाठ को देना चाहूंगा इससे पहले मैं बोलूँ; अधिक या कम, इसे ऐसे सिखाना चाहूंगा, और इसे बोलूँगा जब हम आगे जाते है। और इसे मैंने शीर्षक दिया है, किसी कारण से, मैं नहीं जानता क्यों, मैं इसे यह शीर्षक दे रहा हूं: *कटनी का समय*।

54 और हम एक वचन को पढने जा रहे है, जिस के आधार पर यह विचार रखा हुआ है, ताकि यहाँ से मूलपाठ के विषय को बताये। वे संत मती के चौथे अध्याय के कुछ भाग को पढने जा रहे है। यह यीशु की परीक्षाओं में के पद है। उसके पवित्र आत्मा से भरने के बाद, उसकी जंगल के अन्दर अगुवाई हुई थी।

> *तब उस समय आत्मा यीशु को जंगल में ले गया ताकि शैतान से उस की परीक्षा हो।*
>
> *वह चालीस दिन, और चालीस रात, निराहार रहा, अन्त में उसे भूख लगी।*

तब परखने वाले ने पास आकर उस से कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह दे, कि ये पत्थर रोटियां बन जाएं।

उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।

तब शैतान उसे पवित्र नगर में ले गया और मन्दिर के कंगूरे पर खड़ा किया।

और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, कि वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा; और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे; कहीं ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे।

यीशु ने उस से कहा; यह भी लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर।

फिर शैतान उसे एक बहुत ऊंचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और उसका विभव दिखाकर;

उससे कहा, कि यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूंगा।

... तब यीशु ने उस से कहा; हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।

55 मैं वापस चौथे पद से थोडा सा बस आधार को लेना चाहता हूं।

लेकीन उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।

56 अब विषय के लिए, मैं इसे लाना चाहूंगा, "हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" अब इसे अपने विचारो में पकडे रहना, जब हम बोल रहे है।

57 यीशु ने यूहन्ना 6:48 में एक बार कहा, मैं विश्वास करता हूं यही सही है, जैसे आज सुबह मैंने इसे लिख के रखा है, "मैं जीवन की रोटी हूं।" यह उस उत्सव के पर्व पर था, जब वे यहूदी लोग जंगल में गिरे मन्ना के उनके

स्मरोत्सव के भोज को खा रहे थे—थे, और—और वे झरने से जल को पी रहे थे, जो जंगल के उस चट्टान को दर्शाता था, और उनके पास एक बहुत ही अच्छा समय था। और यीशु उनके बीच में चिल्ला उठा, और उसने कहा, "मैं जीवन की रोटी हूं। तुम्हारे पिताओ ने जंगल में उस चालीस वर्षो के दौरान मन्ना खाया, और वे हर एक जन मर गए। लेकिन मैं स्वर्ग से परमेश्वर की उतरी वो रोटी हूं। यदि एक मनुष्य इसे खाता है, वो नहीं मरेगा।" और चट्टान के लिए, उसने कहा, "मैं वो चट्टान हूं, जो उस जंगल नें थी। मैं वो चट्टान हूं, जिससे तुम्हारे पिताओ ने पिया।"

58 "कैसे?" उन्होंने कहा, "तुम एक मनुष्य हो जो पचास से भी ज्यादा नही हो, और कहते हो तुमने अब्राहम को देखा है? अब हम जानते है कि तू एक शैतान है, और पागल है।"

59 और यीशु ने कहा, "अब्राहम से पहले, मैं हूं।" देखना, "मैं हूं" वो अग्नि का स्तंभ जो जलती हुई झाडीयो में था, जिसने मूसा से बात की। और यदि तुम इसके संज्ञाओं और सर्वनामों पर पक्का करते हो तो, "मैं था, मैं होऊंगा," नही। "मैं हूं" वर्तमान काल है, हर समय।

60 हम इसे सोच रहे है, ये वो कह रहा है, अब अपने आप में, कि, "मैं वो जीवन की रोटी हूं।" अब यह व्यक्ति कैसे जीवन की रोटी हो सकता है? यही हम सोचते है। उसने कहा, "मेरी देह रोटी है।" और अब यह मनुष्य कैसे रोटी हो सकता है? यह एक तरह से असामान्य है, लेकिन इसके बारे में उलझ मत जाना। इसके बारे में उसके दिन के लोग उलझन में पड गए। वे नही जान पाए कि कैसे खुद में यह मनुष्य असल में रोटी हो सकता है। संत यूहन्ना एक में भी, यह हमारे लिए इस प्रकार से दिया गया है, कि, "आदि में वचन था, और वचन खुदा के साथ था, और वचन खुदा था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा।" इसलिए, वो वचन रोटी बन गया। वो वचन और रोटी यहाँ पर उसी तरह से होंगे, कारण यीशु वचन है और वो रोटी है।

61 अब वो कैसे रोटी और वचन बन सकता है? सब वो... यह सांसारिक मन के लिए पेचीदा कर देगा। लेकिन आज सुबह हम आशा कर रहे है, कि हमारे बीच कोई सांसारिक मन नही है, जो वहां हमारे बीच आत्मिक मन है, जिससे हम समझ सकते है कि पिता यहाँ हमारे लिए क्या बताने की

कोशिश कर रहा है। देखते हुए यह शब्द उलझन में डाल रहे है, लेकिन, उसी समय पर वे वचन के अनुसार सत्य थे, देखा।

62 "अब यह मनुष्य कैसे रोटी हो सकता है? " यही है जो उन्होंने कहा। यही है, जो मैं सोचता हूं, जोसफस, आपमें से बहुत से इतिहासकार... जैसे मैं इसका अध्यन कर रहा था।

63 अब मैं एक किताब को लिख रहा हूं, प्रकाशितवाक्य के पहले चार अध्यायो पर मेरी टिप्पणी है, आशा करता हूं यह बहुत जल्दी हमारे पास होगी। यह एक बहुत बड़ी किताब होगी। फिर मेरे पास हर एक युग की एक पुस्तिका होगी।

64 और मैं कलीसिया के इतिहास को पढ़ रहा था। मैं... यह एक प्रकार से मेरे मन में था, मैं सोचता हूं यह जोसफस था, जो पहले के लेखको में से एक था, जो कुछ भी हो, जिसने यह कहा, "यह नाजरत का यीशु, जो बिमारो को चंगाई देने के विषय चला गया," कहा, "उसके चेलो ने उसे खोदकर निकाला और वे उसकी देह को खाते थे।" देखो, वे प्रभु भोज को ले रहे थे। और उन्होंने सोचा कि उन्होंने उसकी देह को खोदकर निकाला है, और उसकी देह को खा रहे थे। जो, हम प्रभु भोज खाते है, या हम प्रभु भोज लेते है, उसकी देह को चिन्ह के रूप में, क्योंकि वो वचन है।

65 अब, देखना, यह एक पेचीदा है। और, उसी समय, वहां पर सारे वचन है। यीशु ने कहा, "सारे वचन को पुरा होना ही है।" देखा? अब, हम हमेशा ही अपने विचारो को बंद कर देना चाहते है, जो कुछ भी उस वचन से विपरीत है। नही, कभी नही, कभी नही, किसी भी समय, किसी भी बात के लिए उस वचन को वैसे ही रहने दे, इसमें का एक भी वचन नही। ठीक उस वचन के साथ बने रहो।

66 अब, परमेश्वर को किसी दिन लोगो के लिए न्याय को करना है। और यदि वो लोगो का न्याय एक कलीसिया के द्वारा करेगा, वो कौन सी कलीसिया होगी? वे कहते है, "कैथोलिक कलीसिया।" तो ठीक है, कौन सी कैथोलिक कलीसिया? समझे? क्योंकि वे एक दुसरे से विभिन्न है, जो हमारे साथ है उससे भी वे और बदतर है। देखना, वे विभिन्न है, एक... वे सब उनमे के विभिन्न प्रकार के है, वे रोमन, और वो ऑर्थोडॉक्स और जीयुफेनाईट और, ओह, उनमें बहुत से विभिन्न वर्ग है। और वे निश्चय ही एक दुसरे के पथ पर है, तो उनमें से कैथोलिक कलीसियाये कौन सी है?

यदि वो इसे प्रोटोस्टेंट कलीसिया के द्वारा करता है, कौन सा प्रोटोस्टेंट कलीसिया? हर एक, दुसरे से अलग ही है।

67 लेकिन वो संसार का न्याय करने जा रहा है, और उसके पास कुछ मापदंड को होना है, जिसके द्वारा संसार का न्याय करे, या अब वो हमें जाने देता है, तो वो अन्यायी होगा और—और इस जीवन को जीने देता है, जो बिना एक मापदंड का है, जिसके द्वारा न्याय होना है। कौन सही होगा? आप कैसे कह सकते हो कि क्या सही था? वहां पर एक मापदंड को होना है।

68 और उसने उसके बाइबल में कहा, कि वो संसार का न्याय यीशु मसीह के द्वारा करेगा। और हम यहाँ पड़ते है, कि यीशु वो वचन है। इब्रानीयों 13:8 में कहा, "वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" तो इसलिए, वो कलीसिया का मसीह के प्रति उनके व्यवहार को देखकर न्याय करेगा, मसीह जो वचन है। "मनुष्य केवल रोटी से नही, लेकिन परमेश्वर के मुख से निकले हर एक वचन से जीवित रहेगा।" ना की मनुष्य के मुख से, ना ही धर्म विद्यालय के मुख से, ना ही कलीसिया के—के मुख से निकले, लेकिन, "परमेश्वर के मुख से निकले।" मनुष्य को उसी के द्वारा ही जीना है, और केवल उसी के; ना ही मनुष्य का अनुवाद, लेकिन परमेश्वर का खुद का वचन!

69 "तो ठीक है," आप कहते है, "*यहाँ* पर एक गलती है।" यदि ऐसा है तो परमेश्वर इसके लिए जिम्मेदार है। उसने इसे मेरे लिए लाया, देखो। यही है जिसे मुझे लेना ही है, ठीक यहाँ जो उसने कहा है।

70 अब, यदि एक तरह का पेचीदा है, और इस बारे में कि "एक मनुष्य रोटी और वचन हुआ है," आइये अब जाये और इसके लिए देखेंगे। आइये इसे ढूंढे। क्योंकि, सारे वचन सच्चे है, और इन्हें—इन्हें कभी भी तोडा नही जा सकता है। हर एक वचन पुरा होगा। कोई फर्क नहीं पड़ता यह कितना अजीब दिखाई देता है, इसे, यह हमेशा ही पुरा होगा।

71 क्या हो, यदि भाई विलियम्स या—या यहाँ के कुछ भाई, हमारे पूर्व–पूर्व–परदादा, आज सुबह दोनों ही दृश्य पर खड़े हो जाये, और कहे, उन्हें टेलिविजन दिखाओ? और हो सकता है किसी ने पहले उनके उस दिन में भविष्वाणी की हो और कहा हो, "वहां एक समय होगा कि आप सारे संसार में आवाज को सुन सकते है।"

72 वे कहेंगे, "तो, वो मामुली सा बुढा आदमी, वो अपने दिमाग को खो बैठा है।"

73 "और वहां एक समय होगा कि वे रंग ठीक हवा के जरिये से बहेंगे।" जो ठीक अभी यहाँ पर है। "और वे एक छोटे से बटन को चालू करेंगे, और संसार में तुम लोगो को घूमते–फिरते हुए, और उन बातों को पर्दे पर देखोगे।"

74 "तो ठीक है," वे कहेंगे, "मामुली बुढा आदमी!" देखा? लेकिन यह अभी हमारे पास है, ठीक अभी यहाँ सुबह इस कमरे में है।

75 और मैं चाहता हूं, आपके लिए उसकी जागरूकता को लेकर आऊँ, इससे पहले हम आगे की ओर बढ़े, कि परमेश्वर इस कमरे में है। इस वचन का लेखक यहाँ पर है। इसलिए, इससे कोई महत्व नहीं रखता कि आपने कैसे कपडे पहने है, या कौन सी डिग्री लेकर आप जी रहे है, या आप किस प्रकार के घर में रह रहे है, या आप किस तरह की कार चलाते हो, या आपने कौन से शिक्षण को पाया है, परमेश्वर आपके हृदय को देखता है। और वो मेरे हृदय को देखता है। हम हमारे हृदय से जाँचे जाते है, शब्दों से भी नही। हमारा हृदय हमें जाँचता है। "हृदय से हम मुंह में बोलते है।" यदि ऐसा नही है, तो यह ढोंगीपन है।

76 अब, इस कमरे में अब मनुष्य का अस्तित्व आ रहा है, मनुष्य अस्तित्व के रूप में, यहाँ से होकर गुजर रहा है, सारे संसार से, आवाजे गा रही है, यह ठीक अभी इस कमरे में है। लेकिन आप देखना, लेकिन आप अपनी चेतना में सीमित है, एक दृष्टी के निश्चित प्रतिशत तक। लेकिन अब आप क्रिस्टल या ट्यूब या जो भी उस टेलीविजन में होता है, और उसे चालू करें, और उस सेट के साथ वायु में उठती लहरों की विकृति को ले सकती है, और उस विकृति को चैनल के अन्दर जमा देता है, और उन लोगो को ले लेता है; कोई आस्ट्रेलिया में है, दक्षिण अफ्रीका, या कही, भारत में, या जहाँ कहीं भी हो। आप यहाँ एक पर्दे पर खड़े हो सकते है, और जो उन्होंने कपडे पहने हुए है उसके रंग को भी देखते है, उस वृक्षों के रंग को, और हर एक गतिविधी जो वे करते है। केवल टेलीविज़न का बटन दबाओ, देखे, यह ऐसा नही है तो।

77 तब, इसे कहीं तो भी होना है, आपकी आँखों से ओझल है, वही चीज अभी यहाँ से होकर गुजर रही है। यह यहाँ से होकर गुजरी है, जब अब्राहम

ने परमेश्वर को कहते सुना, "ऊपर तारों की ओर देखो," यह यहाँ पर था, जब एलिय्याह उस कर्मेल पर्वत पर बैठा था। यह यही पर था, जब आदम यहाँ पर था, लेकिन उन्होंने तो केवल इसे अभी खोज निकाला है।

78 और उसी तरह परमेश्वर और वे दूत यहाँ पर है। और एक दिन यह उतना ही वास्तविक होगा जैसे टेलीविज़न या जो भी यह है, क्योंकि वो आत्मा हमें उस अविनाशी जीवन के अन्दर लेकर आयेगा। तब, हम समझ जायेंगे। तो, फिर हम उसके वचन में से बोल रहे है। अब, जो, हम कोशिश करने जा रहे है...

79 परमेश्वर, परमेश्वर वो महान रचनाकर, आइये हम प्रकृति के रूप पर बोलने की कोशिश करे, उसे प्रकृति में पहले ऊपर उठायेगे, ताकि वचन के लिए इसे वापस लेकर आए। अब, प्रकृति केवल वचन के साथ काम करती है, क्योंकि परमेश्वर प्रकृति का रचनाकार है। जब आप प्रकृति को इस तरह काम करते देखते है... पाते है कि ये इसी तरह से है। यह, यही मेरी पहली बाइबल है, यह पता लगाना था... परमेश्वर को प्रकृति में पाया। और गेहूं प्रकृति का उत्पादन है, रोटी, इसमें से रोटी बनती है, जो प्राकृतिक देह खाती है। प्रकृति बहुत से रहस्यो को पकडे हुए है। हम... और यही मेरा पहली बार परमेश्वर को पाना था, प्रकृति को देखना था। मैंने देखा वहां पर कुछ तो होना था। और अब, मेरे पास कोई शिक्षा नही है, इसलिए मैं बहुत कुछ प्रकृति के द्वारा बोलता हूं। और यह... मैं अज्ञानता को समर्थन करने की कोशिश नही कर रहा हूं। लेकिन मैं यह कहने की कोशिश कर रहा हूं, आपको पास इसे होने के लिए एक शिक्षण को भी नही होना है, परमेश्वर को जानने के लिए।

80 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, मसीह का अग्रदूत, जब वो जंगल से बाहर आया... हमें सिखाया गया है, कि वो जंगल में नौ वर्ष की उम्र में चला गया था, और वो वहीं पर रहा क्योंकि उसका महत्वपूर्ण काम था। उसका पिता एक याजक था। और उस याजक पद के नियत कतार में या संप्रदाय में, ओह, उसके पिता ने कहा, "अब यूहन्ना तुम जानते हो, कि तुम्हें मसीहा का परिचय करवाना है। तुम जानते हो वो *फलां–फलां* भाई बिलकुल सही रूप से मसीहा को बताएगा!" इसलिए यूहन्ना को उससे दुर रहना था, उसे अपने आप के लिए जंगल में जाना था, क्योंकि इसे तो परमेश्वर का चुना हुआ ही

होना है, और किसी भी तरह से कोई मनुष्य का चुनना नही, मसीहा कौन होगा। तो, वो वहां पर नौ वर्ष की उम्र में चला गया था।

81 और, आप ध्यान देना, जब वो तीस वर्ष की उम्र में बाहर आता है, उसके उपदेश एक बाइबल अध्यन करने वालो के जैसे नही थे। उसने फुलते हुए शब्दों का इस्तेमाल नही किया लेकिन यह सब प्रकुति पर थे। उसने उस दिन केउन कलीसिया के मनुष्यों से कहा, "तुम सर्प के वंश हो।" यही है जो उसने जंगल में देखा है, सर्प को। उसने सर्प से नफरत की। वे जहरीले थे। उनके जहरीले फनो में उनके पास मार देने वाला जहर था, और उसने इसका उस दिन की कलीसिया के लिए उच्चारण किया, "तुम जहरीले सर्पो का झुण्ड, किसने तुम्हे आने वाले क्रोध से भागने की चेतावनी दी है? यह मत कहना, 'हम *इससे* ताल्लूक रखते है,' और 'हम वो—हम वो यीशु ईस्ट है,' या 'हम *यह* और *वो* है,' या 'हम मेथोडिस्ट, बैप्टिस्ट, प्रेसब्यटेरियन से ताल्लुक रखते है,' और यह जो भी है। यह कहना आरंभ मत करना, तुम्हारे पास यह है, कारण मैं तुमसे कहता हूं, परमेश्वर इन पत्थरो से अब्राहम के संतान को खड़ा कर सकता है।" समझे?

82 और यह भी "वो कुल्हाड़ी," इसी को उसने जंगल में इस्तेमाल किया था, "यह पेड़ की जड़ पर रखी होगी। और हर एक पेड़ जो फलों को नही लायेगा, वो काट डाला जायेगा और आग में झोंक दिया जायेगा।" देखो, वो पेड़ को नही काटेगा जो फल को ला रहे थे, क्योंकि जीवन के पेड़ के फलों के द्वारा जीयेगा। लेकिन वो पेड़ जिसने फल को नही लाया! ओह, आप केवल वचन को ले सकते है, जो बहुत ही प्रेरणा से भरा हुआ है, इतना तक की हर एक बात यीशु मसीह के इर्द–गिर्द सही बैठती है। आप देखना, "हर एक पेड़ जो अच्छे फल को नही लाता है, गिरा दिया जाता है, और आग में झोंक दिया जाता है," और इत्यादि। आप, देखना, उसने उसके सन्देश को प्रकृति के अय्याम में इस्तेमाल किया था।

83 और हम उसे सामना करना चाहते है, वर्तमान में हमने पाया है कि उसने कहा, "मैं रोटी हूं। और मनुष्य हर एक वचन से जीयेगा, और मैं वो वचन हूं।" समझे? इसलिए हम प्रकृति में वापस जाना चाहते है। मैंने बहुत सी बार ध्यान दिया है कि मुझे इसे करना है।

84 और प्रकृति उसी स्तर पर चल रही है। आप समय निकालकर आप उन सारे पक्षियों को देखना, वे एकत्र होते है, और खेत–खलियान में निकलकर

जाते है, और वहां पर जाकर खाते है। उन सारे गाय बैलो देखे, जब वे खेत खलीयानों में बिखरे हुए खा रहे होते है। आप अपने काटे को डाले, मछली चारे को ले लेगी। लेकिन जब वे गाय बैल... वे चिडीया ऊपर पेड़ो में जमा होती है, और वे गाय बैल उस कोने में होते है, आप हो सकता है अपने काटें को अच्छी तरह डाले हो। वे इस चारे को नही लेंगे, क्योंकि प्रकृति हर समय उसी स्तर पर चलती है।

85 और वैसे ही परमेश्वर का वचन निरंतरता में चलता है। परमेश्वर हमेशा ही हर एक चीज को, वो उसी स्तर पर करता है। उसने आरंभ में तय किया, जब मनुष्य ने उसके साथ संगती को खो दिया, वो उसे एक बेगुनाह के बहाए हुए लहू के द्वारा बचाएगा। और उसने कभी अपना तरीका नही बदला। हमने इसके अन्दर उन्हें शिक्षा देने की कोशिश की, उन्हें इसके अन्दर संस्थागत किया, और—और इसके अन्दर उन्हें निवेदन किया, इसके अन्दर उन्हें मारा, या इसके अन्दर उन्हें चिल्लाया। ये फिर भी वैसे ही रहते है, वो केवल बहाया हुआ लहू ही है जहाँ परमेश्वर एक विश्वासी से भेंट करता है।

86 नही, हम एक विश्व कलीसियाओ के संगठन को नही बना सकते है और हर एक से भेट करे। यह कभी–भी नही करता है; इसने कभी काम नही किया है, यह कभी भी नही करेगा। इसी तरीके की उस प्रणाली के मैं खिलाफ हूं। परमेश्वर के पास एक प्रणाली है। आजकल आपने इसे कहते हुए सुना होगा, "सारी कलीसिसाये एक साथ आ गयी है, यह एक विश्व कलीसियाओ का संगठन होने जा रहा है। और यीशु ने इसके लिए प्रार्थना की थी, 'कि सब एक हो सके।'" तो, अब, आप देखना, यही आत्मा को बिना हुए जानते हुए शारीरिक मन है।

87 यीशु ने कहा, "जिससे वे एक हो सके, पिता, जैसे आप और मैं एक है।" ना ही कोई मनुष्य किसी चीज पर अधिकार करे, यह कभी काम नहीं करेगा; एक संस्था दुसरे पर अधिकार करना चाहती है, और एक मनुष्य दुसरे पर अधिकारकरना। लेकीन जिससे तुम परमेश्वर के साथ एक हो सको, जैसे मसीह और परमेश्वर एक थे, यही वो प्रार्थना है। जो कि वचन था, और यीशु ने प्रार्थना की हम उसे दर्शाते हुए वचन बन सके। यही उसकी प्रार्थना का उत्तर होना है।

88 देखो, कैसे शैतान इसे शारीरिक मन में संदेह को लेता है? लेकिन यह यीशु की प्रार्थना बिलकुल ही नही थी, कि हम सब इकट्ठा हो सके और सब के पास कोई एक संप्रदाय और इत्यादि है। हर समय वे इसे करते है, वे परमेश्वर से और दूर और दूर होते जाते है।

89 वो चाहता है, हम परमेश्वर के साथ एक हो, और परमेश्वर वचन है। हर एक व्यक्तिगत, अपने हृदय में, यह होना ही है कि परमेश्वर के साथ एक हो।

90 परमेश्वर यह जानते हुए, इसे, यह सारी बातें इस तरह से संपन्न हुई है। अब ऐसे ही हम किसी दिन परमेश्वर को पाना है, उस प्रकृति में देखकर। वे हर कहीं घूमते हुए ऋतू परमेश्वर को साबित कर रहे है। यही है जहाँ मैंने पहले इसे पहले पाया, कैसे वो वहां पर एक वसंत मौसम में जीवन ऊपर आता है, यह आपने देखो, यह जीवन को जीता है, एक बीज को उत्पन्न करता है, मरता है और जमीन के अन्दर चला जाता है, वापस पुनरुत्थान में आता है, बस गोल–गोल घुमता रहता है। हम इस पर घंटो निकाल सकते है।

91 लेकिन अब कैसे उस अनुरूप से विभिन्न होता है, हमारे मिशनरी भाई जो भारत में है। मैंने वहां पर और सारे संसार में बहुत से लोगों को पाता हूं, वे पुन: जन्म में विश्वास करते है, कि वे—वे जब यहाँ पर आप एक मनुष्य के नाई मर जाते है और आप एक चिड़िया के या एक जानवर के रूप में वापस आते है। देखना, यह प्रकृति के साथ मेल नही खाता है।

92 प्रकृति बताती है कि जो बीज जमीन में चला गया है, वही बीज वापस ऊपर आता है। समझे? वही यीशु अन्दर चला गया, वही यीशु वापस आता है। हाल्लेलुया! और ये शरीर जब इस जमीन के अन्दर चला जाता है, ये फुल या कोई भी और चीज में वापस नहीं आयेगा, यह एक पुरुष या स्त्री वापस आयेगा। हम देखते है यह प्रकृति में है, यह कैसे होता है, इसे ठन्डे शीतकालीन में से होकर जाना है, और सड़ना है और इत्यादि, लेकिन जीवन संरक्षित है, यदि कोई जीवन इसमें है तो।

93 लेकिन, यदि, वहां, यदि वो बीज अंकुरित नही हुआ है, तो वो फिर से वापस कभी नही आयेगा; यह ऊपर नही आ सकता है, इसमें ऊपर आने के लिए कुछ भी नही है। और यदि हम ऐसे ही नाम मात्र के मसीही बनते है... वहां संसार में दो कलियिसाये है, स्वाभाविक कलीसिया, आत्मिक

कलीसिया, वे सारे "मसीही" कहलाये जाते है। लेकिन वो स्वाभाविक कलीसिया ऊपर नही आ सकती है। वो अभी विश्व संगठना, कलीसिया की संगठना में, अपने आप में ऊपर उठ रही है।

94 लेकिन मसीही लोग मसीह से मिलने के लिए ऊपर आते है, क्योंकि यह एक दुल्हन है, ताकि जाकर उससे मिले। वहां उनके बीच में फर्क है। प्रकृति इन रहस्यों को हमारे लिए थामे हुए है, और जैसे हम उनकी ओर दृष्टी करते है, हम देख सकते है। और हम देखते है मसीहत मृत्यु, गाड़े जाने, और पुनरुत्थान की सच्चाई को बोलती है।

95 यदि फिर वहां पर एक गेंहू की रोटी है, तो जिसे हम जानते है, जिसके द्वारा हम जीते है, और हम जानते है, केवल एक ही तरीका है, जिससे हम हमेशा हमारे शरीर के अन्दर उस मरी हुई वस्तु को लेने के द्वारा जी सकते है। आप किसी और तरीके से नही जी सकते हो।

96 ज्यादा समय नही हुआ मुझे एक शाकाहारी व्यक्ति मिला, उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मुझे आप पर बहुत ही भरोसा था, जब तक मैंने आपको कहते हुए नही सुना कि आप नाश्ते में अंडे और मांस को खाए।" देखा? और कहा, "भला एक धार्मिक मनुष्य इस तरह की चीज को खा सकता है? "

आप देखना मैंने कहा, "तो, इसमें क्या गलत है? "

97 सारी चीजें अशुद्ध है, लेकिन यह परमेश्वर के वचन और प्रार्थना के द्वारा पवित्र की गयी है। बाइबल ने कहा, "यदि तू यीशु मसीह का अच्छा सेवक होगा तो, तू इन बातों को भाई को याद दिलायेगा। देखो, सारी चीजें पवित्र की गई है, कुछ भी अस्वीकृत नही होगा, यदि इसे करना है तो धन्यवाद के साथ करना है।" पहला तिमुथियुस: 3। अब हम देखते है कि यह सच है। तो मैंने कहा, कम से कम...

मैंने कहा, "तो ठीक है, तुम्हे किसी मरे हुए को भी नही खाना है? "

"ओह, नही श्रीमान!"

98 मैंने कहा, "यदि आप किसी भी तरह से जीते है, आपको मरी वस्तु के द्वारा जीना है। यदि आप रोटी खाते है तो, गेहूं मरता है। यदि आप हरी चीजो को खाते है, तो इसे मरना है। जो भी आपने किया है, दूध भी पीते है, आप जीवाणु को पीते है। आप करते है।" आप केवल मरी हुई वस्तु के द्वारा ही जी सकते है।

99 और फिर यदि किसी को तो मरना था, इसलिए की हम शारीरिक रूप से जी सकते है, तो कितना और अधिक किया जाना है, जिससे की हम अनंतकालीन जी सके! मृत्यु इसे ले लेती है, ताकि ऐसा करे। रोटी! देखते हुए कि यीशु ने कहा, "मैं वो रोटी हूं," और वहां एक गेहूं की रोटी है, और वो उस प्रकार की रोटी नही था, इसलिए वहां दो प्रकार के जीवन होना है, जो रोटी के द्वारा जीवित रखता है। यह हमें उसके लिए अगुवाई करेगा। वहां नही... वो नही है, वो गेंहू नही था; और वो वचन नही था, वो शरीर था, इसलिए दो प्रकार के जीवन को होना ही है। हम जानते है, कि गेंहू मरता है जिससे हम शारीरिक रूप से जीते है, जैसे मैंने कहा। यीशु वो वचन की रोटी मरा, जिससे की हम अनंतकालीन के लिए जी सके। अब ध्यान देना, इसे अपने मन में रखे। अब यीशु के वचन को सच्चा साबित करने के लिए, हम इसमें, प्रकृति में देखते है, यह कैसे जाता है।

100 अब हम फिर से जानने के लिए वचनो की ओर जायेंगे, उस वचन में का आधार लेंगे, जब तक हमें मुख्य विषय नही मिल जाता है। परमेश्वर ने बगीचे में अपने पहले परिवार को उसके द्वारा जीने के लिए परमेश्वर का वचन दिया, इस का हर एक वचन। वो पहला परिवार जिसे यहाँ धरती पर रखा गया था, जब तक वे परमेश्वर के वचन के साथ बने रहे, उन्हें अनंत जीवन दिया गया था।

101 यह उसकी योजना थी। "मैं परमेश्वर हूं," वो कहता है, "मैं नही बदलता हूं।" अब भी उसकी यही योजना है। उसकी यह योजना कभी भी संस्था के लिए नही है, या सम्प्रदायों के लिए, या मनुष्य के बनाये नियम, जिससे मनुष्य जीयेगा, लेकिन परमेश्वर के मुख से निकले हर एक उस वचन से जीयेगा।

102 अब उत्पत्ती में वापस जाने के लिए, जो आदि है। *उत्पती* का मतलब "आदि" होता है। हम पाते है कि परमेश्वर ने उसके पहले परिवार को अनंत जीवन दिया जब तक वे इस वचन में बने हुए थे, और इस वचन के द्वारा जीये। लेकिन जब उन्होंने इसे तोड़ दिया, केवल प्रतिज्ञाओ के जंजीर की एक कड़ी को तोड़ दिया, उन पर मृत्यु आ गयी, जो एक प्रतिज्ञा भी थी।

103 यह एक जंजीर है। इसके साथ आप नर्क के ऊपर लटक रहे है, और यही वो चीज है, जो आपको समर्थन किये होती है। जब विश्वासी, एक नामधारी विश्वासी बन जाता है और एक शब्द में जीता है, जो इस वचन

के विपरीत है, वो अपनी संगती को परमेश्वर के साथ तोड़ देता है। एक कड़ी टुटने से! और, याद रखना इस वचन में आपका विश्वास करना, यह एक जंजीर के जैसा है। एक जंजीर अपने कमजोर कड़ी पर सबसे मजबुत होती है। यह सही है। यह वहां सबसे मजबुत होती है, क्योंकि यही सबको पकडे हुए होगी। यदि वचन में ऐसा कुछ तो है जो आपको उलझन में डाल रहा है, जिसे आपने अलग ही सुना है, लेकिन उन्होंने कहा, "ये? ओह, यह तो प्रेरितों के लिए था, और ये बातें उन बीते हुए दिनों के लिए थी।" जब कि वचन कहता है यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, इसे एक कमजोरी मत बनने दो! इससे मजबुत करो और थामे रहो, और अपने जीवन को इसके अन्दर लपेट लों, क्योंकि यही केवल वो चीज है जो आपको नर्क की आग से ऊपर उठा लेगी। यह सही है।

104 जब यह जंजीर आदम और हवा के साथ टूट गयी है, जो पहला परिवार था, याद रखना, उन्होंने एक वाक्य को नही तोडा, उन्होंने तीन शब्दों को नहीं तोडा; एक शब्द! मनुष्य हर एक वचन के साथ नर्क के ऊपर लटकेगा, हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है। यही है जहाँ मनुष्य की अनंत मंजिल निर्धारित है। क्यों, वो जंजीर के साथ लटकेगा, या वो एक संस्था के द्वारा; या यदि वो संस्था उस जंजीर के अन्दर मिल जुल गयी है, वही है जहाँपर वो कमजोर कड़ी है, और आप खत्म हो गए है। यही है जहाँ वो कमजोर कड़ी आदम और हवा के साथ थी। वो कमजोर कड़ी, "निश्चय ही," उसने कहा, "परमेश्वर... " लेकिन परमेश्वर ने इसे कहा है! और यदि परमेश्वर ने इसे कहा है, तो परमेश्वर का इसमें उद्देश्य होता है। और वो उसके वचन को भी यह कहने के द्वारा रखता है, "जिस दिन तुम खाओगे, उसी दिन मर जाओगे।" उस दिन तुम अपने प्राण के अन्दर परमेश्वर के बिना मिलावट के वचन के आलावा कुछ और इसके अन्दर डालोगे, वही वो दिन है, जब तुम परमेश्वर से अलग हो गए हो।

105 अब यह बहुत ही मजबुत है, लेकिन थोडा नजदीक से देखना। अब ध्यान दे। एक शब्द, पहले की बाइबल का एक शब्द, परमेश्वर ने कहा, "एक शब्द ने मनुष्य को उसके अनंत जीवन की जंजीर से अलग कर दिया।"

106 यह एक मनुष्य को उठाकर उसके पैरो से लटकाने के समान है... उसने उसके हाथों को आकाश में किये हुए है, और तुम उसे दो टुकडो में काट देते हो, पंजो से तोड़ देते हो, जिस किसी पर भी आप लटक रहे हो। आप

उसी निचले भाग पर लटक रहे है, और उस जंजीर को कही से भी तोड़ते है, आप खत्म हो गए है। अब इसे मन में रखना।

107 ध्यान रखना, बाइबल ने कहा, "परन्तु तीन साक्षीयों के कहने से बात पक्की ठहरे।" हम कुछ मिनटो में इस पर जायेंगे, जो यीशु मसीह की तीन परिक्षाये है; आज सेवको की तीन परिक्षाये, जहाँ वे गिरावट को लाते है; कलीसिया की तीन परीक्षाये, और जहाँ पर वो अपनी गिरावट को लाती है; संस्थाओं की तीन परीक्षाये, जहाँ वे उनके गिरावट को लाती है; और व्यक्तिगत में तीन परीक्षाये, और जहाँ वे अपने गिरावट को लाते है। अब यह सब तीन में कार्य करता है; धर्मीकरण, पवित्रीकरण, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा; पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा। हर एक बात तीन में सिद्ध है।

108 अब ध्यान दे आदि में परमेश्वर उसके बच्चो को ठीक जो पहली चीज, वो जीने के लिए देता है, वो वचन था। हम हम देखते है, यह सच्चाई है। फिर बाइबल के मध्य में, हम सुनते है, यीशु आकर और कहता है कि, "मनुष्य परमेश्वर के मुख से निकले हर एक वचन से जीवित रहेगा।" और फिर प्रकाशितवाक्य 22:18 में यीशु फिर से बोल रहा है, कहा, "मैं इन बातों को कहता हूं। यदि कोई मनुष्य इस में एक शब्द भी जोड़ेगा, या इस किताब से एक शब्द निकालेगा उसका भाग जीवन की किताब से निकाल दिया जायेगा।"

109 अब, देखना, यह ना ही हमारा अच्छा जीना है; यह केवल कुछ तो है, जो इसके साथ जाता है। यह हमारी—हमारी ना ही कलीसिया की निष्ठा है; जो इसके साथ जाती है। लेकिन मुख्य बात यह है, उस वचन के साथ बने रहना। उस वचन को छोड़ कुछ भी और मत खाना। इसके साथ बने रहो। वही वो वचन है। अब हम थोडा नजदीक से देखना चाहते है।

110 जीने के लिए इस सृष्टि की रोटी में क्या फर्क है? अब, गेहूं वो जीवन की रोटी है, यदि यह कोई एक मिश्रीत दाना नही है, तो इसे... उन्हें गाड़ दे और यह वापस ऊपर आ जायेगा। इसे एक अच्छा पका दाना होना ही है। खराब (दोषपूर्व) दाने ऊपर नही आते है। हम सब यह जानते है। भाई सोथमन्न, यहाँ बैठे हुए है, जो केनडा से गेहूं को ऊगाने वाले है, वो जानते है कि आप ख़राब दानो को मिट्टी के अन्दर नही डालते है, कि इसमें से फसल की अपेक्षा करे। क्योंकि, वो कीड़े या वे—वे कीटाणु, जो इस दाने में है, पहले इसके जीवन को इसमें से खा लेते है।

111 क्या आपने जान लिया वही वे कीड़े है, जो आपको नष्ट कर देंगे, जो आपके शरीर को खा लेंगे, यह ठीक अभी उन में है? अयूब ने कहा, "मेरी खाल के कीड़े मेरे इस शरीर को नष्ट भी कर दे!" आपको एक शव–संदूक में डाल दे और इसे हवाबंद मोहर लगा दे; फिर भी कीड़े जो आप में है आपको खा लेंगे।

112 आप खाद्य और आटा और खाद्य वस्तु को ले ले और इसे थोड़े समय के लिए मोहर बंद करके छोड़ दे, इसमें कुछ कीड़े आ जाते है। यह क्या है? वे कीड़े पहले से उसी में होते है यह आरंभ से उसी में होते है।

113 अब, इस दाने को एक अच्छा दाना होना ही है। इसे दोष मुक्त होना ही है, इस में असफलता, और इत्यादि से मुक्त होना ही है। इसे एक अच्छी नस्ल का दाना होना ही है। यह एक मिश्रीत दाना—दाना नही हो सकता है, क्योंकि जब यह ऊपर आता है आप इसे वापस बोते है, और आपका—आपका गेहूं पक जाता है, कारण एक मिश्रीत दाना वापस नही उगेगा। यह वापस नहीं बढ़ सकता है। आप उसके जीवन को उसमें से निकाल देते है जब आप इसे मिश्रीत कर देते है।

114 और यही है जो कलीसियाओ का हुआ है। वे संसार से मिश्रीत हो गए है और यही कारण है कि हर एक बेदारी जो होती आ रही है, और इसके बाद आपके पास दूसरी बेदारी नहीं हो सकती है। हर एक संप्रदाय जो कभी संस्थागत हुई है, वे उसी वक़्त मर जाती है और वापस कभी ऊपर नही आती है, क्योंकि यह उसके सिद्धांतो के अन्दर संसार को संस्थागत करती है, इसलिए यह कभी ऊपर नही आयी। वहां पर कोई इतिहास नही है जो कभी दिखाता हो कि कोई भी कलीसिया कभी वापस ऊपर आयी है। वो वहां पर मर गयी। क्यों? अपने इसे मिश्रीत कर दिया।

115 इस पर किसी एक बिशप को ना रखे। इस पर पवित्र आत्मा को बने रहने दो। समझे? पवित्र आत्मा को शोक के वस्त्र और चीजो को बाहर रखने के लिए भेजा है; ना की बिशप क्या सोचता है, या अध्यक्ष क्या सोचता है, या इत्यादि। यह पवित्र आत्मा को लेता है ताकि कलीसिया को उसकी अवस्था में रखे। वो वही सिद्ध है, जब हम देखेंगे।

116 आदम के पास उसका चुनाव था, वो वचन और जीना है, या एक वचन का अविश्वास और मरना है।

117 हमारे पास भी वही चुनाव है, कारण हमारे पास होना है। यदि परमेश्वर ने आदम को वचन पर रखा, और केवल वचन, फिर हमें एक संस्था पर या किसी भी प्रकार की संस्था पर, तब परमेश्वर उसके न्याय में अन्यायी है, यह उसकी पवित्रता और ना ही उसकी प्रधानता बनती है। लेकिन यह उसकी प्रधानता बनती दिखाई देती है कि वो हर एक मनुष्य को उसी आधार पर रखता है। और वो परमेश्वर है और नही बदलता है। जो परमेश्वर पहले करता है, वो हमेशा ही उसी बात को करता है। वो इसे बढाता है, लेकिन वो इसे बदलता नहीं है। उसी बात को जारी रखता है।

118 अब, आदम के पास एक चुनाव था। यदि वो वचन को थामे रहता तो, वो जीता था। यदि उसने वचन को नही थामे रखा, वो मर गया।

119 और हमारे पास भी वही बात है। हम वचन के साथ बने रहते है, हम जीते है। "मनुष्य हर एक वचन से जीवित रहेगा।" यदि हम नही करते है, हम मर जाते है, हम आत्मिक रूप से मर जाते है। ओह, हम अब भी आवाज कर सकते है, निश्चय ही, यहाँ–वहां कूद सकते है, और चिल्ला सकते है और करते रहते है, लेकिन यह, ये कोई—ये कोई जीना नही है। यह जीना नहीं होता है। मै एक मिशनरी हूं। मैंने मुर्तिपुजको को यहाँ–वहां कूदते और हम से ज्यादा चिल्लाते सुना है, और देवताओ को जानने का दावा करते है और इसी तरह की चीजे। वे नही जी रही रहे होते है। "वे मरे हुए है, जब वे जी रहे है।" बाइबल ऐसा कहता है। अब हम देखते है कि यह चुनाव हमें दिया गया है।

120 लेकिन उसने शैतान के एक शब्द के साथ समझौता किया, तब मर गया।

121 और यदि, वो आदि में जो परमेश्वर अपनी अनुग्रह और दया में उन सारी पीड़ा को नजरअंदाज करते हुए निकल सकता है, जो हमने किया है, इन सारे बच्चो की मृत्यु को, और हर एक चीज, और उस युद्ध को, और वे अंदरूनी बातें, और क्रूस पर चढाना, और वे बातें जो हमने की थी; यदि वो इसे नजरअंदाज करते हुए निकल सकता है तो, उसके वचन की श्रेष्ठत्व ने इसे नजरअंदाज करने की अनुमती दी होगी, वो तब अन्यायी होता, यदि वो नजरअंदाज नही करता है। क्या आपने इसे समझा? वो इसे नजरअंदाज करते हुए नही निकल सकता है। वो आरंभ से ही कभी इसे आदम के लिए नजरअंदाज नही करता। हमें उस बात पर आना ही

होगा, केवल वचन पर। "मनुष्य की बात झुठी, और मेरा वचन सच्चा ठहरे," उसने कहा।

122 अब हम केवल उसके लिए देख रहे है हम कौन से दिन में रह रहे है, कटनी का समय।

123 तब परमेश्वर आदम के गिरने के बाद, (जो वचन के द्वारा परखा गया और गिर गया), परमेश्वर ने उसकी सृष्टी में जारी रखा, ये कोशिश करने के लिए जिससे एक मनुष्य को ढूंढे, जो हर एक वचन को जीयेगा। अब देखे। उसने मनुष्य को ढूंढने की कोशिश की, जो उसके युग के लिए वचन को जिये। अब, आप देखना, परमेश्वर ने उसके वचन को बिखरा दिया है, क्योंकि वो कर सकता है।

124 वो है, वो असीमित है, और वो—वो सर्वव्यापी, सर्वज्ञानी है, इसीलिए वो सब बातों को जानता है। वो हर कहीं उपस्थित नहीं हो सकता है, सर्वज्ञानी होने के द्वारा, वो सब बातों को जानते हुए, तब वो हर कहीं उपस्थित हो सकता है। क्योंकि, इसी तरीके से वो हमें पूर्व ज्ञान के द्वारा पहले से ठहराता है, ऐसा नहीं क्योंकि उसने चाहा कि *यह* व्यक्ति बचना चाहिए और *यह* नाश होना चाहिए। लेकिन वो जानता है, कौन नाश होगा और कौन बचाया जायेगा। समझे? इसीलिए, उसके पूर्व ज्ञान के द्वारा, वो पहले से ठहरा सकता है। और वो हर एक कार्य को उसकी महिमा के लिए करता है। यही है जो उसके गुण कर रहे है, वे उसकी महिमा को प्रदर्शित कर रहे है। एक बर्तन आदर के लिए और एक अनादर के लिए, लेकिन यह परमेश्वर है जो इसे बनाता है। "ना उस चाहने वाले या उस दौड़ने वाले को, लेकिन जिस पर परमेश्वर दया को दिखाता है।" देखा?

125 "कोई मनुष्य मेरे पास नही आ सकता है," यीशु ने कहा, "जब तक मेरा पिता उसे नहीं खीच लाये। और वे सब जो पिता के पास थे," भुत काल, "मुझे दिये गये है, वे मेरे पास आयेगें वचन के लिए।" वे कैसे आ सकते है, जब तक वे सब आने के लिए पहले से ठहराये नहीं गए हो? "जितनो ने उसे स्वीकार किया, वो उन्हें परमेश्वर के पुत्र बनने की सामर्थ देता है।" देखना, क्योंकि उनके नाम किताब पर थे, वे जो किताब पर थे उन्हें छुड़ाए के लिए आया।

126 प्रकाशितवाक्य में हम पाते है, जब मुहरे खुल गयी, वहां पर एक किताब थी। और वो जो सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने हाथ में बैठा था। और

वहां पर कोई भी नही था, जो किताब को आकर ले ले या इसे देखने के भी योग्य नही था। यूहन्ना जोर से रोने लगा... क्योंकि छुटकारे की सम्पूर्ण किताब वहां पर थी।

127 यह एक रात को सभा थी, वे असेंबली ऑफ गॉड के भाई और बहन ने उस गीत को गाया, "मैं सोचता हूं यदि यूहन्ना ने मुझे देखा था, जब उसने सारे राष्ट्रों को एक साथ देखा। क्या उसने मुझे देखा? " निश्चय ही, उसने देखा, यदि आपका नाम किताब पर था। और जब...

128 यूहन्ना का नाम भी उस पर था और वो रोया क्योंकि वहां पर कोई नही था जो इसे छु सके। और फिर प्राचीनो में से एक ने आकर कहा, "यूहन्ना मत रो, क्योंकि यहूदा के गोत्र का सिंह जयवंत हुआ है।"

129 और यूहन्ना ने एक—एक सिंह को देखने के लिए यहाँ–वहां देखा, और पर्दों के पीछे से एक मेमना आता है, एक मेमना जो जगत की नीव डालने से पहले घात हुआ था। तब उसने एक लहूलुहान मेमने को बाहर आते देखा, और वो आकर और उसके दाहिने हाथ से किताब को ले लेता है, और उन हर एक चीज को बुलाता है जो उस किताब पर था। यह सम्पूर्ण छुटकारे की किताब थी। और *यह* वो है। वो छुटकारे की किताब, उसने सब को छुड़ाया जो उस किताब पर थे, ना ही जो किताब के बाहर है। जिस किसी की भी एक शरुआत थी, उसका अंत भी है। लेकिन यदि आपको अनंत जीवन मिला है, आपका कभी–भी आरंभ नही हुआ और आपका अंत नही हो सकता है, क्योंकि आप परमेश्वर के पुत्र और कन्या है, उसके विचारो और उसके वचन के गुण है। आपके जीवन की समाप्ती नही है, यदि आपका नाम उस किताब पर है। वो मेमना इसे छुडाने के लिए आया। ना ही वे सब जो "मसीही, " होने का दावा करते है, ना ही वे सब जो अच्छा और पवित्र बनने की कोशिश करते है; लेकिन वे जिनके नाम वहां पर लिखे हुए है, उसने उन्हें छुड़ाया, और केवल उन्हें ही, जिनके नाम किताब पर थे।

130 अब हम पाते है कि आदम के गिरने का कारण शैतान था, उस एक शब्द के द्वारा। और अब परमेश्वर ने उसकी सृष्टी में जारी रखा है, ताकि एक मनुष्य को पाने की कोशिश करे जो हर एक वचन से जीवित रहे। उसका पहला मनुष्य चूक गया। और यह मनुष्य उसके समय के वचन को जीयेगा, उसके युग के, जिसमे वो रहता है।

131 अब, देखना, वहाँ पर विभिन्न युग है, जिसकी परमेश्वर ने आरंभ में भविष्वाणी की, जो सारी पूरी तरह से जगह लेगी। यही कारण है वो आरंभ से अंत बता सकता है, क्योंकि वो सारी बातों को जानता है। उसने सारी चीजों को यीशु मसीह के द्वारा बनाया, और उसी के लिए, और उसकी खुद की इच्छा से। अब ध्यानपूर्वक देखे। इसे चूकना मत।

132 क्या हो यदि मूसा, नुह के सन्देश को लेकर आ रहा होता? यह काम नही करता। नही कर सकता है। नही।

133 क्या हो यदि यीशु, मूसा के सन्देश को लेकर आ रहा होता? यह काम नही करता।

134 क्या हो यदि हम मेथोडिस्ट के सन्देश को लाने की कोशिश करते है, बेप्टिस्ट के सन्देश को, या पेंटीकोस्टल के सन्देश को? यह काम नही करेगा। वे ठीक है; वचन के द्वारा इसे एक मिनट में साबित करेंगे। वे उनके युग पर बिल्कुल सही थे। वो युग बीत गया है। हमें यह देखना है, कि आज के लिए वचन क्या कहता है। इस दिन, यही है वो जिसके द्वारा मनुष्य को उसके युग के लिए जीना है।

उसने एक मनुष्य को पाने की कोशिश की, जो सम्पूर्ण वचन को जीये।

135 पहली बात जो उसने की, उसने नुह को परखा। नुह ने उसे विफल किया; उसने मदिरा पी, वो विफल हो गया।

136 मूसा, वो मूसा, सामर्थी परमेश्वर की सर्वोतम रचना, परमेश्वर ने उसे परखा और मूसा विफल हो गया। मूसा ने खुद की महिमा की, और मूसा को प्रतिज्ञा देश के अन्दर जाने की अनुमती नही मिली।

137 फिर दाऊद आया, जिसे वो प्रतिबिंब करने जा रहा था उस—उस... दाऊद में वो महान सहशताब्दी थी और वो दिखाने जा रहा था कि उसका राजा कौन था। और परमेश्वर ने दाऊद से शपथ खायी, वो खड़ा करेगा... उसके पुत्र को सिंहासन पर बैठने के लिए खड़ा करेगा। और दाऊद एक ऐसा साहसी पुरुष था, इतना तक की, "वो परमेश्वर के अपने ह्रदय के अनुसार एक मनुष्य था।" और दाऊद अच्छा कर रहा था। उसने सारे पलिश्तियों को कुचल डाला और वेदियों को फाड़ डाला, और वचन के साथ बना रहा। और अतः एक सुन्दर स्त्री ने उसे पलट दिया, और दाऊद ने व्यवस्था को तोड़ डाला, वचन को खो दिया, व्यभिचार किया। देखा?

एक मनुष्य जो उसके ह्रदय के अनुसार था, देखना, दाऊद ने उसे फिर भी विफल कर दिया।

138 मूसा ने उसे विफल कर दिया, उन में बाकी के सारे लोगो ने उसे विफल कर दिया, लेकिन उन सबके जीवन ने केवल उसे प्रतिबिंब किया, वो जो एक आने वाला था।

139 प्रकाशितवाक्य की किताब में, जैसे की मैं लिखता हूं, एक व्यक्ति जो अनुवाद करता है या व्याकरण जानने वाला... मेरा व्याकरण खराब है, इसका सही व्याकरण करने के लिए मुझे एक—एक अच्छा विद्वान मिला है, जो सही संज्ञाओ और सर्वनामो को डाले। लेकिन, लेकिन वो करता है और वो उन सबको डाल देता है... मैं जानता हूं केवल जो बात को मैं जानता हूं, परमेश्वर इसे मुझे देता है, और मैं बस इसे लिख देता हूं, देखना। और, उन्हें, उन्हें ऐसे रखना है यदि यह अध्यन और बातों के अन्दर जाता है, वे—वे जानते है इसे और अच्छे से, उनके अपने तरीके की समझ से पढा जा सकता है। और तब लेखक ने मुझसे कहा, व्याकरण, वो व्यक्ति जो इसका सही व्याकरण कर रहा था, मुझसे कहा, उसने कहा, "लेकिन भाई ब्रन्हम, हम देखते है पिरगमुन कलीसिया काल... कि यीशु ने यहाँ पर कहा, 'वो जो जय पाये, मैं उसे भोर का तारा दुंगा।' उसे भोर का तारा दुंगा? " उसने कहा, "अब उसे भोर का तारा कैसे मिल सकता है, जब कि यीशु ने खुद कहा, कि मैं भोर का तारा हूं? "

140 देखो, वे सारे अब्राहम के बीज, तारों के द्वारा प्रतिबिंबित हुए। वे एक दुसरे से भिन्न थे, और हम एक दुसरे से भिन्न है। और यीशु वो भोर का तारा है, उन सबसे चमकदार। लेकिन हम उसे प्रकाशितवाक्य एक में, उसके हाथ में सात तारो के साथ में पाते है। वो इसका अनुवाद करता है, और कहा, "यह सात तारे सात कलीसिया के सात दूत है, या सात कलीसिया के युग जो आने वाले है।"

141 फिर उसने कहा, "यदि उनके पास भोर का तारा है तो, फिर यह कैसे हो सकता है? "

142 मैंने कहा, "वे तारे जो उसके हाथ में थे, वे केवल उस भोर के तारे से प्रतिबिंबित तारे थे, देखना, क्योंकि उस दिन के सन्देशवाहक के पास वचन था।" और वो वचन है; उसके पास उस दिन के लिए कुछ ही भाग था। और वे लोग जो संसार के तरीको से और संसार के बातों से और संसार

के साथ चलने से दूर आने के लिए तैयार है, उस युग के संदेशवाहक के जरिये से भोर के तारे के प्रतिबिंब को देखते है। जैसे उसने नुह के जरिये से, मूसा और इत्यादि के जरिये से किया, जैसे उसने पुराने नियम को प्रतिबिंब किया, अतः वे सब एक के लिए पहुँच गए। और वैसे ही यह कलीसिया कालो के समाप्ती पर होगा, यह सब वापस यीशु के लिए पहुंचेगा, कि वो वचन है।

143 हम मसीह की नाई केवल उसे प्रतिबिंबित कर रहे है। चन्द्रमा केवल सूर्य को उसके अनुपस्थिति में प्रतिबिम्ब करता है। और विश्वासी परमेश्वर के पुत्र की अनुपस्थिति में, केवल परमेश्वर के पुत्र को प्रतिबिम्ब करता है। यह बाइबल का प्रकाश है, वे वचन, हमारे जीवनों में प्रमाणित हुए है, वो वचन जो अंधकार में प्रकाश देता है। आप वो दीपक हो, जिसे एक पहाड़ी पर रखा है। यह सूर्य नही है; यह एक दीपक है। वो दीपक केवल सूर्य के स्थान को लेता है, जो केवल थोड़ी सी प्रकाश की मात्रा को दिखाता है। हम परमेश्वर की संतान है, हम केवल कुछ भाग के साथ, आत्मा के द्वारा परमेश्वर के पुत्र और कन्या है। हम एक तारा है जो चमक रहा है, हम सब एक साथ उजियाले के संसार को बनाते है, लेकिन वो सम्पूर्ण पुत्र है जो हर एक उजियाले को प्रतिबिम्ब करता है। हाल्लेलुया! मैं उस पर विश्वास करता हूं। परमेश्वर मेरे अविश्वास पर मदद कर!

144 अंत में वो एक सिद्ध जन पहुँच जाता है। अब, वो हर एक स्तर पर परखे जाने के लिए पहुचंता है, बिल्कुल वैसे ही जैसे की हम। बाइबल कहता है वो परखा गया था। वो नुह के नाई परखा गया था। वो मूसा की नाई परखा गया था। वो उन सब बाकी के जैसे परखा गया था। यदि हमारे पास इसका विश्लेषण करने को समय होता था तो आपको दिखाता, लेकिन हमारे पास समय नही है कारण मैं आपका और ज्यादा समय नही लेना चाहता। लेकिन, विश्लेषण करने और आपको दिखाने के लिए, वो उसी तरीके से परखा गया था।

145 शैतान अपनी युक्ति को कभी नही बदलता है, ना ही परमेश्वर बदलता है, केवल युग बदलते है। लेकिन क्या... शैतान ने पहले वहां धरती पर परमेश्वर के पहले परिवार को क्या किया। यहाँ पर है ये, भाईयो, बहनों। इसे समझने से चुकना मत। शैतान ने कैसे उस पहले परिवार को पकड़ा? वो किसी और तरीके से इसे नही तोड़ सकता है, लेकिन उन्हें पकड़ने के

लिए वचन तोडा, क्योंकि वे वचन के पीछे किलाबन्द थे। यदि वो केवल एक दरार कर सकता है तो!

146 ऐसे ही उसने हर एक युग में कलीसिया को पकड़ा, हर एक विश्वासी को पकड़ा, केवल उस दरार को डाल दिया। "तो ठीक है, मैं—मैं विश्वास करता हूं बाइबल सही है, लेकिन *उस पर* विश्वास नही करता।" ओह, उसे वहां पर जाना था। बुरा हुआ, वो वहां पर चला गया।

"हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है!"

147 अभी नजदीक से अब बंद करते हुए। अब वो अंत में, इस एक को, पहुँचना था और परखा जाना था, बिलकुल वैसे ही जैसे उन बाकी को परखा गया था। अब ध्यान देना कैसे शैतान अपने हर एक प्रहार को करता है, बिल्कुल वैसे ही हर एक समय करता है। अब उसने उसे स्वाभाविक रोटी देने की कोशिश की, वैसे ही जैसे उसने हवा से किया। "यदि तुम *इसे* खाओगे, तो *इसे* ले लो," या कुछ और, वो इसे पकड़ लेता है।

148 और यही है जिसे वो हर एक संस्थाओ के लिए करता है, यही है जिसे वो हर एक व्यक्तिगत के लिए करता है, वो आपको स्वाभाविक चीजो को देने की कोशिश करता है जिससे आप उस की ओर देख सकते है। और वो आपको दूर लेकर जाता है! "ठीक है, इस महान बड़ी कलीसिया की ओर देखो! क्यों, उनके पास इसमें बहुत सारे लाखों लोग है! हमारी कलीसिया शहर में सबसे बड़ी कलीसिया है। तो, हमारी, हमारे पास हमारी कलीसिया में मेयर आता है। इन सबको देखो! हमारे पास्टर के पास एक—एक, डी.डी, एल.डी, पी एच.डी, की डिग्री है! उस, उचित रूप से, उसे, उस, उचित रूप से, उस एक बुद्धिमान व्यक्ति को होना अवश्य है।" एक कैथोलिक याजक वहां पर आकर और किसी भी समय उसकी डिग्रीयो के साथ उसे ऊपर चढ़ा सकता है। उसके पास कुछ एक साठ अनोखी किताबे है, जिसे बुरी तरह से उसको जानना है, जितना आप बाइबल को जानते है, ताकि उसे एक याजक बनने की डिग्री मिले, इसलिए पढाई लिखाई से तुलना करने के कोशिश मत करना।

149 यह बिल्कुल दुनिया के जैसा ही है, हमेशा ही तुलना करने की कोशिश करते है। दुनिया के बातों के साथ तुलना मत करना। कलीसियाओ के साथ तुलना मत करो। बाइबल के साथ तुलना करो! यही है जो आज हम कर रहे है। यही है जो हमारे पेंटीकोस्टल के साथ समस्या है। यही है

जो हमारे गुट और गीत गाने वाले और इत्यादि के साथ समस्या है, जो हमारे पास है, हम हॉलीवुड के जैसे अभिनय करने की कोशिश कर रहे है। हॉलीवुड की जगमगाहट; सुसमाचार चमकता है। वहां पर एक जगमगाहट और एक चमकने बीच बहुत सी विभिन्नता है। समझे? हॉलीवुड के कपड़ो के साथजगमगाहट होती है, रिक्कीस और रिक्कीइटास और रिक्कोकटस। लेकिन परमेश्वर की विनम्रता, विश्वासियो की नम्रता में चमकती है, कोई फर्क नही पड़ता वो कितना अशिक्षित है। वो नम्रता में चमकता है, ना ही हॉलीवुड में दमकता है।

150 ध्यान देना, उसने यीशु पर अपनी पुरानी तरकीब की कोशिश की, उसी चीज को उसने मूसा के साथ किया, उसी चीज को उसने उन बाकी के लोगों के साथ किया। उसने इसकी कोशिश की। वो इसकी आप पर कोशिश करेगा, ताकि आप कुछ तो बहुत ही बड़ी चीज को मान ले जो चमकदार दिखाई देती है।

151 मुझे याद आता है, जब मैं अक्सर कून का शिकार करता था, जो मांसाहारी जानवर है। मुझे कुछ मिलता था... पापा, मेरे पिता तम्बाकू का सेवन करते थे। मैं नहीं जानता की आप सब लोग ये जानते भी है की नही, उनमें से एक पुराना लेबल जो हमेशा ही एक तम्बाकू के ऊपर लिपटा हुआ होता है। मैं उन्हें ले लेता, मैं एक लकडी को लेकर और इसमें एक छेद को किया, ठीक उस छोटी खाड़ी के आस–पास जहाँ पर एक कून दौड़ रहा था। और फिर एक उस में छेद को करके, और इस तम्बाकू के लेबल वहां चिपका दिया। और फिर मैं कुछ किलों को गाड़ दिया, *इस* तरह के कांटे को लटकाकर। और वो कून हमेशा ही चमकदार चीज की ओर बढते है। और, तो जब चन्द्रमा ऊपर आता है और वो वहां आगे दौडा, उसने वहां पीछे की ओर देखा, उसने अपने हाथ को इसे लेने के लिए उसमें बढाया। और वो इससे नही छुड़ा पायेगा।

152 वो कुछ कलीसिया के सदस्यों के जैसा है। वो जानता भी है, वो इससे नही छुड़ा पायेगा। "यदि मैं करता हूं तो, वे मुझे संप्रदाय से बाहर कर देंगे।" यही पर ही उसकी मृत्यु है, बस इतना ही है। तो ठीक है। ध्यान देना। वहां वो इस पर पकडे रखता है, वो इसे ढीला नही छोड़ेगा।

153 अब शैतान ने अपनी उसी तरकीब को यीशु पर करने की कोशिश की, जिसे उसने उन बाकी के लोगो पर की थी। उसने उसे प्रतिज्ञा वचन को

छोड़ कुछ तो खिलाने की कोशिश की। क्योंकि, यीशु ने कहा, "ये लिखा हुआ है, 'मनुष्य केवल रोटी से नही जीवित रहेगा।'" समझे? उसने उसे आज्ञाकारी बनाने की कोशिश की। हालाँकि यह आकर्षित दिखाई दिया, दिखा जैसे कि वो खुद को खिला सकता है, और वो इसे कर सकता था। आपके पास...

154 आप भी चाहे तो किसी भी तरह प्रकिया को कर सकते है। आप इसे ले ले सकते है या छोड़ सकते है, कोई भी एक जिसे आप चाहे। अब यदि उस कून के पास इतनी ही समझ होती थी, ओह, अपने हाथ को पीछे रखे, तो वो फिर से इसे वापस खिंच सकता; लेकिन वो नही करता है, वो खुद को वहां पर रोके रखता है। और इसी तरह से बहुत से नाममात्र मसीही लोग भी करते है। वे इसके बारे में कुछ भी सुनना नहीं चाहते है, वे आकर इसे सुनना नहीं चाहते है। वे इसके बारे में कुछ नहीं चाहते है। आगे जाकर और फिर इसमें रुके रहते है, देखना, आप जान जायेंगे कि क्या होता है।

155 अब ध्यान देना, उन्होंने जीवन की रोटी को छोड़, जिसके द्वारा मनुष्य जीवित रहता है, उसे कुछ तो और ही खाने को देने की कोशिश की। लेकिन यीशु पिता के वचन के साथ बना रहा। ओह, उस समय हवा को प्रहार नही किया, उसने कभी मूसा को प्रहार नही किया, उसने कभी उन बाकी के किसी को भी प्रहार नही किया। उसने उस एक को प्रहार किया जो वचन को प्रतिबिंब करने जा रहा था। देखना, उसे, यही वो कारण है, वो वचन था। लेकिन यीशु वचन के साथ बना रहा, उसके अध्यात्मिक अध्यन के विद्यालय के सिद्धांत को इंकार किया था, हाँ श्रीमान, उसका नया उजियाला, उसका ज्यादा अनुभव। वो इसे यीशु पर दबाव नही दे पाया, जैसे उसने इसे हवा पर किया ताकि उसे दिखाये, "ओह, निश्चय ही परमेश्वर ने... "

156 "ओह, निश्चय ही परमेश्वर इसमें होगा यदि हम एक साथ हो सकते है और एक सारे विश्व कलीसिया की संगठना बना सकते है। निश्चय ही परमेश्वर होगा। वो एकता को चाहता है और वो भाईचारे को चाहता है।" उसके खुद के साथ, ना ही दुनिया के साथ; उसके खुद के साथ भाई चारा, उसके खुद के साथ आराधना। यही है जिसके लिए वो मारा, कि आप उसकी आराधना करे। जैसे हमेशा ही, यदि वो नही...

अब हम देखते है कि वो हार गया। यीशु यहोवा यों कहता है के साथ वापस ठीक उसके पीछे गया।

157 अब जब वो उस एक विश्वासी को सख्त है... अब विश्वासी को देखना अब, आप में से हर एक जन कलीसिया उसी श्रेणी में आता है। जब वो आपको देखता है, वचन के साथ बने रहेंगे। "हाँ, मैं बाइबल में विश्वास करता हूं। मैं कोई संस्था और वहां उन चीजों से नही जुड़ता हूं। मैं बाइबल के साथ बना रहूंगा।" और, जैसे हमेशा, यदि वो आपको विश्वास नही दिला सकता है, ताकि—ताकि आप वास्तविक सच्चाई को जिसे, और वचन पर विश्वास करे, मैं चाहता हूं आप ध्यान दे, दूसरी बार उसने यीशु को क्या किया था, यदि वो आपको नही पकड़ पाता है, कहते हुए, "मैं संस्था से नही जुड़ने जा रहा हूं। मैं नही जा रहा हूं। मैं, मैने आजाद जन्म लिया था, मैं इसी के साथ बने रहूंगा। मैं *इसे* करने जा रहा हूं, *वो*, या *और ही*।" देखो, "कलीसिया से जुड़ना," और "तुम आकर जुडो," और कुछ तो और ही; वो आपको यह करने के लिए नही पकड़ सकता है, तब वो आपके लिए कुछ तो और ही करेगा। ओह, भाई, इसे देखना।

158 यदि वो नही करता है, फिर वो आपको दूर उसकी खुद की शिक्षा विद्यालय के लिए भेजेगा, ताकि उसके खुद के धर्म शास्त्रियो के द्वारा सिखाये, देखे, जहाँ पर शैतान अनुवादक होता है। "ओह, अद्भूत कार्यो के दिन बीत गए। वो वहां पर जो लोग है, मैं जानता हूं... तो, वो एक अधर्मियों का झुण्ड है। वे, वे नही है, देखना।" वो आपको वहां पर भेजेगा।

159 ओह, हो सकता है आप कहे, "एक मिनट रखना, भाई ब्रन्हम! अब मिनट के लिये!" हाँ, आओ कुछ मिनट के लिए रूके, देखना। अब आप कहेंगे "क्या आपको अब और नही करना चाहिए? क्या हमें नही करना चाहिए?" नही, श्रीमान। नही श्रीमान।

160 लेकिन यीशु ने कहा, "जब वो सच्चाई का आत्मा आता है, देखना, वो आपको याद दिलायेगा, इन बातों को लेकर आयेगा, जो मैंने सिखाई है, जो वचन है। और वो आने वाली बातों को भी दिखायेगा।" वहां पर वास्तविक आत्मा से भरी कलीसिया है, वचन के साथ बनी रहती है, वचन के साथ बनी रहती है, परमेश्वर धरती पर है। समझे? उसे किसी भी धर्म शास्त्री की जरुरत नही है, क्योंकि उसके वचन का कोई निजी अनुवादक नही है।

वो खुद अपने वचन का अनुवादक है, इसे प्रमाणित करने और इसे साबित करने के द्वारा, यही सच्चाई है।

161 जब मेथोडिस्ट कलीसिया ने आपसे कहा, तुम पवित्र आत्मा को ग्रहण नही कर सकते हो जैसे उन्होंने पेंटीकोस्ट के दिन किया था, आया अपने इसके लिए थोडा ध्यान दिया? बिलकुल नही। आप ठीक इसके साथ जाये और फिर भी पवित्र आत्मा को पा लिया। देखा? क्योंकि वो...

162 मैं एक रात को एक बैप्टिस्ट सेवक के साथ उस—उस त्रिएकता को वर्णन कर रहा था, और मैंने उसे बताया यह केवल शब्दावली है। और इसलिए जानने के लिए आए है, उसने कहा, एक और छोटा सा सेवक जो शिक्षा विद्यालय से था, उसने कहा, "लेकिन मिस्टर ब्रन्हम, आप लोगो को एक प्रेरितो के धर्म को विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे है।"

मैंने कहा, "निश्चय ही, वो वहां केवल एक ही है।"

और उसने कहा, "श्रीमान, आप कौन से विद्यालय पर गए थे? "

163 मैंने कहा, "श्रीमान, मेरे घुटनों पर मेरे भाई, ना ही... देखो, यही है जहाँ पर मैं गया हूं, ना ही धर्म विद्यालय, लेकिन (kneeology) घुटनों की विद्यालय पर।" मैंने कहा, "यही है, जहाँ मैंने उसे पाया है।"

164 और उसने कहा, "मिस्टर ब्रन्हम, वो पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, जैसे उन्हें पेंटीकोस्टल के दिन मिला, आप कहने की कोशिश कर रहे है, कि वही आज है? "

165 और मैंने कहा, "बाइबल ने कहा, श्रीमान, कि वो... कि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" मैंने कहा, "वो यीशु मसीह था जो पेंटीकोस्टल के दिन आया था।" ओह, हाँ।

166 नही, वो ही एक! "तो भी थोड़ी देर पर, मैं पिता से प्रार्थना करूँगा, वो तुम्हारे लिए एक और सहायक को भेजेगा, जो पवित्र आत्मा है। और थोड़ी देर रह गयी है, संसार मुझे नही देखेगा; फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मै तुम्हारे साथ रहूंगा, यहाँ तक तुम में रहूंगा, संसार के समाप्ती, अंत तक।"

167 मैंने कहा, "हाँ, यही है जो पेंटीकोस्टल के दिन पर आया था। हाँ, श्रीमान। वो आया, उनमें रहा, ध्यान देना, पवित्र आत्मा के व्यक्ति के

रूप में, यीशु मसीह पवित्र आत्मा के व्यक्ति में है, जैसे हम परमेश्त्व को समझते है।"

168 अब ध्यान देना, शैतान को उसके धर्म शास्त्र की आवश्यकता नही पड़ी, धर्म शास्त्र की। और इस मनुष्य ने मुझसे कहा, उसने कहा, "मिस्टर ब्रन्हम," उसने कहा, "मैं आपको समझ दूंगा, मैं एक विशेष विद्यालय से हूं, और हमें प्रशिक्षित है।"

मैंने कहा, "मैंने आपके हर समय सभा को सुनता हूं।" देखा?

उसने कहा, "हमने वहां पर प्रशिक्षिण को पाया है।" कहा, "उनका पवित्र आत्मा का बपतिस्मा केवल चेलों के लिए ही था।"

169 मैंने कहा, "बाइबल ने कहा वहां ऊपरी कोठी में 'एक सौ बीस' थे।" और मैंने कहा, "अब कौन सही है, तुम की यह वचन।"

170 और मैंने कहा, "और फिर यह भी, जब फिलेप्पुस सामरिया में जाकर प्रचार किया, और उन्हें यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा दिया, लेकिन पवित्र आत्मा फिर भी उन पर नही उतरा था, क्योंकि पतरस के पास चाबी थी। इसलिए उसे येरुशलम को भेजा और वो पतरस को मिला, जिसने नीचे आकर और अपने हाथो को उन पर रखा, और पवित्र आत्मा उन पर आ गया। बाइबल ने कहा, 'वो पवित्र आत्मा!'"

171 मैंने कहा, "वहां पतरस एक दर्शन के साथ था, उन चाबियों के साथ था, जो प्ररितो के काम 10, उन्चालीस में... ' और जब वो इन वचनो को बोल ही रहा था, पवित्र आत्मा उन पर उतर कर आ गया। क्योंकि उन्होंने उन्हें अन्यजुबान में बोलते हुए सुना, और—और—और भविष्वाणी को, परमेश्वर को ऊँचा उठा रही थी। तब पतरस ने कहा, क्या हम पानी को रोक सकते है, कि इसे बपतिस्मा नही लेना चाहिए, यह देखते हुए कि उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया है, जैसे हमने आरंभ में पाया था? और उसने उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी।'"

172 हम देखते है, तीस वर्षो के बाद, पौलुस ईफुसीस के ऊपरी किनारे पर होकर गुजरता है, वहां कुछ बैप्टिस्ट लोगो को देखता है जिनके पास एक महान बेदारी होती है। महान बातें हो रही थी। वे चिल्ला रहे थे, परमेश्वर को स्तुती दे रहे थे। और पौलुस ने कलीसिया से भेंट की, जहाँ पर लगभग बीस लोग उपस्थित थे, जहाँ अक्विला और प्रिस्किल्ला उपस्थित थे; जहाँ पर अपुल्लोस, एक परिवर्तित वयास्थापक था, जो बाइबल के द्वारा साबित

कर था कि यीशु ही मसीह था। और उनके पास बड़ा ही आनंद था, और एक बड़ी सभा थी। पौलुस गुजर रहा था, वो वहां आया... परमेश्वर ने उसे कैद से बाहर निकाला; पौलुस ने एक आत्मा को बाहर निकाल फैंका था, एक शैतान जो एक भविष्य बताने वालो से था। और फिर वो उनमें से होकर ऊपर वहां पर प्रभु के काम में आया था, और वो सभा को सुनने के लिए गया। और उसने कहा, 'यह मनुष्य एक महान व्यक्ति है, ठीक बात है,' लेकिन, कहा, 'क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया है जब से तुम ने विश्वास किया?' उसने विश्वास किया आपने इसे पाया है जब आपने विश्वास किया। लेकिन उसने कहा, 'क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया है जब से तुम ने विश्वास किया?' उसने कहा, 'हम जानते भी नही कि कोई पवित्र आत्मा है भी।'

173 "कहा, 'तब तुमने किसका बपतिस्मालिया था?' यह वो सवाल था। उसने कहा, 'हमने उसी मनुष्य से बपतिस्मा लिया है, जिसने यीशु को बपतिस्मा दिया: यूहन्ना। हमने यूहन्ना का बपतिस्मा लिया है।' समझे? उसने कहा, 'यूहन्ना ने तो केवल मन फिराव का बपतिस्मा दिया, ना ही पापो के क्षमा के लिए।' यूहन्ना... क्योंकि मेमना अब तक घात नही किया गया था। उसने कहा, 'यूहन्ना ने मन फिराव का बपतिस्मा दिया, देखते हुए कि आप उस पर विश्वास करना चाहिए जिसको आना था, यीशु मसीह पर।' 'और जब उन्होंने इसे सुना, तब उन्होंने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया था। और पौलुस ने उन पर हाथ को रखा, और पवित्र आत्मा उन पर आ गया, और उन्होंने भविष्वाणी की और अन्य जुबान में बोलने लगे,' तीस वर्षो के बाद।"

और मैंने कहा, "साथ ही, क्या तुम बाइबल को विश्वास करते हो?"

उसने कहा, "निश्चय ही करते है।"

174 मैंने कहा, "पतरस, पेंटीकोस्ट के दिन पर, जब यह सारे दल में फ़ैल गया था, और वे सब चिल्लाने लगे और परमेश्वर की स्तुती करने लगे, उन्होंने कहा, 'भाइयों, हम बचने के लिए क्या करें?' पतरस ने कहा, 'हर एक जन पश्चाताप करो, और पापो के पश्चाताप के लिए यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा लों, और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे, क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारे बच्चों के लिए है, और उनके लिए जो बहुत दूर है,

यहाँ तक जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।' आकाश और धरती टल जायेंगे, लेकिन वचन कभी भी नही टलेगा।"

175 तुम जो पेंटीकोस्टल हो, मेथोडिस्ट, बैप्टिस्ट, या प्रेसब्यटेरियन की ओर की ओर ध्यान नही दिया। तुम जानते थे यह हर एक पीढ़ी के लिए था, और आपने इसके अन्दर जोर दिया। निश्चय ही। अब, ठीक वहां पर जोर देना बंद मत करना, केवल जोर देते रहे। देखो।

176 यही है जहाँ पर मेथोडिस्टो ने अपनी गलती को किया, उन्होंने पवित्रीकरण को जोर दिया लेकिन रुक गए। लूथरन ने धर्मीकरण के अन्दर जोर दिया और रुक गए। देखना, तब इसने इसे संस्थागत कर दिया, यह वहां मर जाते है। यही इसका अंत हो जाता है। ऐसे ही इन सबका होता है।

177 अब ध्यान देना अब हम जल्दी से इसमें से जायेंगे, "जब सच्चाई का आत्मा आता है, वो तुम्हे सारी बातों को सिखाएगा, जो कुछ भी मैंने तुम्हे सिखाया है।" ओह, प्रभु, "आप सब याद रखना, जो मैंने आपसे कहा है, आपके लिए सब यादो को ला रहा हूं। और वो आपको आने वाली बातों को दिखायेगा। वो हर एक वचन को प्रमाणित करेगा, निम्न चिन्हों के साथ वचन को साबित करते।" हर एक चीज जो उसने प्रतिज्ञा की, जिसे परमेश्वर ने बाइबल में प्रतिज्ञा की, यदि तुम हर एक सम्प्रदाये और जो कुछ भी है उससे मुड जाओगे, और वचन को थामे रहोगे, परमेश्वर उसके वचन का ध्यान रखने के लिए प्रतिज्ञाबद्ध है। और इसलिए उन्होंने जब इसे किया, वो वचन अपने आप में प्रमाणित होता है।

178 उसे किसी की आवश्यकता नही की कहे, "तो, अद्भुत कार्यो के दिन बीत गए है।"

179 वो कौन मनुष्य है जो मुझसे कहे अद्भुत कार्यो के दिन बीत गए है, जब एक समय अंधा मनुष्य था? हाल्लेलुया। मैं एक बार पड़ा हुआ था जहाँ डॉक्टरों ने जीने क लिए मुझे तीन मिनट दिए, और मैं आज जी रहा हूं। कैसे वे मुझे कोई फर्क को बता सकते है? एक बार एक गुनगुने कलीसिया का सदस्य, पवित्र आत्मा से भर गया। परमेश्वर को किसी अनुवादक की आवश्यकता नही है। वो आत्मा खुद ही, जो वचन है, इसे सच्चाई होने का अनुवाद करेगा। यदि एक मनुष्य खड़े रहने और इसे लेने की हिम्मत करेगा। वो उसका खुद का अनुवादक है। एक बार इसे परखो और देखो कि क्या

यह सही नही है। कोई क्या कहता है, उसकी ओर ध्यान नही दे। उसे ध्यान दे, कि परमेश्वर ने क्या कहा है।

180 "तो ठीक है," आप कहेंगे, "मैं *इसे* करता हूं।" ठीक है, दुसरो के बारे में क्या है, हर एक वचन? एक शब्द जंजीर को तोड़ देता है।

181 यही है जहाँ पर हमेशा ही कलीसियाये चूक जाती है, ठीक उसी जंजीर पर। वे इसे संस्थागत करती है और और चीजों को एकत्र करके और एक बड़े सम्प्रदाये को बनाते है। यह मनुष्य एक साथ आते है, होली फादर *फलां–फलां*, और डॉक्टर बिशप *फलां–फलां*। और आपके पास पहली बात क्या होती है? आप वहां पर है। आप ठीक वही पर मर जाते है। यदि प्रभु की इच्छा हुई तो हम इसे प्रकृति से और वचन के द्वारा कुछ ही मिनटो में साबित करेंगे। तो ठीक है।

182 "वापस याद दिलाते हुए।" वो हर एक वचन को प्रमाणित करता है, और हम इसके द्वारा जीते है। हाल्लेलुया! इसके द्वारा जीते है! "मनुष्य हर एक वचन से जीवित रहेगा, हर एक प्रमाणित हुआ वचन।" यीशु ने कहा, "यह चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते है। उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते है!" इसे पकडे रहो; परमेश्वर इसे प्रमाणित करता है, कि यही सच्चाई है।

183 जहाँ, वे शिक्षा विद्यालय और धर्मशास्त्री है, जो शैतान के द्वारा प्रेरित हुए है, कहते है, "आप इसे भरोसा नही कर सकते है। यह प्रेरितों के है। वे दिन बीत गए है। इस तरह की कोई चीज नही है। इसका अर्थ केवल प्रेरितो के लिए था, ताकि उस समय वे सुसमाचार को साबित करें। हम आज शिक्षित लोग है।"

184 जो अभी हमारे पास शिक्षा है, उस समय उनके पास उससे और बेहतर शिक्षा थी। मुझे कोई कलीसिया बताओ जो इसके साथ ऊपर आ सकती हो, वो महासभा, जब उनके पूर्व–पूर्व–पूर्व–पूर्व–परदादा उनके बाद याजक हुआ करते थे। एक लपेटे हुए सूचीपत्र में वो वचन था, या, इसी कारण से उनके—उनके पास इसके लिए, उनके पत्थर हुआ करते थे। उन्हें बिलकुल ठीक इसके साथ बने रहना था। लेकीन वे वचन केवास्तविक बीज को देखने से चूक गए है जब वो आया था, वो जीवन। इसीलिए वे दोषी ठहराये गए और "शैतान के कामगार" कहलाये गए।

185 देखो, यह परमेश्वर के वचन को प्रतिबिंबित नही करता है, जब एक धर्म शिक्षा का विद्यार्थी आपसे कहता है, "वो पवित्र आत्मा आज के लिए नही है। और यह बातें, वो सब दैविक चंगाई की बातें, किसी और दिन के लिए है।" देखना, यह परमेश्वर से एक प्रतिबिम्ब नही है, यह एक—एक संप्रदाय से एक प्रतिबिम्ब है। यह एक सिद्धांत से एक प्रतिबिम्ब है, जो बाइबल के बाहर है।

186 इब्रानीयो 13:8 ने कहा, "वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" संत यूहन्ना 14:12, ने कहा, "वो जो मुझ पर विश्वास करता है, वो काम जो मैं करता हूं वो भी करेगा।" अब आप वहां से कैसे लेने जा रहे हो, कैसे आप इसके स्थान में कैसे कुछ तो जोड़ने जा रह हो? आप जीवन की जंजीर को तोड़ देये है। मनुष्य केवल रोटी के द्वारा जीवित रहता है, वो रोटी, अनंत रूप से वो रोटी के द्वारा जीता है। शारीरिक रूप से वो इस रोटी के द्वारा जीता है। वहां दो रोटीयां है। वो पवित्र आत्मा, वो पवित्र आत्मा आत्मा है, जो परमेश्वर के हर एक वचन को कहता है "आमीन," यदि वो पवित्र आत्मा है तो। अब मैं आपसे कुछ तो पुछना चाहता हूं। अब यह एक चिमटी लेने वाला भाग है।

187 मुझे माँ अक्सर अरंडी का तेल देती थी जब मैं एक बालक था। और मैं—मैं तब उस वस्तु की गंध में खड़ा नही हो सकता था। समझे? हम गरीबी में पले हुए थे, और माँ मटन की चमड़ी को उबालकर और उसे पकाती थी। हम उसे वहां... एक गुडविन नाम की बूढी बहन से लाते थे, जिनकी वहां नीचे एक बेकरी हुआ करती थी और बहन हैम और चीजो को बेक करती थी, और उसे पकाती। हमें भोजन मिलता था और उस चर्बी और मसालों को लेकर और हमारी मक्के की रोटी बनाते। और हमारे पास गरीबी का खाना था, कोई ताजुब्ब नही कि हमारे पास अपर्याप्त भोजन और इत्यादि था, महामारी। लेकिन उस समय माँ हर शनिवार को... हमें—हमें सही तरह का भोजन नहीं मिला, इसलिए वो हम सबको एक बड़ी मात्रा में अरंडी तेल देती थी। और मैं—मैं बस अपने नाक को पकड़कर और चिल्लाता, मैंने कहा, "माँ, यह मुझे बहुत ही बीमार कर देता है।" माँ ने कहा, "यदि ये तुम्हे बीमार नही करता है, तो इससे तुम्हारा कोई लाभ नही है।" तो इसलिए हो सकता है, यह इस तरह से काम करेगा। अब कैसे...

188 मैं अब आपसे कुछ तो पूछने जा रहा हूं। कैसे एक पुरुष या एक स्त्री

जो पवित्र आत्मा के साथ भरने का दावा कर सकता है, जो वचन है (यह सही है?) और आप कैसे इस पवित्र आत्मा के शरीर हो सकते हो, आपको उसका भाग बनाया गया हो, अपने युग के सुसमाचार को प्रतिबिम्ब करने के लिए, और जो वचन उसने लिखे है, उसका इंकार करते है?

189 मैं परवाह नही करता आप कितने अच्छे है। क्यों, मैं आपको अफ्रीका वहां होट्टेन्टोटस की ओर लेकर जा सकता हूं, और आपको एक जीवन को दिखाऊंगा की एक मसीही स्पर्श नही सकते है। यहाँ तक यदि वे व्यभिचार में पकडे भी जाये; यदि एक जवान महिला को विवाह करना है, तो पहले उसे कुवारेपन के लिए परखा जाना है। यदि वो दोषी पाई जाती है, उसे बताना है कौन से पुरुष ने इसे किया है और उन दोनों को एक साथ मार दिया जाता है। क्या हो यदि यह सयुंक्त राज्य में होता है, इन सारी लाशो को कौन दफनाता, देखा? तो, इसलिए वहां पर आप है, देखना। और वे मुर्तिपुजक है, उनकी मन:स्थिति को देखे। देखना, तो आप इन्हें इसके द्वारा नही परख नहीं सकते है। यहाँ पर हमारे भारतीय भाई अब आपको बता सकते है, वे मोहम्मदीन शायद बहुत ही बेहतर जीवन को जीते है, जितना हम कभी उस बारे में सोचते हो।

190 लेकिन क्या है यह? यह वो वचन है जो परीक्षा को देता है। जितना नम्र यीशु था वे फरीसी उससे दुगने नम्र थे। वो उनकी कलीसियाओ को उखाड़ने के लिए यहाँ–वहां गया और उन्हें बाहर निकाल फेंका और उन्हें बाहर पिटा और इसी प्रकार की हर एक बातों को करते हुए।

191 और ये धार्मिक पूर्व याजक, आप जानते है, क्यों, कौन था... यदि मेरे पास आज सुबह उनके विरोध में एक सभा होती है; मैं कहता था, आपके पास प्रार्थना करने के लिए कौन आया था, जब आप बीमार थे? "वो धार्मिक प्राचीन याजक।" किसने पापा को पैसे उधार दिए, जब उसकी फसले नष्ट हो गयी? "धार्मिक प्राचीन याजक।" यह कौन था जिसने जीवन भर परमेश्वर की सेवा करने के लिए तुम्हे समर्पित किया? "धार्मिक प्राचीन याजक।" यह कौन था, जब तुम जेल में थे, वहां आकर तुमसे भेट की थी? "वो धार्मिक प्राचीन याजक।" और यह युवा स्वयं के धर्म का त्यागी जो यीशु कहलाता है, इसने क्या किया है? जो तुम्हारे पास्टर को एक "सर्प" कहता है! समझे? देखना, यह फलों के द्वारा नही है।

192 यह वचन के द्वारा है। "मनुष्य केवल फल के द्वारा जीवित नही रहेगा, लेकिन हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।"

193 और वो वही वचन है। वे बस इसे देखने के लिए चूक गए। यही है जो उसे करना चाहिए था। वे इसे नही देख पाए, क्योंकि वे इसे देखने के लिए नही ठहराये गए थे। कहा, "तुम मेरे पास नही आ सकते हो।" उन अभागे यहूदियों की ओर देखो, उनकी आंखे अंधी हो गयी थी। निश्चय, उसी ने इसे किया। उसने उन्हें अँधा किया, स्वयं ने।

194 सोचो अंधापन होना कैसा होता है। बेहतर होगा आप परमेश्वर को धन्यवाद दे, क्योंकि जो दृष्टी आपको वचन को देखने के लिए मिली है। अब ध्यान देना...

195 अब, वो, वो यह वचन था। अब इसके बाद, वो परखा गया था। यीशु की परीक्षा। अब हमे इस में होकर जाना है।

196 देखो, यह वचन को प्रतिबिंब नही करता है, जब कोई भी कहता है, "ठीक है, यह किसी और युग के लिए था," क्योंकि बाइबल ने कहा, वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। कैसे वो पवित्र आत्मा तुम में कह सकता है की आप एक पवित्र आत्मा से भरे हुए है?

197 अब क्या मैं आपको थोडा सा दुख पहुंचा सकता हूं? [सभा कहती है, "आमीन"—समा।] क्या यह ठीक है? अपने हाथो को उठाये। आप मुझ पर नाराज नही होंगे? ["नही।"] यदि आप नाराज होते है तो, आप हो सकते है।

198 कैसे तुम जो कटे हुए बालों वाली स्त्रियाँ हो मुझसे कह सकती हो कि तुम पवित्र आत्मा से भरी हुई हो? एक शब्द! "ओह, मैंने अन्य जुबान में बोला।" इससे कोई फर्क नही पड़ता है। मैंने उन ओझा लोगो अन्य जुबान में बोलते देखा है, अनुवाद करते, आत्मा में चिल्लाते, आत्मा में नाचते।

199 तुम पुरुष कैसे अपने आप को घर का प्रमुख कहला सकते हो, और अपनी पत्नी को छोटे कपडे देते हो और वो जिस तरह है करने देते हो, अपने आप को मसीह कहते हो?

200 तुम पास्टर लोग, खड़े होकर और इसका विरोध किये बगैर कैसे इस तरह की बातों के साथ परमेश्वर का सामना कर सकते हो? आप इसे करने से उन्हें नही रोक सकते है। लेकिन तुम इस तरह से प्रचार कर रहे होते हो, आपका एक धर्म विद्यालय में या किसी एक झुण्ड के साथ लम्बे समय से

ताल्लुक नही होगा।आपको कही और से सहायता मिल जायेगी। हम थोड़े ही समय में इसके अन्दर जायेंगे, प्रभु ने चाहा तो। समझे?

201 लेकिन आप वहां पर है। नही, मेरा आपको दुख देने का कोई उद्देश्य नही है। मैं आपसे प्रेम करता हूं। यही कारण है। यदि—यदि आप नदी में तैर रहे होते हो, और मैं आपको देख रहा हूं कि, आप डूब रहे हो, तो मैं एक बुरा व्यक्ति होता था, कहता हूं, "ठीक है, एक अच्छे व्यक्ति बनो, प्रिय।" अच्छा होगा कि तुम उन्हें चेतावनी दो। यही सही है। उन्हें बताओ!

202 जैसे मैंने एक रात कहा था, यदि मैं एक मसीही हूं, मुझे बाइबल के हर एक व्यक्तिव के साथ पहचान देना होगा। मुझे उन दिनों में नुह के साथ खड़े रहना था और उसके साथ प्रचार करना था, और लोगों को चेतावनी देना था। यह सही है। मुझे कार्मेल पर्वत पर अकेले एलिय्याह के साथ खड़ा रहना था। मुझे कलवरी पर खड़ा रहना था, और मुझे खुद को और मेरे विचारो को उसके साथ क्रूस पर चढ़ाना था। लेकिन तब मैं फिर से ईस्टर पर उसके साथ जी उठा, सारी चीजों पर विजयी हुआ। दुनिया के सारे शरीर के कार्य उस में, इसके ऊपर उठ गए।

203 ध्यान दे, ये तब वचन को प्रतिबिम्ब नही करता है, नही, यह इसे प्रमाणित नही करता है। अब, लेकिन यदि आप वचन का विश्वास करते है, परमेश्वर इसे खुद में प्रमाणित करेगा, जैसे उसने यहाँ यीशु में किया।

204 उस वचन रोटी को हमेशा इसी ढंग से खिलाया जाना है, "और मनुष्य केवल रोटी से नही जीयेगा, जैसे कि ये रोटी है, लेकिन हर एक वचन से।" इसलिए यही वचन की रोटी है, इसे मन में रखे, यही वो ये रोटी है जिसे कलीसिया ने हर युग में होते हुए खायी है, जो केवल जय पानेवालो के लिए ही छिपा हुआ मन्ना रहा है। प्रकाशितवाक्य ऐसा कहता है। अब मेरे पास समय नही है कि इस सारी बातों को खुल कर बताऊँ, क्योंकि मेरे पास शायद तीस मिनट और है। लेकिन, देखना जब वो पवित्र—जब वो पवित्र मन्ना स्वर्ग से गिरा, जो एक पवित्र आत्मा का नमुना है। आप इस पर सहमत हो जाओगे।

205 परमेश्वर ने मूसा को बताया वहां जाकर इस ओमेर को भर दो, और इसे परम पवित्र स्थान में रख दो। कारण, यदि उन्होंने इसे परम पवित्र स्थान में नही रखा तो, यह सड जायेगा। क्या यह सही है? इसमें कीड़े आ जायेंगे। अब उसने कहा, "लेकिन इसे परम पवित्र स्थान में रख दो, इस ओमेर में,

जिससे याजक पद के बाद हर एक आने वाली पीढ़ी;" जब एक व्यक्ति एक याजक बनने जा रहा हो, ताकि वचन का सेवक बने, उसके नियुक्त होने के बाद पहली बात जो उसे करना होता है, कि वहां अन्दर जाकर उस एक मुट्ठी भर वास्तविक मन्ना को लेकर और इसे खाना है।

206 यह जो उसके हाथ में था, उजियाले को दर्शाता था, नई कलीसिया के युग में, उसके उजियाले को दर्शा रहा था, उस मन्ना को; और केवल वो मनुष्य जो सिद्ध रूप से जय पाता है, वो मनुष्य जो सचमुच वहां स्थिर रहता है और वचन को छोड़ हर एक चीज को एक तरफ फैंक देता है। और वचन ही वो मन्ना है। ओह, प्रभु, यह यीशु है! "मनुष्य परमेश्वर के मुख से निकले हर एक वचन से जीवित रहेगा।" यही वो जयवंत लोगो के लिए छिपा हुआ मन्ना है, ओह, यही वहां पर पड़ा हुआ था हर—हर, हर एक याजक पद को इसे अनुकरण करना है।

207 बहुत पहले, धर्म शिक्षा का विद्यालय ने एक मसूर की दाल के लिए इस आशीषित वस्तु को अदला–बदली कर दिया। यह बिल्कुल सही है। हाँ, श्रीमान।

208 जैसे ऐसाव ने किया। अब, ऐसाव नैतिक रूप से याकूब से बेहतर मनुष्य था, लेकिन उसने उसके जन्म अधिकारों को नही दर्शाया जो वचन था। कितने लोग यह जानते है, वो जन्म अधिकार वचन है, वो प्रतिज्ञा है, ज्येष्ठ पुत्र? लेकिन वो एक अच्छा मनुष्य था, नैतिक मनुष्य, जैसे, जैसे की आज के नाम के लिए मसीह लोग है, एक अच्छे मनुष्य। उसने झूठ नहीं बोला। उसने चोरी नही की।वो अपने पिता के लिए अच्छा था। उसने इन सबको किया था। लेकिन आप देखना, उसका जन्म अधिकार उसने कहा, उसने उसके बारे में परवाह नही की। "इससे क्या फर्क पड़ता है? जो कुछ भी हो, मैं एक इस्राएली हूं। देखो, जो कुछ भी हो, मैं—मैं इससे ताल्लुक रखता हूं।" लेकिन यह उसके गिने गए जन्म अधिकार थे, देखना। उसका स्वाभविक ठीक था, लेकिन उसका आत्मिक गलत था।

209 ऐसा ही आज है, वो मसूर डाल, मिली–जुली कलीसिया और संसार एक साथ, उन सब में हर एक जन; बिंगो पाटियां, नाचना, कलीसिया में सब तरह की बातों को करते हुए; छोटे कटे स्त्रियो के बाल, छोटे कपडे पहनना ।

तो, आप कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, यह तो छोटी बात है? "

210 यही वचनों में से एक वचन है, क्योंकि बाइबल ने कहा, यह एक स्त्री के लिए गलत है कि अपने बालों को काटें। यह सही है। यदि वो करती है, भला वो अन्दर कैसे जा सकती है? समझे? केवल किसी भी प्रचारक से पूछे वो आपको बताएगा वचन ऐसा कहता है। देखे, "वो अपने सिर का अपमान करती है।" वो अपने पति का अपमान करती है। उसे तलाक देना होगा। यह बिलकुल सही है। "उसके लिए जो अपने बालो को काटेगी, तो वो अपने बालों को भी मुंडवा ले।" देखे, यह इसके जरिये से दिखाता है। ना ही केवल छोटे बाल करे, परमेश्वर इसे इस तरह से नही चाहता है। यही है, जो श्रीमान और श्रीमती के बीच में है। ऐसा करके मुर्ख मत बनाओ। या तो पूरा काट दो या इसे बढने दो, यही है जो परमेश्वर ने कहा है। कोई भी सुसमाचार का सेवक जानता है यही सच्चाई है, चाहे तो आप कहे या ना कहे। लेकिन यही सच्चाई है। देखा? तो, क्या अच्छा है, यदि आप उन में का बाकी सब करने जा रहे है, और इसे ऐसे ही छोड़ देते है?

211 क्या? वहां पर दुनियादारी की कुछ छोटा सा अंदाज आपके अन्दर है, जो थोडा कुछ दुसरी कलीसिया के जैसे आचरण करने की कोशिश करते है। बिल्कुल यही है, जहाँ पर इस्राएल मुसीबत में आ गया। यही है जहाँ पर वे मर गए, यही है जहाँ आदम मुसीबत में आ गया। यही है जहाँ वे बाकी के लोग मुसीबत में आ गए। केवल एक वचन, इस सबको ले लेता है, केवल एक बिन्दु। मसूर की दाल, संसार के साथ मिश्रित है! कुछ संसार में का, कुछ हॉलीवुड का, कुछ कलीसिया का, कुछ धर्म शास्त्रियो का, और क्या तुम्हे मिला है?

212 ध्यान देना, यदि शैतान यहाँ पर चूक जाता है, तब वो उसकी दूसरी योजना की कोशिश करेगा जिससे तुम उस—उस वचन पर अविश्वास करने लगो, वो करेगा... और—और धर्म विद्यालय को जाये। फिर वो एक अगली योजना की कोशिश करेगा। अब यही है जहाँ पर आपको सचमुच सावधान रहना होगा, और इस भाग पर केवल कुछ और पांच मिनटो के लिए बैठे रहे, यदि आप चाहे तो। तब वो आपको एक अलौकिक प्रस्ताव को देता है। मैं बंद करने से पहले इन सब पर वापस आ रहा हूं। वो करता है... यदि वो आपको वचन से पूरी तरह से नही परख सकता है तो, "नही, मैं वचन के साथ बने रहूंगा," तब वो आपको एक आलौकिक प्रस्ताव को देगा।

213 उसने कहा, "मैं तुम्हे बताऊंगा क्या। तुम यहाँ पर आना और मंदिर से छलांग लगाना और वापस ऊपर आना। देखना, लोगो को दिखाना कि तुम कुछ तो अलौकिक कर सकते हो।"

214 लड़के, वहां उसके पास वे है। अब इसे देखना, ये है वे। ध्यान देना, जब आप अंत में पहुँचते है, जहाँ पर ये परीक्षा आती है। हो सकता है, वो शायद आप में से कुछ लोगो को अन्य भाषा बोलने दे, जिससे आप सोचे आपको यह मिल गया। समझे? या शायद आपको भविष्वाणी भी करने दे, हालाँकि ये वचन के साथ नही मिलता। मैंने लोगो को खड़े होकर और भविष्वाणी करते देखा है, जो वचन के विपरीत था, जैसे पूरब से पश्चिम है। समझे? यह वो वचन है जिसके द्वारा आप जीते है। वे अलौकिक वरदान, जो शैतान के हाथों में है वो उन्हें देगा। निश्चय ही। इसका कोई मतलब नही है।

215 क्या यीशु ने नही कहा, "उस दिन मेरे पास बहुत से आएंगे, और कहेंगे, 'प्रभु, क्या मैंने आपके नाम से भविष्वाणी नही की है? आपके नाम से मैंने शैतानो को निकला है। मैंने बड़े–बड़े कार्य किये है। मैं संप्रदाय में एक बड़ा व्यक्ति रहा हूं। मैंने इन सारी चीजों को किया है, इन चीजों को'"? वो कहेगा, "मुझसे दूर हो जाओ, तुम अधर्म के काम करने वालो।"

216 अधर्म क्या है? यह कुछ तो है जिसे आप जानते है यही सही है, और आप इसे अपने हृदय में मान लेते है, और इसे नही करते है। जब आप जानते है कि यह बाइबल एक नियत बात को सिखाती है, और आप इसे नही करते है, यही अधर्म है। और दाऊद ने कहा, "यदि मैं मेरे हृदय में अधर्म को छिपाता हूं, परमेश्वर मेरी प्रार्थना को सुनेगा भी नही।" क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब, निश्चय ही आप इससे नाराज नही हो सकते, देखना, यीशु ने यह कहा, "बहुत से मेरे पास उस दिन आयेंगें और कहेंगे, 'मैंने इन सब चीजों को किया है,' और मैं कहूंगा, 'दूर हो जाओ, तुम अधर्म के काम करने वालो।'"

217 वैसे ही आदम ने किया। आदम ने कहा, "प्रभु, मैंने *यह* किया, मैंने *वो* किया।" लेकिन एक शब्द, देखना, एक शब्द ने इसे किया। यही इस सबको ले लेता है, केवल एक शब्द का उल्लंघन करना।

218 हाँ, हो सकता है भविष्वाणी वचन के विपरीत हो। लेकीन अभी, ये समय उसे यह अलौकिक दान मिलता है, वो आवाज करने के द्वारा, इसके

प्रभाव के द्वारा आपे से बाहर हो जाता है, "परमेश्वर की महिमा हो, मैंने *फलां–फलां* के लिए प्रार्थना की वे उठकर चलने लगे! हाल्लेलुया, मैं अन्य भाषा में बोल सकता हूं! और कोई तो इसका अनुवाद करता है, यह असली है, सच्चा है।"

219 पौलुस ने कहा, "मैं मनुष्यों, और स्वर्गदूतों की बोलियां बोल सकता हूं, और फिर भी मैं कुछ भी नही। मुझे पहाड़ो को हटाने का विश्वास हो और तब भी मैं कुछ नही हूं।" क्या यह सही है? [सभा कहती है, "यह सही है।"—सम्पा।]

220 लेकिन, देखो, वो आपके लिए यह प्रस्ताव को रखेगा। ओह, पेंतेकोस्टल लोगों, मैं आपसे प्रेम करता हूं, या मैं आपके साथ नही रहूंगा। यही है जहाँ पर आप चूक जाते है, देखना। वचन की ओर देखो, दान की ओर नही, देने वाले की ओर देखो, देखे कहाँ से—देखे कहाँ से यह आता है, देखना। वो आपे से बाहर होकर आत्मा में नाचता है, लड़के... [टेप पर रिक्त स्थान—सम्पा।]... केवल चीज है। उसके आस–पास बहुत से लोग होते है, और हर एक जन उसे ही बुलाता है, यहाँ से और वहां से, और वो वचन को भूल जाता है।

221 ओह, तुम बहुत ही प्रचलीत होते हो जब तुम वचन से बाहर बने रहते हो। लेकिन एक बार तुम उस वचन में जाते हो, देखना उस समय तुम्हे कौन सहयोग करेगा। समझे? देखना तब क्या बाहर आने लगता है। हम कुछ ही समय में इस पर अलग स्तर के भाव से जायेंगे। देखना, उस समय कौन आपको चाहता है, कोई नही चाहता है। "ओह, उससे दूर रहो!" जैसे की एक कोई तो मंडली कुछ हफ्तों पहले यहाँ पर एक साथ इक्कट्ठा हुए थे और मुझे संगठित कर दिया, कोई भी पूर्ण सुसमाचार का सेवक शहर में आता है, वो मुझे शहर से बुलाते है ताकि वहां उनके बीमारों के लिए प्रार्थना करूँ जिसे मंडली से पूरी तरह से बाहर निकाला जाना होगा। कोई बात नही, क्योंकि मैं बीमारों के लिए प्रार्थना करता हूं। तो ठीक है। कहते है, "इसकी मत सुनना।" और यहाँ पर प्रमाणित वचन है।

222 इसी बात को उन्होंने हमारे प्रभु के साथ की थी। इसी बात को उन्होंने हर एक युग में, हर एक मनुष्य के साथ की है। यही है जो उन्होंने लूथर, वेसली और सब के साथ किया है। यही है जो उन्होंने आरंभ में आपके साथ किया है, अब आप ठीक उसी कीचड़ में वापस मुड़ जाते हो जहाँ से आप

आए थे। उस तरीके को ध्यान दे, यह हमेशा ही उसी तरीके से होता रहा है। यह कभी चुकता नही है, शैतान उसी बात को करता है।

223 अब उस चमक–दमक की आवाज और इत्यादी के द्वारा, वो उसे आपे से बाहर ले जाता है, यहाँ तक कि, ओह, वो वचन की ओर भी ध्यान भी नही देता है। "ओह, भाई, भाई *फलां–फलां* ने *ऐसा—ऐसा* कहा और मुझे यहाँ आना होगा। मैं... " देखना वो बस इतना आपे से बाहर होता है, वो यहाँ तक इसे ध्यान भी नही देता है। यह वचन हो या वचन ना हो, कोई फर्क नही पड़ता। "उन में बाकी लोगो ने कहा, कोई बात नही थी, इसलिए कोई फर्क नही पड़ता है।" संस्थाए कहती है, "देखो, तुम्हे मिल गया, क्या तुम्हे किसी ने बताया नहीं!" कि तुम्हे क्या मिल गया? देखा? ध्यान देना।

224 शैतान हमेशा था, यहाँ तक तब भी, यहाँ पर एक स्थान में, देखना, उसने वचन की परत को चढ़ाया। यहाँ तक की इस अलौकिक पर भी, जिसे उसने कोशिश की, कि यीशु से करवाये, वो अलौकिक, देखना, अलौकिक होते हुए, क्या होता यदि यीशु ने उसकी सुना होता? देखा? उसने कहा, "अब रुकना। तुम वचन के साथ बने रहना चाहते हो, क्या तुम चाहते हो? तुम वचन के साथ बने रहना चाहते हो? " कहा, "ऐसा लिखा है, उसने इस विषय पर उसके दूतों को आज्ञा दी थी। किसी भी समय। किसी भी समय तुम्हारे पांव एक पत्थर से ठोकर लगे तो, वो तुम्हे संभाल लेंगे।" लेकिन उसने अपने पांव को कोई पत्थर पर ठोकर लगने नही दिया था। समझे? देखना। क्या होता यदि वो इसके साथ बना रहता है? वो... क्या आपने ध्यान दिया, मैंने कभी नही कहा, उसने वचन का हवाला दिया; उसने इस पर परत को डाला, उसकी परत को चढ़ाया, जैसे एक केक के ऊपर सफेद परत को लगाते है, इसे पूरी तरह से ढाक देना, इस पर सफेद लिपा–पोती करना, देखना, यह अपने सही में स्थान नही था।

225 यही है जिसकी आज वे कोशिश करते है, इसे सफेद लिपा–पोती करने की कोशिश करते है, लेकिन इसे बाकी के वचनों के साथ इसे जारी नही रख सकते है। इसके प्रत्येक को लेना होगा। "यीशु मसीह कल, आज और युगानुगुग एक सा है।" देखना, कोई फर्क नही पड़ता, आप कितन वचन को परत लगाने की कोशिश करते है, यह नही...

226 इसे वैसे ही हवाला देना होगा, जैसे इसे उसने कहा। फिर, यदि इसे सही हवाला गया है, वो इसे वैसे ही आपके जीवन में प्रमाणित करेगा। "ऐसे ही सारे मनुष्य जान जायेगे, तुम परमेश्वर की पढ़ी जाने वाली लिखित पत्री हो।" यह लिखीत *पत्री* है "बाइबल।" क्या यह सही है? एक पत्री बाइबल है। और आप एक लिखित बाइबल है, उसके वचन को प्रतिबिम्ब करते हुए, वो फिर से सिद्ध मनुष्य, परमेश्वर में।

लेकिन यीशु ने कहा, "ऐसा भी लिखा है।" समझे?

227 लेकिन ध्यान दे हवा इसी स्थिति में, अपने अलौकिक समझ के द्वारा आपे से बाहर हो गयी, उसके पास धर्म शास्त्र का एक अनुभव था। उसकी शिक्षा उस समय के देश के किसी भी धर्म शास्त्र से सर्वोतम थी। देखना, वो इतनी आपे से बाहर थी, वो इसे नही जान पाई। वो जान गयी उसके पास कुछ तो है जो आदम के पास कभी नही था। मुमकिन है वो ठीक अभी उसके ऊपर अधिकार कर सकती थी, क्योंकि वो उसके आदम से इसके बारे में ज्यादा जान गयी थी। देखे उनके अदन आज क्या कर रहे है। वो दुष्टता से अच्छा जान गयी, जो उत्तम सच्चाई की शिक्षा है। यह सही है। और उसके पास उत्तम सच्चाई की शिक्षाथी, जिसे उसने पहले नही जाना था, और यह परमेश्वर की सच्चाई थी। लेकिन वो वचन को तोड़ने के द्वारा मर गयी थी। हाँ, उसके पास उसकी शिक्षा थी, तो ठीक है।

228 इसलिए धर्म विद्यालय तुम्हे एक धर्म ज्ञान का अनुभव देते है, जिससे तुम पुराने और नए नियम के हर एक किरदार का हवाला दे सकते हो। लेकिन सावधान रहना जो भी तुम कर रहे हो, यदि यह ठीक वहां वचन को नही तोड़ता है, यदि आप ऐसे ही कहते है, "अरे, यह उनके लिए है।" नही, यह आपके लिए है, जो कोई चाहे! समझे? देखा? सावधान रहे। "ओह, यह बहुत पहले कलीसिया के लिए था।" वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। उसके पास एक उत्तम शिक्षा थी, लेकिन वो पाप और अपराधो में मरी भी हुई थी।

229 अब शैतान की तीसरी योजना। हम इसे जल्दी से लेंगे क्योंकि हम ज्यादा समय नही लेना चाहते है शायद हो सकता है और पंद्रह मिनट, बीस मिनट, यदि आप उससे बढकर नहीं चाहते है तो। ध्यान दे बाद में उसकी तीसरी योजना, उसकी, उसकी तीसरी परीक्षा में। यदि वे दुसरे असफल हो गए थे, यह नही होता है, देखना। वो तुम्हे अब कलीसिया में

दर्जा देने का प्रस्ताव देगा, जैसे उसने यीशु को किया। "मैं तुम्हे संसार दूंगा। तुम राजा बन जाओगे, मैं तुम्हे बनाऊंगा। वे सब मेरे है, तब मैं इन्हें तुम्हें दे दूंगा।"

230 कौन एक मनुष्य को एक सेवक बना सकता है? कौन एक मनुष्य को उस पर हाथ रखने एक द्वारा एक दान को दे सकता है? "परमेश्वर ने कलीसिया में स्थिर किया है!" समझे? देखना कैसे वे वचन को घुमाते है। जैसे की अब हवा उसके नए ज्ञान को जानने के साथ, उसके पास उसके अधिकार में आदम है। वो जो भी चाहे वो कर कर सकती है, देखे, जैसे ही उसके पास इसे ग्रहण करने के लिए आदम होता है।

231 और, लेकिन जब वो यीशु के पास आया, उसने इसे ग्रहण नही किया। उसने कहा, "शैतान तू मेरे पीछे हट जा।" दुसरे शब्दों में, मैं इसका गलत हवाला नही दूंगा, लेकिन इसके साथ यह जोड़ता हूं। "ऐसा लिखा है, हर एक मनुष्य परमेश्वर के हर एक वचन के द्वारा जीवित रहेगा; ना ही तुम्हारे प्रस्ताव के द्वारा, 'मैं तुम्हे मुख्य अध्यक्ष बनाऊंगा, एक पूर्वज्ञानी, या—या एक डिकन, या मैं तुम्हे पियानो को बजाने दूंगा, बहन।' देखे, इन सारे प्रस्तावो को, 'तुम एक प्रचलित व्यक्ति हो, और हमारी कलीसिया में तुम्हारी योग्यता की जरुरत है।'" देखो, वचन के पास आओ!

232 वो उस पर अधिकार कर सकती है या उसे सिखा सकती है, वैसे ही आज की फसल है। इसी तरह से वे आज की फसल है। इसी तरह से आज वे इसे करते है, एक डी.डी बनने के लिए, एक राज्य का पुरोहित बनने के लिए, अध्यक्ष, जिले का संचालक, और इसी तरह से कुछ और बनने के लिए।

233 यह यीशु से कितना विभिन्न है! वो वचन के साथ बना रहा। अब, आगे कुछ मिनट, मैं इन सब बातों को सच साबित करना चाहता हूं, प्रकृति और वचन दोनों के द्वारा, इसे एक साथ लाते हुए। यह साबित करता है कि वो रोटी के लिय देहधारी हुआ वचन था। वो वचन था जो देहधारी हुआ था। क्योंकि उसने प्रतिबिंब किया था, किसे? केवल वचन को।

234 यदि आप एक लिखित पत्री है, आप केवल वचन को ही प्रतिबिम्ब करेंगे, ना ही धर्म विद्यालय क्या कहते है, कोई और क्या कहता है, कुमारी जोंस इसके बारे में क्या सोचती है, डॉक्टर *फलां–फलां* इसके बारे में क्या सोचता है, लेकिन परमेश्वर ने इसके बारे में क्या कहा है। "हर एक मनुष्य

का वचन झूठा, और मेरा वचन सच्चा ठहरे! जो कोई भी इन आज्ञाओ को थोडा भी तोड़ता है, और ऐसा मनुष्यो को सिखाता है! जो कोई भी एक शब्द इस किताब से निकालता है, या इसके साथ जोड़ता है! मनुष्य केवल रोटी से नहीं लेकिन परमेश्वर के मुख से निकले, हर एक वचन से जीवित रहेगा।" उस वचन के द्वारा अनंतकालीन जीना!

235 बिल्कुल वैसे ही जैसे आपको जिंदा मृत वस्तु की आवश्यकता होती है, उसी तरह यहाँ आपको यहाँ मसीह की आवश्यकता होती है या तो आप मर जायेंगे। और मसीह क्या है? "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ हमरे बीच में रहा।"

236 और आप वही लिखित पत्री है, एक युग के लिए एक, दुसरे के लिए एक, उस घडी के उजियाले के लिए; लेकिन वे इसे देखने से चूक गए। आप केवल इसे प्रतिबिम्ब करते है।

237 दुसरे स्थिर थे, ऐसा होने पर भी एक में, केवल एक स्थान में चूक गए; लेकिन वो नही चूका। और जैसे मैंने कहा, प्रकाशितवाक्य 22:18 में, उसने कहा, "जो कोई भी इसमें जोड़ेगा!"

238 अभी बहुत ही नजदीक से अब देखना। मती 24:24 प्रभावित हो रहा है, कैसे वे... "लगभग, इस अंतिम दिनों में," यीशु ने कहा, "चुने हुए भी इस के द्वारा भरमाये जायेंगे।" आत्माओ की ओर देखना। "अंतिम दिनों में," अब उस वचन को पूरा होना है। क्या आप इसे विश्वास करते है? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] अब, ऐसा था, "अंतिम दिनों में, चुने हुए, पहले से ठहराये हुए, इसके लिए चुने हुए, भरमाये जायेंगे... " यह इतना सही रूप से है, यह इतना वचन के अनुसार है, और इतना साफ़ और स्पष्ट है, कि आप इसमें एक खोट नही देख सकते है, कुछ भी हो केवल चुने हुए इससे निकल जायेंगे। अब यही है जो यीशु ने कहा। क्या आप इसे विश्वास करते है? ["आमीन।"] "चुने हुए भी भरमाये जायेंगे यदि यह संभव होता।"

239 "क्यों, यह सिद्ध रूप से वचन है, आप अपने स्वाभाविक आँखों से देख सकते है।" लेकिन, आप देखना, यह इतना ही नही है। यीशु... उन फरिसीयो के पास वो वचन था, बिलकुल वैसे ही जैसे यह सिद्ध रूप से हो सकता है, लेकिन उनके खुद के अनुवाद के द्वारा।

240 उन्होंने कैसे जाना कि वो गलत नही था? क्योंकि परमेश्वर ने हर एक वचन को प्रमाणित किया जिसकी उसने उस युग में उसके लिए प्रतिज्ञा की थी। यही वो कारण था, उन्होंने जान लिया वो मसीहा था। समझे?

241 अब ध्यान दे, "यदि यह संभव होता था तो," इन अंतिम दिनों में। केवल एक शब्द, एक शब्द की आवश्यकता है। बिल्कुल यही है जो शैतान ने आदम को लेने के लिए किया था, केवल एक शब्द पर उसे ले लिया। बिल्कुल यही है उसे यह होने के लिए आज करना है, केवल एक बात को यहाँ–वहां घुमाना है। बिल्कुल यही है, यही सब बात की उसे आवश्यकता है। अब, आप जानते है यह सच्चाई है। एक बात को जोड़ना, या एक बात को निकालना, यह कुल मिला कर असफलता है। हर एक बिंदु, "परमेश्वर का हर एक वचन!" अब धर्म विद्यालयो के अनुवादों को सोचो, हर एक, एक दुसरे से भिन्न है।

242 वहां कहीं पर तो एक सच्चाई को होना है, और *वो* है बाइबल। अब यीशु ने कहा...

243 आप कहते है, "ठीक भाई ब्रन्हम, उनके पास बहुत ही सुन्दर आराधना है।"

244 यीशु ने कहा, "वे व्यर्थ में मेरी आराधना करते है, सिद्धांतो के लिए मनुष्यों के ज्ञान को सिखाते है, वचन नही," मनुष्य के खुद की अनुवाद की गयी वचन की विचारधारा।

245 जैसे मैंने कहा, परमेश्वर को कोई अनुवाद की आवश्यकता नही है। वो खुद ही हर एक वचन का अनुवाद करता है। देखो, आपको किसी की भी आपके लिए इसे अनुवाद करने की आवश्यकता नही है, परमेश्वर आपके लिए इसका अनुवाद करता है, जब आप इसे ग्रहण करना चाहते है। देखना, यही जीवन है, यही अपने आप में जीवन है।

246 यीशु ने कहा, "वे व्यर्थ में मेरी आराधना करते है।" वे असल में परमेश्वर की आराधना करते है। केन ने आरंभ में, असल में परमेश्वर की आराधना की। "लेकिन व्यर्थ में वे मेरी आराधना करते है।" *व्यर्थ* क्या है? "इससे कुछ अच्छा नही होना है।"

247 हो सकता है वे कहे, "तो ठीक है, मैं *यह* करता हूं। मैं आत्मा में नाचता हूं। मैं, मैं अन्य जुबानो में बोलता हूं। मैं सुसमाचार प्रचार करता हूं।" लेकिन अपने बालों को बढाने से चूक जाते है, एक बात पर चूक जाते है, और

देखते है क्या होता है, वो आत्मा आपको ठीक वहीं पर छोड़ देता है। यही है जो आपकी कलीसिया में हुआ है, वे चूक गए है।

248 "व्यर्थ में मेरी आराधना करते है। ओह, ये एक सुन्दर आराधना है। लेकिन व्यर्थ में मेरी आराधना करते है, मनुष्य के नियम सिद्धांत के लिए शिक्षा देते है।"

249 वे फरीसी धर्म शास्त्र की शिक्षा पाये हुए थे। तुम यह कहने की हिम्मत मत करना, कि आज हमारे पास उनके साथ तुलना करने के लिए कुछ तो है। निश्चित रूप से नही है। वे एक–एक शब्द को जानते थे, हर एक वचन को, बिल्कुल वैसे ही जैसे यह लिखा हुआ था, लेकिन व्यर्थ में वे मेरी आराधना करते है। इस पर सोचे, "व्यर्थ में," बहुत ही अच्छे बड़े स्कूल है, और धर्म विद्यालय है और शिक्षक है, और युवा पुरुष है और इसी तरह से सब कुछ है, लेकिन खो चुके है।

250 उसी तरह जैसे उसने जंगल में कहा, "उन्होंने जंगल में उस आत्मिक चट्टान से मन्ना खाया, उन सबने उस चट्टान से पिया, मेरा मतलब और उन सबने उस में से मन्ना खाया।" और यीशु ने कहा, "और वे हर एक मर गए।" *मृत्यु* मतलब "अनंतकालीन अलगाव।" क्यों? क्योंकि वे परमेश्वर की प्रतिज्ञा से चूक गए।

251 ओह, मुझे आपको इस तरह से रखना पसंद नही है, लेकिन मुझे ऐसे ही बोलना होगा। देखना, मैं इस पर एक मिनट भी नही लूँगा। उन में से हर एक लोग निकालकर आग के खम्भे के नीचे आए थे, वे निकलकर जंगल में आए थे, परमेश्वर पर विश्वास कर रहे थे, कूच किया। लेकिन जब उन्हें रूकावट दिखाई दी, जब उन—जब उन दस लोगो ने आकर कहा, "हम देश को नही ले सकते है। ओह, वे वहां पर दानव है। वे *ऐसे* है, *वैसे* है, और *उस तरह* है। वे बस... हम इसे नही कर सकते है। यह असंभव है।"

252 लेकिन कालीब और यहोशु ने क्या किया? उन्होंने लोगो को शांत किया। "हम इसे लेने के लिए जयवंत से भी बढकर है।" क्यों? वे लोग देख रहे थे जो वे देख सकते थे, देखो, उस की ओर देख रहे थे जो वो देख सकते थे। लेकिन कालीब और यहोशु परमेश्वर की प्रतिज्ञा की ओर देख रहे थे। परमेश्वर ने कहा, "मैंने तुम्हे उस देश को दिया है। जाकर इसे ले लों!"

253 अब इब्रानीयो का 6 वा, यदि मैं इसका हवाला दे सकता हूं, तो "क्योंकि जिन्हों ने एक बार ज्योति पाई है, जो स्वर्गीय वरदान का स्वाद चख चुके है और पवित्र आत्मा के भागी हो गए है। और परमेश्वर के उत्तम वचन का और आने वाले युग की सामर्थों का स्वाद चख चुके है। यदि वे भटक जाएं; तो उन्हें मन फिराव के लिये फिर नया बनाना अनहोना है।"

254 उन लोगों ने वहां आकर और उस ओर खड़े होकर, दुसरे देश से अंगूरों को खाया; और जब रास्ते पर उस वचन के अनुकरण की बात आयी तो उन्होंने कहा, "हम इसे नही कर सकते है।" और वे जंगल में मर गए।

255 यही है जहाँ पर हम आए है। हमने एक अच्छे वचन के स्वाद को चखा है। लेकिन पूरी प्रतिज्ञा, "नही, नही, हम यह नही कर सकते है, देखे, डॉक्टर *फलां–फलां* या कोई तो और कहता है, हम इसे नही कर सकते है। यह प्रेरितो के लिए है। वो कोई और दिन था।" आप मर जाते है।

256 देखना, वे सब वचन एक साथ जुड़ते है, इसमें का हर एक वचन एक साथ जुड़ता है। और यह किसी मनुष्य के ज्ञान, सिद्धांत या किसी के भी द्वारा बना नही है। यह केवल पवित्र आत्मा के द्वारा प्रगट हुआ है। यीशु ने कहा, "पिता, मैं तुझे धन्यवाद देता हूं, तूने इन बातों को बुद्धिमान और ज्ञानी से छिपा कर रखा, और ऐसे बालको पर प्रकट किया है, जिससे सिख जाये।"

257 अब जल्दी से इस अगले विचार पर यहाँ जायेंगे, यदि हम जा सकते है तो। "वे व्यर्थ में मेरी आराधना करते है।" वे फरीसी, पढ़े–लिखे, ओह, नैतिक रूप से अच्छे थे; लेकिन यीशु के द्वारा, "शैतान" बुलाये गए। वे पढ़े–लिखे धर्म शास्त्रियों को, यीशु ने कहा, "तुम शैतान हो, और अपने पिता के कामो को तुम करोगे।" कहा, "तुम नबियो की कब्रों को सजाते हो, लेकिन तुम्हारे पिता पहले उसी समय पर... वे नबी उन धार्मिक सिद्धांतो के लिए आंसू बहाते आगे आए।" यही है, जो उन्होंने किया था।

258 नबीयों! वचन किसके लिए से आता है, एक धर्म शास्त्री के लिए या एक नबी के लिए? [सभा कहती है, "नबी"—सम्पा।] ना ही धर्म शास्त्री और विद्यालय के लिए। यह हमेशा ही एक नबी के लिए आता है। परमेश्वर अपनी व्यवस्था को कभी नही बदलता है, कभी भी नही। हमेशा ही ऐसा करता है, हमेशा ही! ना ही एक झुण्ड के लिए; व्यक्तिगत के लिए! कभी

भी एक झुण्ड को नही, व्यक्तिगत को, हाँ, श्रीमान, एक नबी को। और उन्होंने कहा...

259 यीशु ने कहा, "तुम नबीयो की कब्रों को सजाते हो, और तुम्हारे पिताओ ने उन्हें उस में डाला है।" और वे बिल्कुल उसी बात को शैतान की धर्म शिक्षा के अंधेपन के नीचे कर रहे है। देखा?

260 और अब पेंटीकोस्टल अपने नाक को उस विश्व कलीसिया संगठना से से बाहर रखो। अब आप यहाँ जो सेवकगण है, आप इन लोगो को—को मुख्यालयों में लिखोगे। अब, आपको असेंबलीस और उन में से बहुतो को नही लिखना होगा क्योंकि उन्होंने उननियत बातों को बाहर कर दिया है, वे इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहते है। और आप भी बैप्टिस्ट भाइयों, अपने सर को वहां से बाहर रखे। क्या आप वास्तव में पशु की छाप को ऊपर आते हुए नही देख रहे है? आप जानते हो कौन इस सबको निगलने जा रहा है, यदि आप वचन के बारे में कुछ भी जानते है तो। यदि वे वचन आप में स्वयं प्रतिबिम्ब होते है, उन बातों से दूर रहो। आपकी संस्थाये इसके अन्दर बढती जायेंगी। और आपके पास ये होने के लिए इसे करना है या तो आपके संस्था से बाहर निकलना होगा। आप एक संस्था नही हो सकते और आप वहां पर बने नही रह सकते है, क्योंकि आपको इस में आना होगा या बाहर होना होगा।

261 तब, आप अब और संथागत नही रहते है, तब आपने खुद को प्रगट किया है। बिल्कुल। परमेश्वर आपको आशीष दे, यदि आप इसे करते है। यह कहना मुश्किेल है कितने लोग इसे करेंगे। लेकिन कुछ लोग करेंगे, कोई संदेह नहीं है। हाँ, श्रीमान।

262 भरमाये हुए, और यीशु ने उन्हें "शैतान" बुलाया। अब, लेकिन जब यीशु वहां पर खड़ा था, (क्या) हर एक परीक्षा को, उसने इसे वचन के साथ फटकार दी, और वहां वचन के द्वारा खड़ा रहा। परमेश्वर ने उसे प्रमाणित किया।

263 जैसे वहां पर, एक रात को मैंने पर प्रचार किया था। कितने लोग कभी फोरेस्ट लॉन गए है और वहां माईकलअन्जलो के द्वारा बने मूसा के प्रतिमा को देखा है? वो असाधारण थी, मैंने जब वहां पर जाकर इसे पहली बार देखा। माईकलअन्जलो ने इसे बनाने में लगभग उसके जीवनकाल को बिता दिया। उसके मन में, उसके मन मैं था मूसा किस—किस तरह से दिखता

होगा। और वो—वो इसे स्थापित करना—करना चाहता था, उसके मरने से पहले। और उसने तराशने में वर्षो और वर्षो बिता दिये, *यहाँ* से काटने में, *यहाँ* से तोड़ने में, और यहाँ से चमकाना। जब तक, अतः एक दिन उसने इसे पूरा नहीं कर दिया, काफी वर्षो के बाद, वो वहां पर उसके हाथ में *इस* तरह से एक टुकड़ा लेकर खड़ा था। वो पीछे खड़ा हुआ और इस पर देखा, वो दर्शन जो उसके मन में था, क्योंकि जब उसने पहली बार मूसा के लिए सुना था, उसे उस तरह से दिखना चाहिए था। वहां पर ये था, उसके सामने दिखता हुआ। वो अपने खुद के काम से बहुत ही प्रेरित हुआ, उसने एक हथोड़े को लिया और इसे पैर पर मारा और चिल्ला उठा, "मूसा, बोल!" उसने सोचा यह मूसा था उसे बोलना चाहिए, वो इतना उस चीज के समान था जो उसके मन में था। और वो चोट अभी भी उसके पैर पर है। यह उस पैर के टूटे हुए टुकड़े को छोड़ एक पूरी सही मूर्ति है। इसे फोरेस्ट लॉन में देखे, जब आप वहां दरवाजे में जाते है, इसका एक प्रतिरूप है। माईकलअन्जलो का मूसा, उसकी सर्वोतम रचना, जो, जिसने उसके जीवन को मोहरबंद कर दिया।

264 परमेश्वर एक महान मूर्तिकार है, ठीक, उसने मनुष्य को अपने स्वरुप में बनाया, ताकि उसे प्रतिबिंब करें और वो वचन है। और उसने क्या किया? उसने आदम को परखा; वो चूक गया, और वे बाकी के सारे चूक गए। लेकिन यहाँ पर एक सिद्ध है, हाल्लेलुया, (ये क्या था?) मानवीय देह में खुद परमेश्वर से कम नही, वो वचन उसमे प्रतिबिंब हुआ, जो परमेश्वरत्व के देह की सम्पूर्णता को लेकर आया, ना ही एक नबी, फिर भी वो एक नबी था; ना ही एक मनुष्य, फिर भी वो एक मनुष्य था।

265 वे यहूदी, उसे आपका कहने का दावा दावा करने के कोशिश मत करना। वो ना ही यहूदी था ना ही अन्यजाति था। वो परमेश्वर था। समझे? आप क्या है जो आपका लहू है, देखो, और निश्चय ही आप एक शरीर है। और मरीयम, निश्चय ही, मरियम का गर्भधारण पवित्र आत्मा के साथ उसे कोई अनुभूति देने से नही हुआ। परमेश्वर उस पिता ने एक जीवाणु की सृष्टी की, या—या मरियम में एक अंडाणु की और एक लहू की कोशिका की भी सृष्टी की, और यह परमेश्वर का लहू था।

266 वो लहू पुरुष के वर्ग से आता है। तो इसलिए यह ना ही... लहू के कणों का लाल परिमाणु और लहू को पिता से आना है, क्योंकि वो बालक उसके

माँ की बीमारी को ले भी नही सकता है, जैसे की टी.बी। यह माँ के साँस से इसे पा सकता है, लेकिन इसे प्राप्त नही कर सकता है, मेरा मतलब लेकिन साँस ले सकता है।

267 अब, लेकिन यीशु ना ही एक यहूदी का लहू था ना ही एक अन्यजाति का, वो खुद यहोवा के द्वारा एक रचनात्मक था। वो परमेश्वर का लहू था। बाइबल ने कहा, "हम परमेश्वर के लहू के द्वारा बचाए गए।" ना की एक यहूदी या एक अन्यजाति का लहू, यह सब यौन से होंगे, लेकिन यह परमेश्वर का लहू है।

268 ध्यान देना, जब उसने एक सिद्ध को देखा, उसने उसे मारा, आधात किया। यशायाह ने कहा, "वो हमारे अपराधो के कारण घायल हुआ, हमारे पापो हेतु कुचला गया।" वो क्या था? ये वो सिद्ध वचन था, रोटी के लिए प्रतिबिंब हुआ, जिसके द्वारा हर एक मनुष्य जीयेगा। वो परमेश्वर के वचन का वो गेहूं था, जिससे वो जमीन में जा सके और चार सुसमाचार में डाला जा सके, छेसठ किताबे। और मनुष्य इसके द्वारा जीयेगा, और केवल उसी के, और इसके हर एक वचन के द्वारा। आमीन। वो माईकलअन्जलो की सर्वोतम रचना था। और जब परमेश्वर खुद को एक मनुष्य में देख सका, उसके पास खुद के स्वरुप में वो सिद्ध मनुष्य की रचना थी। ओह, प्रभु, क्या ही एक मनुष्य है! उसे हम सबके लिए मरना था। और वो मरा, वो जो एक सिद्ध है; कि हम जो असिद्ध है, उसकी बाइबल के हर एक वचन के द्वारा भागीदार होने से सिद्ध बन सके। अब, तब उसने उसे फिर से जिलाया, हमारे धर्मीकरण के लिए, जिससे हमारे पास एक अधिकार हो, एक जी उठे यीशु की नाई, कि वो यहाँ पर है ताकि हमारे लिए परमेश्वर के हर एक वचन की सेवकाई को करे, जिसके द्वारा हमे जीना है।

269 अब, जल्दी से तो अभी हम बंद कर रहे है। अब, वो दूसरी हवा दुल्हन।

270 अब वो पहला दूल्हा, आदम; उसे एक नबियो की लम्बी लड़ियों, और इत्यादि के जरिये से लाया गया था, और तब वो सिद्ध आता है, और तब रोटी बनने के लिए मरना था, उन बाकी के लिए।

271 अब हवा के बारे में क्या है? उसे उसी बात को करना है। लेकिन जब यीशु आया... याद रखना, हवा स्त्री थी। बाइबल में कलीसिया ने हमेशा ही एक स्त्री को प्रतिबिंबित किया है, क्योंकि वो दुल्हन है। अब देखना उसने क्या किया। उसने उसके सिद्धांत के लिए उसे यकीन दिलाने की कोशिश

की। जब तक वो प्रचार करती है, वैसे ही जैसे वे सोचते है, वो एक महान व्यक्ति है।

272 लेकिन एक दिन वो बोलना आरंभ करता है, और कहा, "मैं और मेरा पिता एक है।"

273 "ओह, तुम परमेश्वर के साथ अपनी खुद की बराबरी करते हो, देखो। ओह! हम इस व्यक्ति के साथ अब और लेना–देना नही रखना चाहते है।"

274 और उन सब दुसरी बातों को उसने बोलना आरंभ किया था, "जब तक तुम मनुष्य के पुत्र का मांस नही खाते हो।" तुम क्या सोचते हो वहां पर एक बैठे हुए एक डॉक्टर के पास क्या विचार होगा? तुम क्या सोचते हो किसी भी मनुष्य का ऐसे ही सार्वजानिक विचार क्या होगा? "तुम्हे मेरे मांस को खाना होगा और मेरे लहू को पीना होगा।"

275 उन्होंने कहा, "यह मनुष्य एक पिशाच है, एक सेवक नही है। उस मनुष्य से दूर रहो, वो पागल है। उससे दूर रहो।"

276 लेकिन यह सच्चाई थी। देखो, यह सच्चाई थी। "तुम इस खाने के सिवा, तुम नाश हो जाओगे, तुम मर जाओगे, यदि तुम इसे नही खाते हो।"

277 यही बात आज भी है। वो रोटी और दाखरस केवल एक चिन्ह है, वे स्वाभाविक वस्तु तुम्हे नीचे नही गिराने पाये। तुम्हे मसीह को खाना होगा, जो कि वचन है जिसके द्वारा तुम जीते हो, "हर एक वचन जो निकलता है," वो सम्पूर्ण बाइबल उत्पति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक।

278 अब, वो दूसरी हवा, उसे देखना। उसकी नए सिरे से रचना की गयी थी, जैसे (he) उसकी की गयी थी, पेंटीकोस्ट के दिन पर पवित्र आत्मा से भर गए, और वचन के द्वारा खिलाये गए। आमीन। अब मैं धार्मिक हो रहा हूं। मैं अच्छा महसुस कर रहा हूं। वो पहली कलीसिया, वो पहली हवा, जिसे मसीह की दुल्हन होना था। कितने लोग इसके लिए "आमीन" कह सकते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] उसे मसीह की दुल्हन होना था, उसने पेंटीकोस्ट पर जन्म लिया था, ना ही नाईकिया, रोम में; ना ही लन्दन, इंग्लैंड में; ना ही संयुक्त राज्य में; ना ही लूथर के साथ जर्मनी में, ना ही वेसली के साथ इंग्लैंडमें; ना ही नाम केपेंटीकोस्टल के साथ संयुक्त राज्य में। वो पेंटीकोस्ट के दिन पर आत्मा से जन्मी थी। वो आत्मा से भरी हुई थी। वो आत्मा से भरी हुई थी और वचन को खाया था, "हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" यहाँ तक यहूदा...

और, ओह, उन्हें बस हर एक को लेना था, ठीक वचन दर वचन, परमेश्वर की धरती पर एक खिलता हुआ वास्तविक पौधा, जो उसे दर्शा रहा है, एक और दुल्हन वृक्ष।

279 उसके प्रतिज्ञा का वचन दुल्हन में उसे प्रतिबिम्ब किया। उन्हें पतरस और उन्हें गौर करना था। वे एक धर्म विद्यालय के लिए नही गए थे, और वे यह जानते थे। वे किसी भी बाइबल स्कूल नही गए थे, किसी धर्म शास्त्री के धर्म विद्यालय उनके पास कोई शिक्षा नही थी, क्योंकि वे यहाँ तक अपने नाम को भी नही लिख सकते थे। बाइबल ने कहा, "वे अनपढ़ और अशिक्षित थे।" लेकिन क्या हुआ? उन्होंने ध्यान दिया वे यीशु के साथ रहे थे, क्योंकि वो उनमें था, उसकी प्रतिज्ञा को प्रतिबिम्ब कर रहा था। हाल्लेलुया! परमेश्वर की महिमा हो! यही है, जिसकी आज इस युग में आवश्यकता है। उसके वचन ने दुल्हन में उसे प्रतिबिंबित किया, जो कलीसिया है। वो जीवित थी उसके हर एक वचन के द्वारा जो उसके मुख से निकलता है।

280 लेकिन तब, जैसे हवा, वो वहां नाईकिया रोम पर वचन पर गिरी हुई मिली, जहाँ पर पहली संस्था जो कभी संस्थागत हुई थी, विश्व मसीही कलीसिया। क्या यहाँ पर एक बाइबल विद्यार्थी है? क्या एक... क्या यहाँ पर एक धर्म शास्त्री है जो जानता हो यही सच्चाई है? वो पहली संस्था नाईकिया, रोम पर थी। परमेश्वर के पास कभी भी एक संस्था नही हुई है, ना ही कभी भी एक संस्था होगी। यह मनुष्य के नियंत्रण में हुई है। यही है जहाँ वे सब...

281 मैं एक मसीह हूं। "तुम कौन सी कलीसिया से ताल्लुक रखते हो? " वहां पर केवल एक है। मैं पचपन वर्षो से एक ब्रन्हम रहा हूं, और मैं परिवार से कभी भी जुड़ा नही, मैंने वहां पर एक जन्म लिया था। ऐसे ही आपने परमेश्वर के राज्य में जन्म लिया है, और आप उसके वचन का एक प्रतिबिम्ब है।

282 ध्यान दे, हवा उनसे (hers) मिल गई। और वैसे ही हवा उनसे (hers) नाईकिया, रोम पर मिल गयी, वचन के बजाये इसे एक संस्था के लिए, सम्प्रदाये, सिद्धांत के लिए दे दिया; रोम के देवता और इत्यादि के जैसे मूर्तिपूजक के मूर्तियों को नीचे लेकर आये और पौलुस और बरनाबस को आगे रखा। और—और सूर्य देवता को और चन्द्र देवता, अश्तोरेत को लिया, चन्द्र देवता इस पर प्रामाणिक चक्र के साथ, और उसे सूर्य देवता

की माँ बना दिया है जो रोम का देवता है। और यीशु के जन्म दिन को अप्रैल से बदल दिया, जहाँ सारी प्रकृति, जहाँ उसने भेड़ो के नीचे जन्म लिया था क्योंकि वो एक भेड़ था, और उसे वहां सूर्य देवता के जन्म दिन के लिए बदल दिया, सौर में, जहाँ इसे एक ही दिन बनाता है... वहां बस केवल लगभग दिन में एक ही दिन का फर्क है जब यह दिसम्बर के पच्चीस तारिख पास होकर जाता है, जो सूर्य देवता का जन्म दिन है, ना ही परमेश्वर के पुत्र का। और हममें से हर एक सेंटा क्लॉस का अभिनय करता है, और पेड़ो को सजाता है, एक मूर्तिपूजा, और इसी तरह की बातों को, और फिर खुद को मसीही कहलाते है? मसीह कलीसिया के साथ क्या समस्या है?

283 क्या वहां हमारे बीच में कोई खड़ा होगा, जो वचन को प्रचार करे और सच्चाई को बताए, और परमेश्वर इसे लोगो के लिए प्रमाणित करेगा और साबित करेगा की वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है? हमें एक धर्म विद्यालय की आवश्यकता नही है। हमें एक धर्म शास्त्रियों की आवश्यकता नही है। हमें एक नबी की आवश्यकता है। यही सही है। परमेश्वर ने इसकी भी प्रतिज्ञा की है।

284 तब हवा उसकी गिरावट से मिली, वैसे ही कलीसिया ने किया; संप्रदाय के लिए सौप दिया, मनुष्य के नियम, जिसे मनुष्य के द्वारा शासन किया जाना है, अब और आत्मा के द्वारा नियन्त्रण में नही रही। वो वचन से दूर चली गयी और सिधान्तो को ग्रहण किया है। कौन "आमीन" कह सकता है? [सभा कहती है, "आमीन!"—सम्पा।] सही। लेकिन क्या आप जानते है हम प्रोटोस्टेंट वैसे ही बहुत से सिद्धांत को ग्रहण करते है जैसे उनके पास थे, जब हम इस वचन के साथ कुछ तो जोड़ते है या इसमें से कुछ तो निकालते है? शैतान उसे पकड़ लिया, उसकी उसी पुरानी तकनीक के द्वारा, जो उसने हवा के साथ किया, समझौता करते हुए। यही है जहाँ उसने इसे पकड़ लिया, उसे वचन से कुछ तो अलग ही बताया, एक धर्म मत या एक संस्था।

285 वो मूल भूमि पर चला गया, यातना में, वो रोम की कंटीली भूमि जो पेंटीकोस्टल से गेंहू था, मिट्टी के अन्दर चला गया, और उन्हें जलाने के लिए दाँव पर लगा दिया और उन्हें सिंहो को खिलाया। वे इस में चले गए जैसे दुसरे गेहूं ने किया, यह सही है, लेकिन वो सुधार करके वापस उसे खड़ा करना आरंभ करता है, उसी पहली को, दुसरी बार।

286 जैसे उसने दुसरे आदम के साथ किया। आदम के गिरने के बाद, वो एक दुसरे आदम को खड़ा करना आरंभ करता है। और दूसरा आदम नीचे चला गया, और इसे ऊपर उठाया गया था। पहला आदम उसके पाप में गिर गया और वहां बना रहा। दूसरा आदम नीचे चला गया ताकि एक मनुष्य को पाप से छुडाए और ऊपर उठाया गया।

287 अब वो पहली कलीसिया नाईकिया, रोम में गिर गई, पहली, उस बाइबल के बाहर सच्चाई के वचन के द्वारा, जहाँ पर रोमन कलीसिया ने उनके सिद्धांतो और धर्म मत को जोड़ा था। वहां पर मार्टिन लूथर नाम का एक छोटा याजक आता है, जिसने कहा, "यह प्रभु भोज नही है, यह प्रभु की देह नही है। यह एक विधिसम्मत है। और मनुष्य, 'धर्मीजन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।'" और उसने चीजो को जमीन पर फैंक दिया, और इसका विरोध किया। वहां पर थूआतीरा युग के बाद आपका पहला चमकता तारा आता है। हाँ, श्रीमान, विश्वास के द्वारा धर्मी हुआ! वो, महान मूर्तिकार एक सर्वोतम रचना दुल्हन को बनाने के लिए व्यवस्थित करता है, जो उसके वचन को प्रतिबिंब करेगी।

288 लेकिन लूथर के मरने के लूथरनो ने क्या किया? वे शैतान से मिल गए, और इसमें से एक संस्था को बनाया, और मर गए। उसने उसके बाद कभी और कुछ भी नही किया था, उसने कर दिया था, ठीक लोगो का एक बड़ा धार्मिक समूह बन गया। तो ठीक है।

289 तब परमेश्वर ने जॉन वेसली के दिनों में उसे फिर से उठाया, एक और सच्चाई के साथ प्रतिबिंब करने के लिए। उसने क्या किया? उसने कहा, "पवित्रीकरण अनुग्रह का दूसरा कार्य है।" और परमेश्वर ने क्या किया? उसने इसे आशीषित किया। और उसने एंग्लिकन कलीसिया और ज्विन्गाली कलीसिया और बाकी के उन सब का विरोध किया, और उन सब का विधिसम्मत, और सब काल्विन या उस—उस कलविनिस्ट का विरोध किया। और—और कहा, "'धर्मीजन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा,' लूथर ने कहा। और अनुग्रह का दूसरा कार्य पवित्रीकरण है।" और यही सच्चाई है। यह सही है। देखा?

290 तब उसने क्या किया? उसी बात को, वेसली के मरने के बाद, अस्बुरी और वे लोग, वही बात जो लूथर ने किया, संथागत हुए, मर गए। अब इसकी ओर देखना।

291 यहाँ ज्यादा समय नही हुआ, एक महिला के लिए प्रार्थना करने अस्पताल में वहां पर गए, जिसका एक ऑपरेशन होने जा रहा था। मैं वहां गया। महिला ने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैंने आपको बुलाया है। आप मुझे नही जानते हो," उसने कहा, "लेकिन क्या आप मेरे लिए प्रार्थना करोगे? मेरा सुबह में एक ऑपरेशन होने जा रहा है।"

मैंने कहा, "जरुर, बहन।"

292 वहां पर एक और पुरुष, एक महिला और एक लगभग अठारह वर्ष लड़का बैठा हुआ था, और वे मुझे बहुत ही गौर से देख रहे थे। और पीछे मुडा और मैंने कहा, "मुझे माफ करना, मैं... "

महिला ने कहा, "पर्दे को खींचना!"

मैंने कहा, "क्या आप एक मसीह नही है? "

महिला ने कहा, "हम मेथोडिस्ट है।"

293 मैंने कहा, "मैंने आपसे यह नही पूछा था। मैंने आपसे पूछा... यदि आप केवल मेथोडिस्ट है, तो मैं पर्दे को खीचुंगा, यदि आप मसीह है तो, आप पर्दे को नही खींचना चाहोगे।" तो, हाँ, यह ठीक है।

294 तो, वहां पर एक मेथोडिस्ट में, या एक बैप्टिस्ट, प्रेसबिटेरियन होने में बहुत ही एक फर्क है और फिर एक मसीह होने में; ना ही एक संस्था का सदस्य होना, लेकिन एक मसीह होना, देखना। उसने क्या किया? उसी बात को किया।

295 तब क्या हुआ? परमेश्वर ने यहाँ नीचे दक्षिण में एक छोटे से झुण्ड को लिया, एक छोटा अश्वेत मनुष्य, जिसकी आंखे तिरछी थी। और वो, उसने क्या किया? उसने दान–वरदानो के लौटाए जाने को उंडेल दिया, और यह पेंटीकोस्टल बन गया। और आपमे से बहुत से पुराने लोग है, जैसे वहां पीछे भाई वेळडेज़ बैठे हुए है, एक बुद्धिमान बुजुर्ग, जो प्रचार कर रहे थे, जब मैं पांच वर्ष का था। उन्हें पूर्व पेंटीकोस्ट याद है। लड़के, तुम उसदल से संस्था की बात मत करो, वे उस घिनौनी चीज से बाहर निकल आए थे। और उनके पास परमेश्वर का सन्देश था।

296 लेकिन उन्होंने क्या किया? उसी बात को जो दुसरो ने किया था, इसे संस्थागत कर दिया। अब उनके पास लगभग तीस या चालीस विभीन्न संस्थाए है, वननेस, टूनेस, तीन। जब तक, दया, करुणा हो, मैंने अपने

जीवन में इतना कभी भी नही सुना! आपने क्या किया? आप ठीक उसी जगह पर मर गए। बस इतना ही आप आगे आप जा सकते है। आपकी संस्थाए इसे स्वीकार नही करेगी। आपने, आपने अपने मनुष्य का चयन किया है, "यदि यह व्यक्ति, यदि ये हमारे साथ विश्वास नही करता है तो, उसे वहां पर मत रहने देना। इसे हमारी संगती में नही होना है।" ओह!

297 देखो, जल्दी करूँगा, वहां एक सच्चे बीज को आना ही है। वहां ठीक इसे होना है, क्योंकि वो बिना दाग और झुर्री की दुल्हन आ रही है। वो इसके लिए आ रहे है, एक वचन की प्रमाणित दुल्हन। ओह, वो बहुत ही छोटी सा झुण्ड होगी। यीशु ने कहा, "जैसे ये नुह के दिनों में हुआ था, जिसमें पांच प्राण बच गए था," (क्या यह सही है?) "वैसे ही मनुष्य के पुत्र के आगमन में होगा।" कितने लोग? मैं नही जानता।

298 लेकिन, देखना, वो दुल्हन उन सारे शुरू से अंत तक के वचन की निर्मित होगी, जो उनके युग में थे। ये पूर्णत: अंतिम झुण्ड नही है, परमेश्वर यहाँ से सारी चीजो को निकालने जा रहा है। ओह, नही।

299 ये बहुत ही—ही छोटा होगा, ये आशचर्यजनक होगा। वे ऊपर आकर लुप्त हो जायेंगे, तुम जान भी नही पाओगे कि वे चले गए है। क्या हो यदि इस अंतिम दिनों में उसने पांच सौ को लिया तो? थोड़े ही दिनों के समय में पांच सौ लोगो को ले लिया, दो या तीन दिनों में? वहां पर सारे संसार में, वे बहुत से लोग ऊपर आते हुए खोते जा रहे है, यहाँ तक जानते भी नही वे कहाँ पर है, कभी उनके बारे में कुछ भी नही सुनते है। प्रभु यीशु का रहस्य आ रहा है। वो उठा ली जाएगी।

300 और वे उनमें के बाकी प्रचार करने के लिए ठीक आगे बढेंगे, बिलकुल वैसे ही जैसे यह नुह के दिनों में था, "प्रभु की महिमा हो, हमने इसे पा लिया, हाल्लेलुया," और उमके मृत्यु के लिए मोहरबंद है। यही है जो बाइबल कहती है, और यह चूक नही सकता है।

301 जैसे नुह, मूसा, दाऊद ने आने वाले इस सिद्ध दुल्हे को प्रतिबिंब किया; वैसे ही लूथर, वेसली और पेंटीकोस्ट ने आने वाली एक सिद्ध दुल्हन को प्रतिबिंब किया।

302 ध्यान देना, हर समय उसने जाहीर किया, उसने क्या किया? जैसे हवा ने किया हर समय ये कलीसिया ने किया, उसने अपने आदम को उसके नए उजियाले पर विश्वास करने के लिए, उसकी युक्ति के लिए

दबाव डाला, और वहां इसी के साथ मर गए। "हम, तो ठीक है अपने झुण्ड को इकट्ठा करेंगे, देखना, ओह, हमारी नई आशीषो को, जो हमें मिला है, और इत्यादि।"

303 इस सबने हवा के लिए क्या किया? हमारे पास अब बस थोडा ही समय है। इस सबने हवा के लिए क्या किया, उस पहली माता कलीसिया के द्वारा, पहले आदम की पहली पत्नी? इसने उसके लिए क्या किया था? अब नजदीक से देखना, आप इससे लज्जित हो जायेंगे। लेकिन इसने "सर्प के बीज को" उत्तपन्न किया।

304 हवा का पहला पुत्र, आदम का पुत्र नहीं था। यदि यह था, उसके पास जन्म अधिकार था। बाइबल में, यहूदा की किताब में कहा कि आदम... कि, "हनोक आदम से सातवा था।" क्या ये सही है? और वो आरंभ करता है, "आदम को उसका पुत्र शेत उत्पन्न हुआ।" कैन के बारे में क्या है, जिसके पास जन्म अधिकार था? वो आदम का पुत्र नही था। शेत, और शेत उत्पन्न हुआ; येरेद और आगे आदम के पुत्र हुए थे, जो आगे तक... "जो आदम से सातवा था।" फिर यदि कैन उसका पुत्र था तो, बाइबल में एक भी स्थान पर नही है, यहाँ तक लुका में भी नही, जहाँ वो फिर से इसका उल्लेख करता है, उसने कभी भी उल्लेख नही किया कि केन आदम का पुत्र है। और यदि वो नही था तो, वो किसका पुत्र था? और यदि वो आदम का पुत्र था तो, वो उसका पहला पुत्र था, उसके पास सारा जन्म अधिकार होता था। ओह!

305 वहां पर वो शारीरिक कलीसिया है (क्या आप इसे नही देख सकते है) जिसने कुछ तो स्वीकार किया है, जो वचन के बजाये व्यभिचार है। पेंटीकोस्टल लोगों, तुम्हे आशीष मिले। तो ठीक है, उसने हवा के लिए क्या उत्पन्न किया? उस सर्प के बीज को। इसने इस अंतिम दिनों में संस्थाओ के द्वारा क्या किया है? वचन को इंकार करते हुए, उस सर्प के बीज को फिर से उत्पन्न किया है। उसने कौन सी भेंट को चढ़ाया? फलों और वस्तुओ को, लहू को नही।

306 वचन के प्रकाशन के द्वारा, परमेश्वर का वचन इससे पहले इसे कभी लिखा जाता, "विश्वास के द्वारा हाबिल ने परमेश्वर को केन से भी उत्तम बलिदान को चढाया, जिसने गवाही दी कि वो धर्मी था।" उसके बलिदान के द्वारा, वचन अपने आप में उसमें होकर प्रतिबिंब हो रहा था।

307 ओह, कैन ने जाकर बगीचे से फलों को लाया, उसने सोचा कि हवा ने एक सेब को खाया था। बहुत से धर्म विद्यालयों ने अब इसे बदलकर एक खूबानी (फल) कर दिया है। यह एक व्यभिचार था। और हर किसी को ये मालूम है, जो बाइबल को जानता है। निश्चय ही, ऐसा था।

308 ध्यान देना, सर्प का बीज पहली हवा के द्वारा वचन के दूर रहने से हुआ था। दूसरी हवा ने उसी काम को नाईकिया, रोम में किया। और उसके पास क्या था? एक संस्थागत बच्चो का झुण्ड था। यह सही है। ओह, नैतिक रूप से अच्छा है; निश्चय ही, ठीक है। लेकिन इसके बारे में क्या है? उनके सिद्धांतो के जरिये से मरे हुए है।

309 अब वैसे ही। केन के वचन के प्रकाशन ने उसी बात को किया है जो इसने किया। क्या? उसे प्रतिज्ञा दी। अंतिम समय पर इस हवा की अब क्या प्रतिज्ञाये है? अब थोडा ध्यान से सुनना, मैं बंद कर रहा हूं। इस हवा के लिए अंतिम समय पर के लिए क्या प्रतिज्ञा है? धनवान, लौदकिया, बड़ा नाम, बड़े लोग, धनी। "लेकिन मरे हुए, और नंगे और यह नही जानते।" यही है जो कलीसिया के युग की समाप्ती है।

310 लेकीन वचन का इंकार करती है। मती 24 :24 उसके लिए वास्तविक है, वो बहुत से शोर के साथ इसमें बढने के कोशिश करती है, और बहुत ही *इससे,* और बहुत से एक सामूहिक सभा के आधारो से और इस तरह की चींजो से, कहने की कोशिश करते है, "अहा, हमारे पास सामर्थ है! परमेश्वर की महिमा हो, हाल्लेलुया, हमारे पास सामर्थ है!" भक्ति का भेष तो धरते है, लेकिन उसकी शक्ति का इंकार करते है, इतना नजदीक की चुने हुए भी भरमाये जायेंगे... कैसे एक मनुष्य आत्मा में नाच सकता है, और अन्य भाषा में बोल सकता है, और परमेश्वर के वचन को सच्चाई होने से और पवित्र आत्मा होने से इंकार करता है? इसे नही किया जा सकता है।

311 "हर एक वचन!" परमेश्वर एक बात को कहता है, यह बिल्कुल ठीक उसी ढंग से है। कोई और तरीके से इसका अनुवाद मत करो। बाइबल कहता है, कि, "यह व्यक्तिगत अनुवाद के लिए नही है।" उसी तरह से कहो, जैसे उसने इसे कहा है।

312 ध्यान दे, एक झूठी सामर्थ। बिल्कुल यही है, जो शैतान यीशु को देना चाहता था, वहां ऊपर ले जाकर और उसे खुद को प्रदर्शित करवाए। लोग

यही करते है, विश्व संगठन भी, वे सारे। "कौन उसके साथ युद्ध करने के लिए योग्य है," उसने बाइबल में कहा, "पशु की छाप जो ऊपर उठने जा रही है?" यदि हमारे पास समय रहा, तो हम इसमें जायेंगे, इसके लिए (लेकिन हमारे पास नही है) ध्यान दे यीशु, वो दूसरा वचन आदम, उसके दिन में, अब इस कलीसिया के अंतिम दिनों में देखना, जो बहुत ही नजदीक होने जा रहा है। अंतिम कलीसिया का युग लौदकिया है। कितने लोग इसके लिए "आमीन" कह सकते है? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] वो क्या करती है? वो उस महिमामय स्थिति में कैसे जा सकती है? गुनगुनी, बिना परमेश्वर की। और उसने क्या किया?

313 अब, आदम ने देखा हवा ने जानबुझकर... या नही जानते हुए, लेकिन अनजाने में भरमाई गयी थी, और आदम उसके साथ चला गया, इसलिए कि वो उसे छुडा सकता है। क्या यह सही है? बाइबल ने कहा, "आदम भरमाया नही गया था।" यही कारण है, यह स्त्रियो को सुसमाचार प्रचार करने के लिए मना करता है। देखा? आदम अपराध में नही था, लेकिन हवा थी। तो इसी कारण से उसे सिखाना नही चाहिए, देखना, और किसी भी मनुष्य के ऊपर अधिकार नही रखना है, और इत्यादी। यही—यही है जो वचन कहता है।

314 आप कहते है, "तो इसने... !" मैं परवाह नही करता *यह* क्या करता है, और *वो* क्या करता है। ये वचन क्या कहता है, भाईयो, बहनों। मैं आपको ये पहुँचाने की कोशिश कर रहा हूं, देखो, ये वचन क्या कहता है। हम वचन के द्वारा जीते है, ना ही कुछ प्रमाण के द्वारा, या कुछ शारीरिक कोई चीज, या कोई अनुभव। इसके साथ इस सब का कुछ लेना देना नही है, किसी भी तरह का एक अनुभव काम नही करेगा, यदि ये वचन का इंकार करता है। "बहुत से मेरे पास आकर और कहेंगे, 'मैंने भविष्वाणी की है, मैंने शैतानो को निकाला है। मैंने अन्य जुबानो में बोला है। मैंने इन सब चीजों को किया है, सुसमाचार को प्रचार किया है, एक परमेश्वरत्व का विद्वान हूं।' कहा, 'तुम अधर्म के कार्य करने वालो दूर हो जाओ, मैं तुम्हे जानता भी नही।'" जानते हुए कि वचन ऐसा कहता है, और समझौता करते है, कुछ संस्था या किसी बात, कुछ सिद्धांत की वजह से। ओह, मेरे दोस्तों, मुझे एक प्रिय भाई की नाई आपको चेतावनी देने दो, जो आपसे प्रेम करता है। थोडा ध्यान से सुनना।

315 अब, वो पहला आदम हवा के साथ चला गया, क्योंकि वो भरमायी गयी थी। लेकिन, यहाँ इस लौदकिया में कोई तो था, वो फर्क को जानती है। हाँ, श्रीमान। क्योंकि वो उसे अपने खाट से बाहर रखती है, अपने कमरे से, वो... वो बाहर था, खटखटा रहा था, वापस अन्दर आने की कोशिश कर रहा है। मगर उसने सभ्यता को प्राप्त कर लिया था, वो ऊँचे पर बैठी हुई है। वो बैठी थी, ओह, प्रभु, "उसे किसी की भी आवश्यकता नही थी।" लेकिन नही जानती वो नंगी, अभागी थी। यही वो कलीसिया है जो चुने हुओ की भी भरमा देती है, यदि यह संभव होता था तो। ध्यान देना, उसके पास सामर्थ थी, झुठी सामर्थ। उसने वचन के भाग को लिया, और बाकी का नही लिया।

316 सबसे बड़ा झूठ क्या है जिसे कभी बोला गया था? इसका निन्यानबे प्रतिशत सच होता है। यदि किसी ने कहा, "विलियम ब्रन्हम, फलां तारिख को वहां उदार हॉस्टन, टेक्सास में थे, नशे में थे, जितना वो हो सकते है।" यह एक झूठ है। समझे? "ओह," कहा, "नही, वो फ़ीनिक्स, एरिज़ोना में थे। वो क्रिस्चियन बिजनेसमैन को प्रचार कर रहे थे, उन्होंने एक फलां विषय पर प्रचार किया, वहां पर बहुत से लोग थे, उन्होंने लगभग साढ़े दस बजे तक सुना। और साढे दस बजे, आप जानते है उसने क्या किया? वहां नीचे पहुंचकर और पीने के लिए शराब को लिया और इसे पी गए।" अब यहाँ पर एक झूठ है। बाकी की सारी बात सच थी। देखना, यह भरमाने के लिए बिल्कुल ही सच जैसा दिखेगा।

317 आज लोग इसी प्रकार से करते है। उनके पास बहुत सी सच्चाई होती है, वे चुने हुओ को भरमाते है... लेकिन एक वचन, जो इस सबको ले लेता है। और मैंने इसे बाइबल से साबित किया है।

318 ध्यान दे वो कभी उसके साथ बाहर नही निकला। उसने (she) उसे बाहर रखा, वचन को, उसे ठुकरा दिया। अब यह एक दयनीय दिखाई देता है, जब हम समाप्ती की ओर पहुँचते है।

319 बिल्कुल वैसे ही जैसे ये बाबुल में था, मनुष्य कही पर भी नही रुक रहा है वो खुद के लिए प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। वो अब नही रुकने वाला। जैसे नुह के दिनों में, कोई फर्क नही पड़ता नुह ने कितना प्रचार किया और चेतावनी दी, थोडा भी लाभ नही हुआ। अहाब के दिनों में जब, उसे खुद अपनी रोटी को बनाना ही था, जिससे वो अपने स्वयं को

अधोलोक भेजे। ठीक ऐसा ही है। उसे उसकी रोटी को बनाना था, जिससे कि वो कड़ी टूट जायेगी, जिससे वो अपने स्वयं को अधोलोक भेजे। ठीक अहाब और इजाबेल के जैसे। वे, लेकिन ये बात ऐसी है कि, उन्होंने नही सोचा कि वे पाप कर रहे है। उन्होंने सोचा, वे सही कर रहे थे।

320 आप जानते है, यीशु ने कहा, "एक दिन ऐसा होगा वे तुम्हे मार भी डालेंगे, ये सोचते हुए कि वे परमेश्वर की एक सेवा कर रहे है।" मेरी इस नई किताब आने तक रुकना। उन्होंने कुछ लोगो पर एक रात गोली चलायी, यह कहते हुए कि यह गलत था कि रोमन कैथोलिक कलीसिया, प्रोटोस्टेंट के साथ एक हो। मेरे मित्र की एक ईमारत में तीन बार गोली चली, उन्हें मात्र थोडा सी चुक गयी। इस किताब के प्रसार होने तक रुकना। वे नही सोचते है कि वे पाप कर रहे है; वे सोचते है, वे सही कामको कर रहे है। वे सोचते है, वे—वे इसे एक कारण से कर रहे है, परमेश्वर के लिए, इसे नही जानते हुए।

321 उन यहूदियों ने यीशु को मार डाला, यह सोचकर वे सही चीज को कर रहे है, क्योंकि उनकी कलीसिया के सिद्धांत ने कहा कि वो गलत था। ओह, उनके लिए वो... "उन्होंने उसी रोटी को क्रूस पर चढाया, जिसके द्वारा उन्हें जीना चाहिए था।"

322 अब, फिर, "जितनो ने उसे ग्रहण किया उनके लिए जीवन बना, अनंत जीवन, वे उसके द्वारा जीए, और उसने उन्हें सामर्थ दी ताकि उसका भाग बने, परमेश्वर के पुत्र बने।" क्या यह सही है?

323 वे जंगली लौकी के जैसे है, जो उस शोरबा में मर गए, उनके धर्म विधालय के स्कूल से। वे यीशु को नही चाहते है, जो जीवन की रोटी है। वे उसे नही चाहते है। उन्होंने उसे अपनी कलीसिया से बाहर रखा है। उन्हें इसे करना ही है। मैं परवाह नही करता वे क्या करते है।

324 आप कहते है, "तुम सोचते हो, आप इसे बदल देंगे, भाई ब्रन्हम?" नही, श्रीमान। लेकिन मैं चुने हुओ से बात कर रहा हूं।

325 उन्होंने उसे बाहर रखा है। क्यों? उन्होंने उनके शोरबा को लिया, संसार के साथ मिला दिया, किसी सिद्धांत के साथ, और इसे एकसाथ मिला दिया, और एक धर्म शास्त्र का धर्म विद्यालय शोरबा बना दिया। और वे एलिय्याह नबी को उस भोजन को रोगमुक्त करने से इंकार करते है।

326 क्या उन्होंने उस दिन में किया? एलिय्याह के पास कुछ भोजन था। वो भोजन मसीह था, वो भेंट की रोटी, सबको एक समान जमीन में जाना है। हर एक कंटीले को वैसे ही जाना था, ताकि इसे पिसा जाये। और उसने इसे वहां उसमें फैंक दिया, और उनकी बीमारी को रोगमुक्त कर दिया, या तो उनकी मृत्यु उस बर्तन में थी।

327 लेकिन आज उनके पास बर्तन में मृत्यु है, और वे एलिय्याह के भोजन को नही चाहते है, मसीह को नही चाहते है, जो रोटी है, वचन है। "नही श्रीमान! यह अपधर्म है!" उनके पास यह नही होगा। आगे बढ़कर और इसे खाते हो, निश्चय ही तुम संसार के नाई मर जाओगे। वहां उस बर्तन में विष है। वे अपने धर्म विद्यालय के बर्तनो में इस भोजन को स्वीकार नही करेंगे (नही, श्रीमान) वे इसे बिल्कुल नही करेंगे। अब वे तुम्हे इससे बाहर रखेंगे। वे इसके साथ कोई संबंध नही रखना चाहते है।

328 अब वो दूसरी हवा, रोटी का दाना, पेंटीकोस्ट था, पहले के जैसे ही किया, आदम जो रोटी था, रोम के कटीले बीजकोष के नीचे मर गया, सताए जाने के नीचे, शहीद हो गया।

329 लेकिन उसकी बहन जो वेश्य बन गयी, (क्या यह बाइबल बताती है?) यह सही है, उसने क्या किया? वो वहां संसार के अंदर चली गयी और बच्चो को उत्पन्न किया। कौन इसके लिए "आमीन" कह सकता है? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] प्रकाशितवाक्य 17, "वो वेश्य और उसकी पुत्रियाँ," पुरुष नही; स्त्रियां, कालिसियाये। वो संस्थागत, किस बात ने उसे एक वेश्य बनाया? उसने वचन को ठुकरा दिया और संस्थाओ को ले लिया, वो एक वेश्य बन गयी। उसके बच्चो ने क्या किया? वे यौनकर्मी थे, जो की एक ही बात है। उसी काम को किया, वचन को ठुकरा दिया और संस्थाओ को ले लिया। "उसके बच्चे," पुत्रियाँ, कलीसियाये, उनकी ओर देखे।

330 अब मुझे इसे भविष्वाणी में कहने दो। क्या आप समझेंगे? उस बड़े परिवार की परेशानी लगभग खत्म होने पर है। वे सब के सब एक साथ आ रहे है। बूढी माँ अपने बच्चो को फिर से वापस लेने जा रही है। जो कुछ भी हो, वे सब एक से है। वे एक होना चाहते है। यह कलीसिया और परमेश्वर का समय है, कलीसिया और वचन, ठीक यहाँ पर एक होंगे, क्योंकि यही

है, जिसके पीछे वो आ रहा है; ना ही एक इस प्रकार का "एक" झुण्ड। नही, श्रीमान।

331 एक गेहूं के दाने को होना है। अब प्रकृति को देखे, और हम इस विचार पर बंद करने जा रहे है। अब प्रकृति को देखे। एक मनुष्य गेहूं को बोता है।

332 उन्होंने एक किताब को लिखा, मैं सोचता हूं आप सब ने इसे पढ़ा है, हो सकता है आप में कुछ धर्मशास्त्री, जिसे *वो खामोश परमेश्वर* बुलाते है। मैं सोचता हूं तुम्हे ये मिल सकती है, हो सकता है आपके किताबो में—में, जहाँ आप किताबों को—को बेचते है, किताबो की दूकानो में। *वो खामोश* परमेश्वर, कहा कैसे... एक नास्तिक ने कहा, "कैसे तुम हमेशा वहां एक परमेश्वर होने की अपेक्षा कर सकते हो, जो वहां पर अंधकार के युगों के दौरान बैठा हुआ हो और वहां आग पर बच्चो को मृत्यु में डालता हुआ देख रहा हो; स्त्रियाँ, उनके लम्बे बाल नीचे डाबर में चिपक जाते है, और जल जाते है; बैल को एक कंधे पर रखते, और दुसरे कंधे पर एक व्यक्ति को, और उन्हें दूर तक खिचते, क्योंकि उन्होंने क्रूस को चुम्बन नही देना चाहा; और उसी तरह की वे सारी चींजे? " कहा, "कैसे एक परमेश्वर हो सकता है, यदि वो एक था, तो वहां बैठकर और उन छोटे बच्चो को जलता हुआ देखता? " देखो, यही स्वभाविक, शरीरिक समझ है। समझे?

333 देखना, क्या आप जानते है एक गेंहू, जब यह जमीन में चला जाता है, इसे वहां पड़े रहना है और सडना है? यही है, जो पेंटेकोस्टल को करना था, उसे वहां पड़े रहना था और जमीन के अन्दर जाना था, और मरना था। इसे वापस जीवन को आगे लाने के लिए सड़ना था। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] अब ध्यान दे, और अब यह मेरे बंद करते हुए विचार है। अब इस सबको समाप्त करने के लिए, आइये प्रकृति से लेंगे। कितने लोग विश्वास करते है कि परमेश्वर सारी चींजो में समान्तर कार्य करता है? ["आमीन।"]

334 वो, देखे, उसने संसार से कर दिया है ।वो संसार को उसी प्रकार छुड़ाता है, वो एक मनुष्य को छुड़ाता है। एक मनुष्य क्या विश्वास करता है? वो विश्वास करता है, फिर बपतिस्मा लेता है; तब वो लहू के द्वारा साफ किया जाता है, पवित्रीकरण, जो वेसली का सन्देश है; तब वो पवित्र आत्मा की आग से भर जाता है, संसार को उसमें से बाहर करता है, और वो आत्मासे भरा होता है, जो वचन है। क्या आप यह विश्वास करते है?

[सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब देखना क्या। परमेश्वर उसके संसार को उसी प्रकार से छुडाने जा रहा है।

335 कितने लोगो को वो—वो—*वो दुल्हन और दुल्हे का भविष्य का घर* (सन्देश) टेप में मिला है? देखना, मैंने इसे वहां पर प्रचार किया है। परमेश्वर ने मुझे इसे दिया। मैं आपको देता हूं जैसे परमेश्वर इसे मुझे देता है।

336 देखो, पहली बात, आदम के वचन से गिरने से संसार दोषी हुआ था। नुह के प्रचार ने धर्मीकरण को लाया, और परमेश्वर ने धरती का पानी के साथ बपतिस्मा किया; फिर साथ ही पुत्र आता है और लहू को इस पर गिराया, ताकि इसका पवित्रीकरण करें, उसके अपनों के लिए; फिर अंतिम पहुँच, वो नवीनीकरण, वो अग्नि होगी जो हर एक जीवाणु को जला देगी, हर एक चीज को, यह हवा में लाखों मील ऊपर उठेगी।

337 और फिर क्या? "मैंने एक नए आकाश और एक नई धरती को देखा, पहला आकाश और धरती जाते रहे। और मैंने उस पवित्र नगर को, वो नया येरुशलम स्वर्ग पर से, परमेश्वर के पास से उतरते देखा, वह दुल्हन के समान थी... वह उस दुल्हन के समान थी, जो अपने पति के लिये सिंगार किए हो, देखो, नीचे धरती पर उतरकर आ रहा है।" फिर परमेश्वर और मनुष्य...

338 वही बात यीशु के साथ थी, देखो, जब उसने पानी में बपतिस्मा लिया, और अपनी तैयारी को किया। वो पिता के द्वारा आरंभ से पवित्र हुआ था, तब उसने अपने हाथों को उठाया, और यहाँ मेमने के ऊपर पिंडुक आता है। परमेश्वर क्या कर रहा था जब उसने पिंडुक को वहां पर रखा? उसने उस जीवन के भाग का दावा किया; जो—जो धरती का भाग था, यीशु को भोजन खाना है जैसे हम खाते है, उस स्वभाविक रोटी को। लेकिन अब परमेश्वर ने इसे दावा करता है, वहां इसे पकड़ने के लिए कुछ भी नही है। मृत्यु इसे नही पकड़ सकती है। कहा, "इस मंदिर को गिरा दो, मैं इसे फिर से खड़ा करूँगा।"

339 और जब स्त्री और पुरुष परमेश्वर के अन्दर जाते है, अब पूरा होता है, ना ही किसी सम्मोहन के नीचे नही, ना ही किसी भावना के नीचे, लेकिन वास्तव नें जब वचन और वो एक हो जाते है; परमेश्वर ने उस व्यक्ति को बचाया है, संसार की चींजो से उसे पवित्र किया है, संसार को उससे बाहर निकालकर सब कुछ नया कर देता है, पवित्र आत्मा के आग के साथ, और

खुद को प्रतिबिंब करते हुए उस व्यक्ति में जीता है, वो पुरुष या स्त्री हर एक वचन के द्वारा जीते है। देखो, यही वो धरती है जो साफ़ की गयी है। वो धरती को उसी प्रकार इस्तेमाल करेगा, वो इसे छुड़ाता है।

340 अब देखना, एक गेंहू का दाना जमीन के अन्दर जाता है। अब, यीशु वो गेंहू का दाना था, जो जमीन के अन्दर चला गया, जो उसके बाद में सिद्ध बना था, इसके अन्दर जीवन था। मूसा ऊपर नही आया। आदम ऊपर नही आया। उन बाकी में से कोई भी ऊपर नही आये। लेकिन यह जो एक सिद्ध था जिसने हर एक जरिये से वचन को प्रतिबिंब किया, वो हर एक वचन के द्वारा जीया। कितने लोग इस पर "आमीन" कह सकते है? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] वो हर एक वचन के द्वारा जीया। क्या हुआ? उन्होंने उसे कब्र में रखा। लेकिन तीसरे दिन, उसने उसे खोल दिया और वापस बाहर आ गया। देखा?

341 अब यहाँ पर फिर से कलीसिया आती है, देखे, उस एक सिद्धता के लिए आ रही है, वापस रेपचर के लिए। अब उस कलीसिया का नाईकिया, रोम के भूमी पर गिरने के बाद क्या हुआ, उस पहली संस्थागत का? क्या कोई "आमीन" कह सकता है कि यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] उसने क्या किया? वो फिर से एक अस्थाई पुनरुत्थान में बाहर आते है, उसने लूथर के जरिये कोशिश की वैसे ही जैसे नुह के जरिये से किया। लेकिन उसने क्या किया। वो वचन से चूक गया। वो संथागत हो गया। इसने क्या किया?

342 ये जैसे ऊपर आता हुआ गेंहू का दाना था। जब वो दाना ऊपर आता है, पहली चीज क्या ऊपर आती है? दो छोटे अंकुर। अब बहुत ही ध्यान से सुनना। अब प्राकृतिक रूप में क्या ऊपर क्या आता है? हम आत्मिक के साथ प्राकृतिक को ध्यान देंगे, प्राकृतिक रोटी के साथ आत्मिक रोटी। क्या होता है? "यह मनुष्य कैसे रोटी हो सकता है? " ध्यान दे।

343 जब कलीसिया ऊपर आयी, वो एक छोटा सा पत्ता था। अब यह उस दाने के जैसा थोडा भी नही दिखा, जो जमीन में गया था, लेकिन यह एक जीवन का संदेशवाहक था। समझे? अब क्या होता है? अब मनुष्य कहता है, "ओह, मुझे एक गेंहू की अच्छी फसल मिली है।" सशक्त रूप से अभी भी उसके पास नही है। क्या हुआ? वो अगला आता है, वो ज्विन्गली (सुधारक) था, वो लूथर के बाद एक और कदम का ऊपर उठना था।

यह फिर भी वो नही था। यह एक पत्ती थी। फिर उस डंठल ने बहुत सारे पत्तो को आगे लाया, जैसे की केल्विन, और इत्यादि ऊपर आये। अत: वो एंग्लिकन कलीसिया ऊपर उठी, वे सारी डंठले। देखना, उन में से सारी बिलकुल ठीक एक जैसे दिखी, वही चीज।

344 तब क्या हुआ? गेंहू बदलता है, और वो दाना बलदता है, और हर एक चीज बदलती है। जो ऊपर आती है वो एक टहनी थी। आप हो सकता है इसे टहनी कहे। तो, इसने क्या किया, देखना, इस पर क्या लटकता है, छोटे से फूलों के पराग। अब यह कुछ और थोड़े और ज्यादा दाने के जैसे दिखाई देते है, जो जमीन के अंदर गए थे, तब उस पत्ते ने किया। क्या यह सही है? तो, वेसली का सन्देश लूथर के सन्देश से बाइबल के ज्यादा नजदीक था। यह आप जानते है। क्या यह सही है? उन छोटे से फूलों के परागो का अब क्या है? वहां पर वे वेसलीयन मेथोडिस्ट थे, नाज़रेनस, पिलग्रिम, होलीनेस, यूनाइटेड ब्रदरीन, वे सब उस पवित्रीकरण के नीचे थे। और बाद में, उस से क्या आता है? इसने, अत: इसने क्या किया? संस्थागत हो गए, मर गए!

345 उसमें से जो बाहर आये, वे पेंटीकोस्टल थे। आप कहते है, "ओह, भाई।"

346 अब आदरपूर्वक, और में इसे ईश्वरीय प्रेम के साथ कहता हूं। और होने पाए वो महान पिता जिसने आपको अभी आरंभ में बताया, जो यहाँ उपस्थित था, वो सर्वव्यापी। यदि मैं इसे हानि पहुँचाने के माध्यम से कहता हूं, तो वो मेरा न्याय करेगा। यदि मैं इसे सच्चाई के माध्यम से कहता हूं, वो मुझे आशीष देगा। वो आपको इसे दिखायेगा, यदि आप जीवन के लिए ठहराये गए तो।

347 जब वो पहला गेहूं का दाना, एक गेहूं के डंठल पर से बाहर आने लगता है, यह पूर्ण रूप से उस दाने के जैसा दिखाई देता है। क्या यह सही है? लेकिन ये क्या है? ये ना नही है। यही मती 24:24 है, "इतना नजदीक होगे की यदि यह संभव होता, तो वे चुने हुए को भी भरमा देंगे।" ध्यान देना, ये बिलकुल दाने के जैसा दिखाई देता है। लेकिन यदि आप इसे बाहर निकालते हो और बैठकर, और माइक्रोस्कोप कांच (यन्त्र) को लेकर और इसे निकालना आरंभ करते हो। ये तो केवल दाने पर छिलका होता है, या उस गेंहू पर छिलका होता है। इसने केवल इसे बचाए रखने के लिए

किया है, लेकिन यह पूर्ण रूप से उस दाने के जैसा दिखाई देता है। अब कितने लोग जानते है यह सच्चाई होनी है, अपने हाथो को उठाये? निश्चय ही। लेकिन यह भूसी है।

348 अब, पेंटीकोस्टल भाइयों, मुझे गलत मत समझना, लेकिन यह सच्चाई है। आप प्रकृति का विरोध नही कर सकते है। और प्रकृति घोषणा करती है परमेश्वर हर एक चीज में है, यह सृष्टीकर्ता है।

349 अब उस भूसी की ओर देखे। ऐसा दिखता है... उन्हें क्या करना था? उन्होंने अन्य जुबान में बोला। उन्होंने बिलकुल वैसा ही व्यवहार किया, जैसे उन्होंने पेंटेकोस्ट में किया था। लेकिन यदि आप इसे काटोगे, उस छोटी सी चीज को को लेकर और इसे बाहर निकालते है, इस में बहुत से छोटे छिलके होते है। और जब आप इसे बाहर निकालते है, आप इसके एक के पीछे एक देखते है, यदि आपके पास एक अच्छा कांच (का यन्त्र) है तो, आप वहां पीछे देखना। वहां पर एक छोटा नन्हा सा दाने का अंकुर आ रहा होता है, यह वो वास्तविक चीज है। ये एक संदेशवाहक है। क्यों? इसे वहाँ होना है ताकि उस दाने को बचाए रखे। यह समानता में होता है लेकिन ये उस दाने को बचाने के लिए है। अब जहाँ से वो दाना आता है, लूथरन में से होते हुए ऊपर, उन कलीसियाओ में से होते हुए, वेसली में से होते हुए और वहां से होते हुए, टहनीयो में होते हुए बाहर, और अब वहां भूसी के अन्दर होता है। अब यह बिल्कुल सिद्ध रूप से दिखता है। कोई आश्चर्य नही यीशु ने कहा, "यदि यह संभव होता, तो वे चुने हुए को भी भरमा देंगे।" बिल्कुल दाने के जैसा ही दिखता है, ठीक उस स्थान में, उस दाने को होना चाहिए, लेकिन क्या हुआ? इसने उसी बात को किया जिसे दुसरो ने इसे पहलेकिया था। संस्थागत हो गए! इससे क्या बन गया? एक आगे ले कर जाने वाले।

350 अब इन दिनों में जिसमें हम रह रहे है, यहाँ कोई भी इतिहासकार जानता होगा कि कोई भी बेदारी लगभग केवल तीन वर्षो तक ही चली, और फिर उस बेदारी से एक संस्था बाहर आयी। भाइयो, बहनों, इस महान पंद्रह वर्षो की बेदारी में, जिसमें हम रह रहे है, आपके साथ इसमें रहने का सौभाग्य रहा है, इसमें से एक भी संस्था बाहर नही आयी है। वहां अब और संस्थाए नही है। वहां नही होंगी। वहां वो अंतिम है। अब, पेंटीकोस्ट को वहां पर होना था ताकि इसे संरक्षित करे। हम कहाँ जाते

यदि हमें इस तरह सन्देश नही मिलता, यदि वहां इसे विश्वास दिलाने वाले पेंटीकोस्ट नही होते थे? अब 1933 में वापस ओहियो नदी के लिए जाना है। देखा?

351 इसके लिए क्षमा करें, लेकिन मैं चाहता हूं आप सच्चाई को जाने। मेरे पास और ज्यादा समय नही बचा है, आप यह जानते है, मैं पचपन वर्ष का हूं। लेकिन ये टेप रहेंगी जब मैं चला जाऊंगा, और आप देखेंगे कि यह सही है या गलत है, यदि मैं सच्चा सेवक हूं या एक झूठा सेवक हूं। मैंने आपको अभी तक कुछ नही बताया है, लेकिन जो हुआ है, ऐसा ही यह होगा।

352 यह एक संदेशवाहक है। इसे होना था। लेकिन जब वो दाना बढना आरंभ होता है, जैसे वो पहली कलीसिया यीशु का एक संदेशवाहक था, लेकिन जब उसने उन्हें परमेश्वर की सच्चाई को बताना आरंभ किया, वे उससे अलग हो गए। अब क्या हो रहा है? कोई संबंध नही। क्यों? इसे इसी तरह से होना है, इसलिए कि वो गेंहू स्वयं ही सूर्य के सामने पड़ा रह सकता है, सूर्य (s-u-n), और वैसे ही आत्मिक गेंहू पुत्र (S-o-n) के सामने पड़ा रह सकता है ताकि एक सुनहरे वचन के दाने में बदल जाये, देखना, वचन बन गया, वचन देहधारी हुआ, प्रमाणित हुआ। "वो... वो जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं, वो भी करेगा।" वो कलीसिया जो सही रूप से वचन के द्वारा जीती है, ना ही संस्था के जरिये से, लेकिन वचन की उपस्थिति में, उस पुत्र की, यह बनती है (क्या?) बिल्कुल ठीक वही वचन जो पेंटीकोस्ट के दिन पर नीचे चला गया।

353 अब, क्या मलाकी 4 हमें नही सिखाता है कि उस प्रभु के बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, कि यह बातें जगह लेगी? कितने लोग ये जानते है? "और वो बच्चो के मन को पिताओ की ओर लौटाएगा," क्या यह सही है, "उस मूल पेंटीकोस्टल पिताओ के विश्वास की ओर लौटाएगा।"

354 "और उस दिन पर," लुका 17:20, मैं सोचता हूं यही है, यीशु ने कहा, "जब वो मनुष्य का पुत्र प्रगट होता है," मनुष्यों नही। "वो मनुष्य का पुत्र," ना ही एक संस्था। "वो मनुष्य का पुत्र," वो वचन स्वयं लोगो के बीच में जीते हुए! समझे?

355 वो वचन, स्वयं आपमें देहधारी हुआ, आप इस घडी के एक प्रतिबिंब है, वो सन्देश, इसका प्रतिबिंब है। देखना, आप फिर से जीते है, उस जीवन को जीते है जो यीशु मसीह में था। आप पुत्र की उपस्थिति में है। तब वो...

356 इससे क्या होता है? उस कलीसिया के लिए क्या होता है? अत: सुनना, वो भूसी उस गेंहू से अलग हो जाती है, जब ये प्रकटीकरण होना आरंभ होता है। क्या हुआ? जो जीवन भूसी में था निकलकर गेंहू में चला गया है। वो जीवन नही बदलता है। वे संदेशवाहक बदलते है, वे संस्थागत हो जाते है; देखा, वो डंठल, टहनी, भूसी। लेकिन गेंहू बदल नहीं सकता है। इसके पास एक सेवकाई को होना है बिल्कुल ठीक उस वचन पर, जैसे वो वचन पर था, और जैसे पहली कलीसिया वचन पर थी, आत्मा से भरी हुई, वचन की शिक्षा पाई हुई; ना ही संस्थागत की शिक्षा। वचन की शिक्षा!

357 अब वहां प्रकृति है, और परमेश्वर का वचन है। वही वो रोटी है। "मनुष्य केवल रोटी से नही, लेकिन परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर एक वचन से जीवित रहेगा।"

358 प्रार्थना से पहले, बंद करते हुए। अब यहाँ ध्यान देना, यहाँ पर वो बात आती है, मैं कहना चाहता हूं।

359 अब उस भूसी को उस गेंहू से अलग होना है, यह परमेश्वर के विधि है। कितने लोग "आमीन" कहता है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] उस भूसी को उस गेंहू से अलग होना है, क्योंकि यह अब पक्वता में है। यह ऊपर है। अब, वो भूसी वहां पर नहीं थी, यह एक सहायक थी, यह उस जीवन का एक संदेशवाहक थी, फिर वो जीवन वहां से निकालकर ठीक गेंहू के अन्दर चला गया। अब, यही वो कारण है।

360 देखना, मित्रो, हम कौन से दिन में रह रहे है? हमारे पास पंद्रह वर्षो की बेदारी थी। कितने लोग इसके लिए "आमीन" कह सकते है? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] कौन सी संस्था ऊपर आयी है? कोई नही। उन्होंने मुझे लेकर एक संस्था बनाने की कोशिश की, कहा, "क्या आप अपनी सेवकाई को लेकर एक संस्था को बनायेंगे, भाई ब्रन्हम? ये होगा... " अब मैं नही, मैं अपने बारे में नहीं बोल रहा हूं। मैं इस घड़ी के सन्देश के बारे में, इस दिन के बारे में बोल रहा हूं ।

361 और वे वहां ऊपर केनडा में गये और कुछ एक अंतिम बारिश के भाइयों को लेकर आए? वे ठीक वहीं पर मर गए। याद है, भाइयों वो अंतिम बारिश? ये कहाँ पर चले गए? और कोई भी हो कहाँ पर चले गये? लेकिन इसमें से निकली संस्था ने क्या किया? लाखों परिवर्तन हुए, और उन्हें अपने सिद्धांतो का गुलाम बना दिया, धनवान बन गए, लाखों बनाये और करोडो डॉलर ईमारत और इसी तरह की चीजो में लगा दिए, और कह रहे है, "प्रभु आ रहा है," प्रचारकों को धर्म और बातों में भेजते है, और उन्हें मनुष्य के बनाये धर्म शास्त्र पर सिखाते है, जैसे लूथर, वेसली, और बाकी के आप। ये एक भूसी बन जाती है।

362 लेकिन, परमेश्वर का धन्यवाद हो, वो दाना आगे बढ़ रहा है। तब यदि यह वचन के द्वारा सच्चाई है, जहाँ पर हम रह रहे है, यह प्रकृति के द्वारा सच्चाई है, यह प्रमाणित हुआ है, वो गेंहू का दाना, हर एक तरीके से, हमारे पास और कितना समय है? आप जानते है कितना? मैं विश्व झुण्ड के एक साथ इकठ्ठा होने को सुन रहा हूं, वो इसे अलग करेगी। वो क्या करती है? वो उसके डंठल को काट का साफ़ कर देगी। लेकिन उसके पास एक ऊपर उठाने वाला है, जो उसके लिए रुका हुआ है। वो एक सुबह को घर चली जाएगी। ओह, हाँ । आप समझ रहे है, "आमीन" कहे? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

363 मैं जानता हूं संसार इसे विश्वास नही करता है। वे इसे विश्वास नही नही कर सकते है। क्या... बस उनके लिए दया को महसुस कर रहा हूं, क्योंकि, "कोई मनुष्य नहीं आ सकता है जब तक उसे पिता नही खींच लाये; और जिन सबको पिता ने मुझे दिया है वे आएंगे।" यदि उसका नाम जीवन की किताब में है तो, वो निश्चय ही वचन को पहचान लेंगे। उसे लेना ही है, ये बहुत पहले ही हो चूका है। ये पूरी तरह से इतना प्रमाणित हो चूका है, जब तक ये सच्चाई को वास्तविक नही कर देता है।

364 अब हमारे पास और ज्यादा संस्थाए नही होगी, लेकिन सारी संस्थाए एक के अन्दर चली जाएगी। वो किसके लिए अच्छी है? जा रही है... उस भूसी के साथ वे क्या करते है? इसे जला देते है। यीशु ने कहा, "वे दूत आकर उस गेंहू को खते में इकट्ठा करेंगे।" और फिर क्या बात जगह लेगी? "वे डंठल, और भूसी, और झाड़ियाँ, न बुझने वाली आग से जला दी जायेंगी।" आपने देखा? और पहले क्या होना है? वे दूत आगे

जाकर और पहले जंगली झाडीयो को एकत्र करते है। क्या यह सही है? देखो, वे एक बड़ी संस्था में खुद को एकत्र करके बांध रहे है, अब और संस्थाए नही है।

365 वो गेंहू यहाँ पर है। परमेश्वर का धन्यवाद हो, वो सम्पूर्ण गेंहू यहाँ पर है। मसीह यहाँ पर है। वो अपने वचन को साबित करता है, यही सच्चाई है। वो गेंहू यहाँ पर है, ये अब पक्वता में आ रहा है, ये पुत्र की उपस्थिति में पड़ा हुआ है।

366 कोई भी मनुष्य इसे छुने नही पाए, इस सबसे पीछे हट रहे है, "हम इसके साथ कोई संबंध नही रखेंगे।" आपको यह करना होगा।

367 ओह, भाई, गेहूं में आ जाओ, आपका जीवन जो आपमें है, उस गेंहू के अन्दर आने दो। क्या आप करेंगे? परमेश्वर पर विश्वास करो। ना ही... केवल परमेश्वर के साथ बने रहो। क्या आप इसे निश्चय ही कर लेंगे? क्या हो यदि कोई कहे... मैं परवाह नही करता।

368 जैसे एक बार मैंने एक कहानी को पढ़ा। एक डॉक्टर था, वो एक भला व्यक्ति था, और वो गरीब लोगों से प्रेम करता था। हर समय वे गरीब लोग अपने कर्जो को नही दे पाते थे, तो आप जानते है उसने क्या किया था? वो केवल लाल कलम से इसे हस्ताक्षर करता, और कहता, "आप क्षमा किये गए।" अत: वो डॉक्टर मर गया। और जब डॉक्टर मर गया, उसकी पत्नी घमंडी थी। वो अलग ही थी, जैसे आज की कलीसिया है। उसने जाकर और उन सबको एक साथ सजा दी। उसने मुकदमा किया और उसने सबको कचहरी में घसीटा, "तुम्हे कैसे भी इन बिल को भरना होगा।"

369 लेकिन न्याधीश ने कुछ सूचियों को उठाया, कहा, "मैडम, यहाँ पर आये।" उसने कहा, "क्या यह लाल स्याही से हस्ताक्षर आपके पति की है? "

स्त्री ने कहा, "हाँ, श्रीमान, यह है।"

370 कहा, "वहां धरती में एक भी कचहरी उन पर मुकदमा नही चला सकती है। वे आजाद है।"

371 उन्हें जो भी चाहे कहने दो। उसने उसके उसके खुद के लहू से वचन को हस्ताक्षर किया है। कोई भी इसे हमसे नही ले सकता है, भाई। हम आजाद है।

372 आईये प्रार्थना करें। निश्चय ही आप... [एक भाई सभा में एक प्रोत्साहन को देता है। टेप पर रिक्त स्थान—सम्पा।] आमीन।

373 अब अपने सिरों को झुकाने के साथ। यदि मैं समझता हूं, राजा के दिनों में एक खड़ा हुआ था, और एक भविष्यवाणी को दिया, उन्हें शत्रु से कहाँ मिलना चाहिए और नष्ट करना है। अब, यदि मैं समझता हूं कि यह सही है, वहां पर आपको अपने शत्रु से मिलने का एक स्थान है, वो वचन पर है। यही जहाँ पर वो आपसे मिलने की कोशिश करता है। तुम उसके साथ, यहोवा यो कहता है, के साथ मुलाकात करते हो।

374 कितने लोग यहाँ पर अपने झुके हुए सिरों के साथ है (दोपहर होने को है, मेरे पास वेदी की पुकार के लिए समय नहीं है लेकिन केवल यही) अपने हाथों को उठाएंगे झुके हुए सिरों के साथ, अपनी आँखों को बंद करे, "मैं उसका भाग बनना चाहता हूं। मैं उससे और उसके वचन के साथ जुड़ना चाहता हूं। कोई परवाह नही क्या आता है और जाता है, संसार क्या कहता है, मैं उसका भाग होना चाहता हूं।" अपने हाथो को उठाये और कहे, "मैं करूँगा? " परमेश्वर आपको आशीष दे। एक सौ प्रतिशत, मैं विश्वास करता हूं।

375 अपने सिरों को झुकाने के साथ, जबकि हम सोच रहे है, अब धीरे से इस गीत को गुनगुनायेंगे। हर एक प्रार्थना करते हुए।

धन्य है वो जोड़ जो बांधता है (यह वचन है)
हमारे हृदयो को मसीही प्रेम में,
वो भाई बंधू की संगती,
ऊपर के समान हो जैसे ("जैसे मैं और मेरा पिता एक
है, तुम भी उसके साथ एक हो।")

जब हम भिन्न–भिन्न जुदा होते है,
ये हमें भीतर से दर्द देता है,
लेकिन हम फिर भी दिलो में जुड़े रहेंगे,
और वापस मिलने की आशा करते है।

376 अगले शनिवार सुबह फ्लेगस्टॉफ, एरिज़ोना, पर प्रभु ने चाहा तो, मैं आशा करता हूं, आपसे फिर से मुलाकात करूँगा। क्या आप उससे प्रेम करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

377 अब मैं अब इसे इस तरह से विदा करूँगा, देखे। बाइबल ने कहा, "जितनो ने उस पर विश्वास किया, और जितनो ने वचन को स्वीकार किया।" समझे? मैं नही कह सकता हूं, कि कौन है और कौन नही है, यह तो आप पर है। लेकिन यदि आप कोई छोटे से सिद्धान्त को पकडे हुए है, कुछ आप में से मेथोडिस्ट, बैप्टिस्ट, या पेंटीकोस्टल या आप जो कोई भी होने दो, जो कुछ तो उस वचन विरोध में पकडे हुए है, कृपया करके मेरे प्रिय लोगो, आज उससे वापस मुड जाये। क्या आप नही मुड़ेंगे? इससे वापस मुड जाये, और उसकी ओर मुड़े। एक भी शब्द आपको मसीह की संगती से कभी भी अलग ना करने दे। होने पाए उसकी आत्मा इसे प्रदान करें।

378 पिता, परमेश्वर, लोग यहाँ पर एक लम्बे समय से बैठे हुए है। ये मुझे उस पौलुस के समय की याद दिलाता है, उसी शैली में प्रचार करता हुआ, यह सुसमाचार था, वे सारी रात बैठे और उसे सुन रहे थे, और एक जवान व्यक्ति खिड़की से गिरकर और मर गया। पौलुस ने जाकर और अपने शरीर को उस जवान व्यक्ति के ऊपर फैला दिया, और कहा, "उसका जीवन वापस आ चूका है।" अब, पिता, यहाँ पर बीमार और पीड़ित लोग है, यहाँ पर वे है, जिन्हें उनके शरीर के लिए प्रार्थना की आवश्यकता है। मैं प्रार्थना करता हूं, प्रिय परमेश्वर सभा होने तक इंतजार ना करे। वे किसी भी सभा के होने का इंतजार ना करें। वो वचन हमेशा ही यहाँ पर होता है, जो मसीह है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आप उन में से हर एक को चंगा करेंगे। उन में से हर एक जन पूरी तरह से चंगा हो जाये, परमेश्वर। इसे प्रदान करें। उन्हें आशीष दे, उनके प्रयासों को। वे यहाँ पर नहीं बैठे होते, प्रभु, उन्होंने इसे नही सुना होता, यदि वे इस पर विश्वास नही करते थे तो। अब, प्रभु, उन्होंने अपने हाथो को ऊपर उठाया है, वे इसे विश्वास करते है, अब वे इसे अपने ह्रदयो के अन्दर ग्रहण करें हर एक सेवक, हर एक जन साधारण, वे पापी, वे मसीह को ग्रहण करे; जो पीछे हटे हुए है वापस आ जाये। इसे प्रदान करें पिता। इन आशीषो को हम यीशु मसीह के नाम से मांगते है। आमीन।

मैं आपसे प्रेम करता हूं,

उसने मेरे नाम को वहां पर रखा, बहुत वर्ष पहले।

... पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को मोल लिया
उस कलवरी के पेड़ पर।

379 आप उससे प्रेम करते है? जबकि हम इसे फिर से गाते है, मेज के आस–पास जाकर और किसी के हाथो को मिलाकर, कहे, "प्रिय यात्री, में यहाँ पर आज सुबह बैठे रहने से खुश हूं। मैं मसीह पर विश्वास करता हूं। क्या आप नही करते? " इसी तरह से कुछ कहे। जब हम वापस गाते है।

मैं... (... ? ...)
... मेरे उद्धार को मोल लिया,
उस कलवरी के पेड़ पर।

380 अब, अभी से आगे, क्या हम पूरी तरह से संसार के साथ है? क्या हम पूरी तरह से संसार के फैशन के साथ है? और... वो सारी मुर्खता और यहाँ की ये सारी चमक–दमक, और इस सुसमाचार को लेकर और इसमें से व्यवसाय को बनाना, और—और क्या हम पूरी तरह से इसके साथ है? क्या हम नही है? मुझे केवल यीशु दे दो, यही सब मैं चाहता हूं। "उसे जानना ही जीवन है, उसे जानना।" मैं आपसे प्रेम करता हूं। क्या आप उससे प्रेम नही करते? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ओह, हम आपसे से प्रेम करें!

381 अब मैं सभा को भाई कार्ल को सौप रहा हूं। मैं नही जानता, वे और क्या करने जा रहे है।

382 परमेश्वर आपको आशीष दे। और मैं आपसे अगले रविवार को फिर से मिलने की आशा करता हूं, और यदि मैं आपसे नही मिल सकता हूं... या फिर अगले शनिवार को मिलूँगा। यदि मैं आपसे तब नही मिलता हूं, तो आपको टूयूसान मैं मिलूँगा। यदि तब भी नही तो, मैं आपको वापस यहाँ पर सत्रह तारीख को मिलूँगा, यदि तब भी नही तो, फिर मैं आपसे महिमा में मिलूँगा। आमीन।

383 भाई कार्ल अब, मैं नही जानता कि वे ठीक इस समय पर क्या करना चाहते है, भाई विलियम्स।

कटनी का समय HIN64–1212

(The Harvest Time)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रन्हम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में, शनिवार सुबह, 12 दिसम्बर, 1964 को, फुल गोस्पल बिसनेसमेन फ़ेलोशिप के अंतरराष्ट्रीय नाश्ते पर, रमदा इन, फोनिक्स, एरिजोना, यू. एस. ए. में प्रचारित किया गया, जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है । इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2017 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org